epaper.dehatsandesh.com

3 जौड़ियां में 1953 प्रजा परिषद के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी

5 रणजी में नहीं चला विराट कोहली का बल्ला

8 कमोडिटी ट्रेडिंग क्या है?

मौसम जम्मू — न्यूनतम 10 — अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-31 | जम्मू तवी, शनिवार 01 फरवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

03 कट्टर अपराधियों पर पीएसए के तहत मामला दर्ज

कठुआ 31 जनवरी । एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना की समग्र निगरानी में जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ ने 03 कट्टर अपराधियों/ओवर ग्रोउंड वर्कर को पकड़ा, जिनके खिलाफ पुलिस स्टेशन बिलावर में कई एफआईआर दर्ज की गईं और सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम 1978 (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया गया।

जनकारी के अनुसार पुलिस स्टेशन बिलावर और पुलिस पोस्ट रामकोट की एक पुलिस टीम ने तीन हार्डकोर अपराधियों को पकड़ा, जिनकी पहचान मोहम्मद रफीक पुत्र कालू खान निवासी घर मालती, रविंदर कुमार शानू पुत्र सुदेश कुमार निवासी डडवाड़ा और अमरीक चंद उर्फ अमरकू पुत्र कालू राम निवासी धर्मकोट तहसील बिलावर जिला कठुआ के रूप में हुई हैं। तीनों ओवर ग्रोउंड वर्कर विभिन्न अवैध गतिविधियों में पिछले कुछ वर्षों से शामिल हैं और पुलिस स्टेशन बिलावर में कई मामले दर्ज हैं। जिले के भीतर अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ डोजियर तैयार किए गए और सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम-1978 (पीएसए) के तहत उनकी हिरासत के लिए और जिला मजिस्ट्रेट कठुआ को भेजे गए। तदनुसार, जिला मजिस्ट्रेट कठुआ ने सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम 1978 के तहत आरोपी व्यक्ति के खिलाफ हिरासत वारंट जारी किया। तदनुसार, वारंट को आज निष्पादित किया गया है और उनकी अवैध गतिविधियों को कम करने के लिए उन्हें जिला जेल जम्मू राजौरी उधमपुर में दर्ज किया गया है।

सीतारमण ने दिया आम बजट को अंतिम रूप

नयी दिल्ली 31 जनवरी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 01 फरवरी, 2025 को अपना आठवां आम बजट पेश कर एक नया इतिहास रचेंगी। वित्त मंत्री ने आज आम बजट 2025-26 को अंतिम रूप दिया।

श्रीमती सीतारमण ने यहां नार्थ ब्लॉक स्थित वित्त मंत्रालय में बजट की तैयारियों में लगे अधिकारियों और मंत्रालय के सचिवों से चर्चा की और बजट को अंतिम रूप दिया। इस दौरान वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी मौजूद थे।

यह मोदी 3.0 सरकार का पहला पूर्ण बजट है और बजट आमतौर पर सुबह 11 बजे लोकसभा में पेश किया जाता है तथा उसके बाद उसे राज्यसभा के पटल पर भी रखा जाता है। वित्त मंत्री के रूप में श्रीमती सीतारमण का यह आठवां बजट होगा, जिसमें अब तक उनके द्वारा पेश किए गए दो अंतरिम बजट भी शामिल हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार की पूरी कोशिश वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की है और वित्त मंत्री का पूरा जोर इस वर्ष भी पिछले वर्ष की तरह ही बुनियादी क्षेत्र (इन्फ्रास्ट्रक्चर) पर व्यय, सामाजिक कल्याण, ग्रामीण भारत के साथ ही अर्थव्यवस्था में हाल में आई नरमी को गति देने के उपायों पर हो सकती है। इसमें आम लोगों विशेषकर नौकरीपेशा लोगों को भी राहत मिल सकती है ताकि उनकी व्यय योग्य आय में वृद्धि हो सके और उनके व्यय से अर्थव्यवस्था को गति देने में मदद मिल सके।

आमतौर पर शनिवार को शेयर बाजार में अवकाश होता है, लेकिन बजट पेश किये जाने के मद्देनजर कल शेयर बाजार खुले रहेंगे। शेयर बाजार द्वारा जारी एक सर्कुलर में इसकी पुष्टि की गई है। शनिवार को बाजार अपने नियमित समय के साथ सामान्य रूप से संचालित होंगे।

इसके साथ ही श्रीमती सीतारमण 10 बार बजट पेश करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के रिकॉर्ड के और करीब पहुंचेंगी। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के नाम 10 बार बजट पेश करने का कीर्तिमान है। श्री देसाई ने 1959-1964 के बीच वित्त मंत्री के रूप में लगातार छह बार बजट पेश किए थे और 1967-1969 के बीच चार बार बजट पेश किए थे।विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार की पूरी कोशिश वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की है और वित्त मंत्री का पूरा जोर इस वर्ष भी पिछले वर्ष की तरह ही बुनियादी क्षेत्र (इन्फ्रास्ट्रक्चर) पर व्यय, सामाजिक कल्याण, ग्रामीण भारत के साथ ही अर्थव्यवस्था में हाल में आई नरमी को गति देने के उपायों पर हो सकती है। इसमें आम लोगों विशेषकर नौकरीपेशा लोगों को भी राहत मिल सकती है ताकि उनकी व्यय योग्य आय में वृद्धि हो सके और उनके व्यय से अर्थव्यवस्था को गति देने में मदद मिल सके।

नॉमिनल जीडीपी डॉलर आधार पर 10 प्रतिशत की दर से बढ़नी चाहिए : नागेश्वरन

नयी दिल्ली 31 जनवरी। सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार एवं आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के लेखक वी अनंत नागेश्वरन ने आज कहा कि विकसित भारत के लिए नॉमिनल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर डॉलर आधार पर 10 प्रतिशत की वार्षिक गति से बढ़नी चाहिए।

श्री नागेश्वरन ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 को पेश किये जाने के बाद संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जबाव यह बात कही। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में आर्थिक विकास दर 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक स्थितियों के बीच भारत अभी भी दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ने वाला देश बना हुआ है।

उन्होंने सर्वेक्षण का उल्लेख करते हुये कहा कि निजी क्षेत्र को निवेश बढ़ाने पर जोर दिया गया है। सोलर पैनल एवं इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण के लिये जरूरी उपकरणों के निर्माण में चीन की बादशाहत के बीच भारत में इनके उत्पादन को गति देने पर भी जोर दिया गया है। हाल के वर्षों में सरकार ने इस दिशा में काम किया है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र विशेषकर एमएसएमई क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने की चर्चा की गयी है साथ ही श्रम कानून में भी ऐसे उपाय करने पर जोर दिया गया है जिससे मांग के समय कंपनियों में उत्पादन बढ़ाने के लिए ओवर टाइम की सीमा को समाप्त किया जा सके जो एक निश्चित अवधि के लिए कार्यावधि की समय के दायरे में हो।

घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो भारी हथियारों से लैस आतंकवादी ढ़ेर

पुंछ, 31 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पार से घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए सेना ने दो भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना द्वारा इलाके में जारी तलाशी अभियान के दौरान कई हथियार और युद्ध जैसे सामान बरामद हुए हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह घटना गुरुवार को पुंछ जिले के खारी करमारा इलाके में हुई और आज सुबह अंतिम रिपोर्ट मिलने तक बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चल रहा था।

सेना की जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कल रात पुंछ सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर आतंकवादी गतिविधि का पता चला। सतर्क सैनिकों ने घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों पर

तेजी से हमला किया जिसके बाद भीषण और भारी गोलीबारी शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि रात भर अभियान जारी रहा जिसके परिणामस्वरूप दो आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा कि अब तक इलाके की तलाशी में कई हथियार और युद्ध जैसे सामान बरामद हुए हैं।

जम्मू-कश्मीर विधानमंडल की कार्य नियम समिति की अगली बैठक 4 फरवरी को

जम्मू, 30 जनवरी। जम्मू-कश्मीर विधानमंडल की कार्य नियम समिति की अगली बैठक 4 फरवरी, 2024 को होगी। यह बैठक जम्मू-कश्मीर विधान सभा के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर की अध्यक्षता में एलए कॉम्प्लेक्स, जम्मू में उनके कार्यालय कक्ष में सुबह 11 बजे होगी। अब तक जम्मू-कश्मीर विधान सभा में कार्य संचालन के लिए प्रक्रिया के नियमों का मसौदा तैयार करने के लिए गठित नियम समिति की दो बार बैठक हो चुकी है।

जम्मू-कश्मीर विधान सभा में कार्य संचालन के नियम 363 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अध्यक्ष द्वारा 24 दिसंबर, 2024 को नौ सदस्यीय पैनल की घोषणा की गई थी। अध्यक्ष समिति के पदेन अध्यक्ष होते हैं। इसकी पहली बैठक 1 जनवरी, 2025 को हुई थी। 7 जनवरी, 2025 को हुई अपनी दूसरी बैठक में यह निर्णय लिया गया कि समिति पहले चरण में मौजूदा नियमों में विसंगतियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करेगी क्योंकि नए नियम बनाना उपराज्यपाल का विशेष अधिकार क्षेत्र है। समिति को आगामी बजट सत्र जो 3 मार्च, 2025 से शुरू होने वाला है के शुरू होने से पहले जम्मू-कश्मीर विधानसभा में प्रक्रिया और व्यवसाय के संचालन के नियमों के मसौदे को अंतिम रूप देने के लिए कहा गया है।

पैनल के सदस्यों के रूप में नामित अन्य आठ विधायकों में पूर्व स्पीकर मुबारिक गुल (एनसी); मोहम्मद यूसुफ तारिगामी (सीपीआई-एम); सैफुल्लाह मीर (एनसी); निजाम-उद-दीन भट (कांग्रेस); पवन कुमार गुप्ता (भाजपा), न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) हसनैन मसूदी (एनसी), रणबीर सिंह पठानिया (भाजपा) और मुजफ्फर इकबाल खान (स्वतंत्र) शामिल हैं।

जिला मजिस्ट्रेट जम्मू ने जिले भर में बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन ऑडिट का निर्देश दिया

जम्मू 31 जनवरी। जिला मजिस्ट्रेट जम्मू सचिन कुमार वैश्य ने जिले में सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य सुविधाओं से उनकी वर्तमान अपशिष्ट निपटान प्रथाओं पर एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जिसमें बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रोटोकॉल के अनुपालन में कमी भी शामिल है। जिले भर में बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार के लक्ष्य के साथ बायो मेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन और हैंडलिंग नियमों के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक के दौरान यह निर्देश जारी किया गया।

महाकुम्भ- सीसीटीवी फुटेज और टोपोग्राफी के आधार पर होगी मौनी अमावस्या हादसे की सघन जांच

महाकुम्भनगर, 31 जनवरी। महाकुम्भ में मौनी अमावस्या स्नान पर हुए हादसे की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग ने अपनी कार्यवाही तेज कर दी है। आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति हर्ष कुमार ने शुक्रवार को प्रयागराज में अधिकारियों के साथ पहली बैठक की। बैठक के बाद आयोग ने संगम नोज के निकट घटनास्थल का निरीक्षण भी किया। जांच आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति हर्ष कुमार ने कहा कि घटनास्थल की टोपोग्राफी और परिस्थितियों का अध्ययन किया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों का गहराई से विश्लेषण किया जाएगा।

बता दें कि प्रयागराज महाकुम्भ में मौनी अमावस्या के मौके पर स्नान के लिए उमड़ी भीड़ में भगदड़ की स्थिति बन गई, जिसमें 30 लोगों की मौत हो गई थी और 60 अन्य घायल हो गए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे की जांच के लिए तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति हर्ष कुमार की अध्यक्षता वाले इस आयोग में सेवानिवृत्त आईएएस अफसर डी. के. सिंह और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी वी. के. गुप्ता भी शामिल हैं। आयोग को अपने गठन के एक महीने के अंदर मामले की जांच रिपोर्ट देनी होगी। इस सिलसिले में जारी अधिसूचना के मुताबिक आयोग भगदड़ के कारणों और परिस्थितियों की जांच करेगा। साथ ही भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के सिलसिले में सुझाव भी देगा।

घटनास्थल की जमीनी सच्चाई पर फोकस आयोग ने अधिकारियों से हादसे की परिस्थितियों और इलाके की भौगोलिक स्थिति पर विस्तृत जानकारी ली। न्यायमूर्ति हर्ष कुमार ने बताया कि यह आकस्मिक दुर्घटना थी लेकिन इसके पीछे के कारणों को सिलसिलेवार तरीके से समझने का प्रयास किया जा रहा है।

युवा पीढ़ी में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने में स्कूलों की महत्वपूर्ण भूमिका है : सकीना इत्तू

जम्मू 31 जनवरी । स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने बाबा जित्तो ऑडिटोरियम स्कॉस्ट में एसजीएसडी इंटरनेशनल स्कूल के वार्षिक समारोह को संबोधित किया।

मंत्री जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि थीं ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में स्वास्थ्य और शिक्षा पर सरकार के विशेष ध्यान की पुष्टि की और यह सुनिश्चित किया कि इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जीवंतता लाने के लिए काम करने वाले सभी संस्थानों को आवश्यक सहायता प्रदान की जाए। .

उन्होंने युवा पीढ़ी के बीच नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने में स्कूलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और माता-पिता और शिक्षकों से इस खतरे को रोकने के लिए सामूहिक रूप से काम करने के लिए सरकार को समन्वय प्रदान करने का आग्रह किया।

जम्मू-कश्मीर के बच्चों की प्रतिभा को स्वीकार करते हुए, सकीना ने उत्कृष्ट सांस्कृतिक प्रदर्शन और कार्यक्रम में प्रदर्शित प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने युवा दिमागों के भविष्य को आकार देने, उन्हें डॉक्टर, प्रशासक, इंजीनियर या सामाजिक कार्यकर्ता बनने के उनके सपनों को साकार करने में मदद करने में स्कूलों के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि सरकार एसजीएसडी जैसे स्कूलों को उनके मिशन में समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में मौजूद कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास, पंचायती राज,

सहकारिता और चुनाव विभाग के मंत्री जावेद अहमद डार ने भी कार्यक्रम में शामिल होने पर खुशी जताई। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्रों को शिक्षा और खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता के लिए एसजीएसडी इंटरनेशनल स्कूल की सराहना की। उन्होंने स्कूल के मिशन और नामांकित बच्चों के समग्र विकास के प्रति इसके समर्पण को चलाने वाली किसी दैवीय शक्ति पर ध्यान दिया। छात्रों को आधुनिक प्रगति के अनुरूप सीखने और अपने कौशल को उन्नत करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए मंत्री ने एसजीएसडी इंटरनेशनल स्कूल को जिम्मेदार और सक्षम नागरिकों के पालन-पोषण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला एक मॉडल संस्थान बताया। मंत्री ने आष्वासन दिया कि सरकार ऐसे स्कूलों को आगे बढ़ने और अकादमिक उत्कृष्टता और सामाजिक विकास के उनके मिशन को जारी रखने में मदद करने के लिए हर संभव सहायता देगी।

कृषि क्षेत्र ने दिखाया लचीलापन, वित्त वर्ष 2017-23 के दौरान औसत वृद्धि दर 5 प्रतिशत रही- आर्थिक सर्वेक्षण

नई दिल्ली, 31 जनवरी। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आज संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 में कहा गया है कि देश के कृषि क्षेत्र ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है। इसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि वित्त वर्ष 2017 से 2023 तक सालाना औसतन 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो चुनौतियों के बावजूद लचीलापन दर्शाता है।

आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में कृषि क्षेत्र ने 3.5 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की। कृषि और संबंधित क्षेत्रों का सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) वित्त वर्ष 15 में 24.38 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 23 तक 30.23 प्रतिशत हो गया है। अर्थव्यवस्था में कुल जीवीए में 20 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ कृषि की लगातार और स्थिर वृद्धि लगभग 5 प्रतिशत है, जो जीवीए में 1 प्रतिशत की वृद्धि का योगदान देगी।

आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि 2024 में खरीफ खाद्यान्न उत्पादन 1647.05 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) तक पहुंचने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 89.37 एलएमटी की वृद्धि है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि पिछले दशक में कृषि आय में सालाना 5.23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि सरकार कृषि उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से कई पहलों को लागू कर रही है, जो किसानों की आय दोगुनी करने (डीएफआई) रिपोर्ट 2016 में दी गई सिफारिशों के अनुरूप है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य-

आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि 2018-19 के केंद्रीय बजट में सरकार ने फसलों के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत से कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर एमएसपी तय करने का सिद्धांत तय किया है।

सामूहिक सामर्थ्य, नवान्वेषण से बनेगा 2047 का विकसित भारत : मुर्मु

नयी दिल्ली 31 जनवरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि सरकार विकास में सबकी भागीदारी को महत्व देते हुए किसान, मजदूर, नौकरी पेशा मध्यम वर्ग, महिलाओं की हिस्सेदारी को सुनिश्चित कर विश्व बंधु की भूमिका में ग्लोबल साउथ (दक्षिण गोलार्द्ध के विकासशील और गरीब देशों के समूह) की प्राथमिकताओं के साथ तीसरी आर्थिक शक्ति बन रहे देश को 2047 में विकसित भारत बनने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रही है।

श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को संसद के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा सरकार विकसित भारत के विजन में जनभागीदारी के सामूहिक सामर्थ्य को महत्व देते हुए देश की आर्थिक उन्नति के रोडमैप को सशक्त बना रही है और अपने तीसरे कार्यकाल में जो कदम उठा रही है उसमें आर्थिक गति बढ़ाने के लिए ढांचागत विकास, कृषि विकास, सामाज के हर वर्ग को विकास की धारा से जोड़कर सबके विकास को सुनिश्चित को विशेष महत्व दे रही है। देश में सभी को भोजन और आवास मिले इस योजना को प्राथमिकता देते हुए सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना का विस्तार कर तीन करोड़ अतिरिक्त परिवारों को नये घर देने का निर्णय लिया है। इसके

लिए पांच लाख छत्तीस हज़ार करोड़ रुपए खर्च किए जाने की योजना है। सरकार के विकसित भारत के विजन में जनभागीदारी के सामूहिक सामर्थ्य को महत्व देते हुए देश की आर्थिक उन्नति के रोडमैप को मजबूत बनाया जा रहा है।

राष्ट्रपति ने अपने संबोधन के आरंभ में दो माह पहले संविधान बनने की 75वीं वर्षगांठ तथा 26 जनवरी को भारतीय गणतंत्र की 75 वर्षों की यात्रा का ज़िक्र किया और लोकतन्त्र की जननी के रूप में भारत के गौरव को नयी ऊंचाई देने के लिए देशवासियों की तरफ से बाबासाहेब आंबेडकर समेत सभी संविधान निर्माताओं को नमन किया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर भी शोक व्यक्त करते हुए प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर तड़के भगदड़ में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि भी अर्पित कर घायलों के शीघ्र स्वास्थ होने की कामना की।

उन्होंने कहा, भारत की विकास यात्रा के इस अमृतकाल को आज सरकार अभूतपूर्व उपलब्धियों के माध्यम से नई ऊर्जा दे रही है। तीसरे कार्यकाल में तीन गुना तेज गति से काम हो रहा है। आज देश बड़े निर्णयों और नीतियों को असाधारण गति से लागू होते देख रहा है। और इन निर्णयों में देश के गरीब, मध्यम वर्ग, युवा, महिलाओं, किसानों को सर्वोच्च प्राथमिकता मिली है। गांव में गरीबों को उनकी आवासीय भूमि का हक़ देने और वित्तीय समावेशन के लिए प्रतिबद्ध है। स्वामित्व योजना के अंतर्गत अब तक दो करोड़ पच्चीस लाख सम्पत्ति कार्ड जारी किए हैं जिनमें से करीब 70 लाख कार्ड पिछले छह महीने में जारी हुए हैं। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत करोड़ों किसानों को पिछले महीनों में 41 हज़ार करोड़ रुपए की राशि का भुगतान हुआ है। जनजातीय समाज के पांच करोड़ लोगों के लिए卐धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष卐 अभियान प्रारंभ हुआ है। इसके लिए अस्सी हज़ार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सरकार के एक दशक के कार्यकाल ने विकसित भारत की यात्रा को नई ऊर्जा दी है।

राष्ट्रपति ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के छह करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा देने का फैसला हुआ है। इन्हें हर वर्ष पांच लाख रुपये का हेल्थ कवर मिलेगा। छोटे उद्यमियों के लिए मुद्रा ऋण की सीमा दस लाख रुपए से बढ़ाकर बीस लाख रुपए कर दी गई है। सरकार ने युवाओं की शिक्षा और उनके लिए रोज़गार के नए अवसर तैयार करने पर विशेष फोकस किया है। मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा में वित्तीय सहायता देने के लिए पीएम विद्यालक्ष्मी योजना शुरू की गई है। एक करोड़ युवाओं को शीर्ष 500 कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर भी दिये जाएंगे। पेपर लीक की घटनाओं को रोकने और भर्ती में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए नया कानून लागू किया गया है। सहकार से समृद्धि की भावना पर चलते हुए सरकार ने 'त्रिभुवन' सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव स्वीकृत किया है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण में 25 हज़ार बस्तियों को जोड़ने के लिए 70 हज़ार करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं।

महबूबा मुफ्ती ने नीतीश कुमार और नायडू से वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने का किया आग्रह

श्रीनगर 31 जनवरी । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिखकर उनसे प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने और इसे राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाने से रोकने का आग्रह किया है। अपने पत्र में जम्मू और कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने विधेयक पर गहरी चिंता व्यक्त की और इसे असंवैधानिक, अविवेकपूर्ण और सत्तावादी कहा। उन्होंने तर्क दिया कि प्रस्तावित संशोधन सीधे तौर पर वक्फ अधिनियम के मूल उद्देश्य को कमजोर करते हैं जो मुस्लिम समुदाय के लिए धार्मिक और धर्मार्थ कारणों के लिए समर्पित संपत्तियों की रक्षा और संरक्षण करना है। मुफ्ती ने लिखा कि यह विधेयक ऐसे समय में आया है जब पिछले एक दशक से मुसलमानों को व्यवस्थित रूप से वंचित, शक्तिहीन और राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से हाशिए पर रखा गया है। उन्होंने सरकार पर विपक्ष की चिंताओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया और संसदीय परामर्श प्रक्रिया को प्रभावित समुदाय से जुड़ने के वास्तविक प्रयासों के बिना तमाशा बताया।

उन्होंने आगे चेतावनी दी कि यह विधेयक हमारे

संविधान द्वारा गारंटीकृत मौलिक अधिकारों पर सीधा हमला है और बहुसंख्यकवाद को दर्शाता है जिसने 2014 से कट्टरता और मुसलमानों को हाशिए पर धकेला है। मुफ्ती ने महात्मा गांधी के समावेशी भारत के दृष्टिकोण का भी हवाला देते हुए कहा कि यह विधेयक राष्ट्र के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को खतरे में डालता है। एनडीए सरकार में प्रमुख सहयोगी नीतीश कुमार और नायडू से अपील करते हुए उन्होंने उनसे विधेयक को रोकने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि इसके पारित होने से राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव को नुकसान हो सकता है।

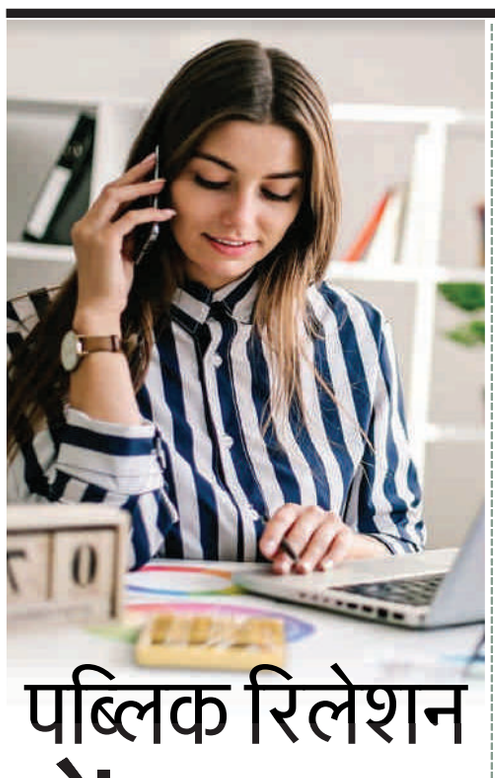

पब्लिक रिलेशन में बनाना है कॅरियर

अगर आप पीआर में अपना कॅरियर देख रहे हैं तो 12वीं के बाद, आप मास मीडिया, पत्रकारिता, या यहां तक कि जन संचार में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। ये आपको कम्युनिकेशन, समाजशास्त्र, डिजिटल विज्ञापन आदि जैसे विषयों में एक मुख्य आधार प्रदान करेंगी।

आज के समय में युवा कई अलग-अलग क्षेत्रों में अपने भविष्य की तलाश करते हैं। अगर आपको लोगों से मिलना अच्छा लगता है और आप हमेशा कुछ नया करना चाहते हैं तो ऐसे में आप पब्लिक रिलेशन में अपना करियर तलाश कर सकते हैं। यह एक ऐसा करियर ऑप्शन है, जिसे सबसे प्रतिष्ठित और अच्छी तनख्वाह वाली कंपनियों में से एक माना जाता है। हालांकि, पब्लिक रिलेशन में करियर बनाने के लिए आपको कई बातों का ध्यान रखना होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप पीआर में अपना करियर कैसे शुरू कर सकते हैं-

एजुकेशन पर दें ध्यान

अगर आप पीआर में अपना कॅरियर देख रहे हैं तो 12वीं के बाद, आप मास मीडिया, पत्रकारिता, या यहां तक कि जन संचार में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। ये आपको कम्युनिकेशन, समाजशास्त्र, डिजिटल विज्ञापन आदि जैसे विषयों में एक मुख्य आधार प्रदान करेंगी। यदि आप किसी विशिष्ट उद्योग क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो यह एक पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा करें। उदाहरण के लिए, यदि आप पीआर के बारे में जानने के लिए सब कुछ सीखना चाहते हैं, तो अपने कौशल को अगले स्तर तक ले जाने के लिए एमआईसीए और अपग्रेड के जनसंपर्क एमए प्रोग्राम देखें। इस कार्यक्रम के साथ, आप सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग विश्लेषण और उद्योग से संबंधित कई अन्य स्किल्स को सीख सकते हैं।

लें अनुभव

यह सच है कि किसी भी क्षेत्र अपना कॅरियर स्थापित करने के लिए अनुभव होना बेहद आवश्यक है। इसलिए, जब आप कॉलेज में हों तो इंटर्नशिप करना अच्छा रहेगा। यह न केवल आपको अपने पाठ्यक्रम में सीखी गई बातों को लागू करने में मदद करता है, बल्कि यह आपको उद्योग के कामकाज को समझने में भी सक्षम बनाता है। इस तरह, आपको पता चल जाएगा कि आपको किन स्किल्स को विकसित करने की आवश्यकता है। इतना ही नहीं, इंटर्नशिप करने के बाद आपके लिए एक अच्छी नौकरी प्राप्त करना भी अधिक आसान हो जाएगा।

प्रोफेशनल नेटवर्क करें बिल्डअप

अगर आप पीआर फील्ड में खुद को स्थापित करना चाहते हैं तो पहले आपको प्रोफेशनल नेटवर्क भी बिल्डअप करना होगा। शुरू में आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोफेशनल से संबंधित समूहों में शामिल हों जो आप कर सकते हैं। लिंक्डइन और यहां तक कि फेसबुक पर भी ऐसे कई ग्रुप हैं। आपको बस इतना करना है कि अपने आप को नियमित रूप से अपडेट रखें कि कौन अक्सर पोस्ट कर रहा है। ऐसा करने से, आप नवीनतम समाचारों पर भी अप-टू-डेट रहेंगे, कुछ नया सीखेंगे और उपयोगी व्यावसायिक संबंध विकसित करेंगे।

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन की ऐसे करें तैयारी

बैंकों व सरकारी संस्थानों में भर्ती का दौर शुरू हो गया है। इसमें रुकी हुई पुरानी भर्तियों के अलावा नई भर्तियां भी शामिल हैं। अब आप में से अधिकतर छात्र इन अवसरों का लाभ उठाने का प्रयास कर रहे होंगे, और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के बारे में योजनायें बना रहे होंगे। परीक्षा के दौरान अधिकतर छात्र असमंजस की स्थिति में होते है कि रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन को हल करने का प्रयास करें या न करें। यह आपका समय नष्ट कर सकता है साथ ही अगर किसी आर्थिक विषय पर आधारित गद्यांश आ जाएं तो यह छात्रों के लिए और मुसीबत वाला हो जाता हैं। हालांकि आपको यह समझना होगा कि रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन ही है जो आपको परीक्षा में अच्छे अंक प्रदान कर सकता है, क्योंकि इसमें व्याकरण से सम्बंधित नियम लागू नहीं होते और आपको उत्तर का अनुमान नहीं लगाना होता, आपको केवल गद्यांश को समझना होता है और आप सभी प्रश्नों का सही उत्तर दे सकते है। आज हम आपको बताएंगे इसे हल करने के कुछ स्ट्रैटेजी व टिप्स।

पैसेज पर एक सरसरी निगाह डालें

परीक्षा के दौरान सबसे पहले आप पैसेज को सरसरी निगाह से देख लें। यहां पर आपको पूरे पैसेज को पढ़ने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यहां पर आपका हर सेकंड कीमती होता है। देखने के बाद आप उस प्रश्न का उत्तर दे जिसके लिए आप पूरी तरह निश्चित हो।

पहले प्रश्न पढ़ें, फिर उत्तर दें

परीक्षा के दौरान जब एक एक सेकेंड मायने रखता है, तब एक रणनीति आपको सफल बनाने में सहायता कर सकती है। अपना समय पूरा पैसेज पढ़ने में नष्ट न करें, पैसेज पढ़ने के स्थान पर पहले प्रश्नों को पढ़ने का प्रयास करें और फिर उसी के अनुसार पैसेज को पढ़े। जब आप टए में आवश्यक पंक्ति को देख लेंगे तो प्रश्न के अनुसार उत्तर देना आपके लिए आसान हो जायेगा। यदि आप अब भी उत्तर नहीं जान पा रहे है तो उस प्रश्न को तुरंत छोड़कर अगले प्रश्न की ओर बढ़ जाइये, किसी भी प्रश्न पर समय नष्ट मत कीजिए। इस तरह से प्रयास करने पर आप कम समय में गद्यांश के विषय और झुकाव के बारे में जान पायेंगे।

शब्दावली आधारित प्रश्नों को हल करें

अगर आप कम समय में ज्यादा अंक अर्जित करना चाहते है, तो आपको शब्दावली आधारित प्रश्नों को हल करने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए आपको पुरे पैसेज को भी पढ़ने की आवश्यकता नहीं है। इन्हें हल करने में भी समय कम लगता है क्योंकि या तो आप शब्द का अर्थ जानते हो या नहीं जानते हो, यहां पर आप सही शब्द चुनने का प्रयास कर सकते हैं।

लेखक का दृष्टिकोण समझें

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में स्कोर करने के लिए लेखक का दृष्टिकोण समझना बहुत जरूरी है। आप यह समझने का प्रयास कीजिए कि लेखक क्या कहना चाहता है जैसे प्रश्नों से दूर रहने का प्रयास कीजिये, चूंकि ये सवाल आम तौर पर विवादास्पद और समय लेने वाले हैं और इसके लिए आपको पूरा पैसेज पढ़ना होगा।

अपना ध्यान केन्द्रित रखो

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में विषय सामग्री पर ध्यान दें। अपने दिमाग को भटकने से बचाए, क्योंकि यह दिन में सपने देखने से शुरू होता है। इसे वास्तविक जीवन पर केन्द्रित करें। अपने आप को समझाएं कि यह सपने आप परीक्षा देने के बाद देख सकते है। जब तक आप दृढ़ता से अध्ययन नहीं करेंगे तब तक आप अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकते है।

पैसेज के मुख्य आइडिया को समझे

सभी पैसेज का एक ऐसा मुख्य आइडिया होता है, जिस पर पूरा पैराग्राफ लिखा जाता है। कभी-कभी ऐसे प्रश्न भी पूछे जाते हैं जिससे पता चल सके कि आप पैराग्राफ में दिए गए मुख्य आइडिया को समझने में सक्षम हैं या नहीं। इसलिए, सबसे पहले पैसेज के आईडिया को समझें तभी आप अन्य प्रश्नों को जवाब दे पाएंगे।

परीक्षाओं की तैयारी में लगे जो छात्र अच्छा स्कोर करना चाहते हैं, वे रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन की तैयारी पर ध्यान दे सकते हैं।

निरंतर अभ्यास जरूरी

जो छात्र खुद को रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में कमजोर समझते हैं, वे अभ्यास नहीं करते है। अधिकतर छात्र इसे घर पर हल नहीं करते है और न ही कोशिश करते हैं, इसकी जगह वे बहुत से बहाने बनाते है। परन्तु यह बहाने आपको सफल नहीं बना सकते। सफलता आपको तब तक नहीं प्राप्त होगी जब तक आप अपने डर और कमजोरी को हरा ना दें।

पढ़ने की स्पीड बढ़ाएं

यह ध्यान रखें कि पैसेज पढ़ने के दौरान अपने होंठों को मत चलाइए, यह आपकी गति को धीमा कर देती है। रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन के लिए आपको स्मार्ट होने की आवश्यकता है और यह आपको अभ्यास से ही प्राप्त हो सकता है। आप मन में पढ़े और अपनी स्पीड बढ़ाएं।

हर प्रोफेशनल्स के लिए जरूरी है ये फोन एटिकेट्स

आज हम किसी से भी, कभी-भी और कहीं भी बात करने के लिए अपने सेलफोन का यूज करते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हमें जैसा चाहें वैसा फोन का उपयोग कर करें। प्रोफेशनल सेटिंग में फोन के उपयोग को लेकर समय और जगह को ध्यान रखना जरूरी होता है। आज हर प्रोफेशनल्स को इन 8 फोन एटिकेट्स को फॉलो करना जरूरी है :

- पहले अभिनवादन करें और अपना पूरा नाम बताएं। केवल अपना पहला नाम बताना हर प्रोफेशनल कॉल में बहुत अनौपचारिक लगता है, वहीं केवल आखिरी नाम बताना भी असभ्यता है।
- कुछ लोगों को यह अंदाजा नहीं होता है कि वे कितना तेज बोलते है, विशेष रूप से जब उनका पूरा ध्यान फोन पर बात कर रहे व्यक्ति पर होता है। अपने आसपास के माहौल के प्रति जागरूक रहें। आप कभी भी नहीं जानते कि आपकी बातों पर कौन ध्यान दे रहा है। सामने बैठे किसी व्यक्ति से आप बात कर रहे हैं, इतने में आपका फोन बज उठता है और फोन पर बात करने लगते हैं। यह एटिकेट्स नहीं है। अगर आप किसी महत्वपूर्ण कॉल के इंतजार में है और इसे रीशेड्यूल करना संभव न हो तो आप जिस शख्स से आप मिल रहे हैं, इसके बारे में उन्हें जानकारी दे दें।
- दूसरों से मीटिंग टेबल पर बात कर रहे हो तो अपना फोन टेबल पर न रखें। भले ही आप मीटिंग के दौरान फोन का जवाब न दें लेकिन यह ध्यान भटकाने के लिए काफी है।
- अगर आप मीटिंग या कॉन्फ्रेंस के बीच में है और ऐसे में आपका फोन बज उठता है तो यह अच्छी बात नहीं है इसे साइलेंट मोड पर रखें या बंद कर दें।
- प्रोफेशनल सेटिंग में यह बात भी मायने रखती है कि आपने अपने सेल का रिंगटोन क्या रखा है। लाउड और ब्लास्टिंग टोन रखने से पहले सोच लें कि इसे लेकर दूसरे क्या रिएक्ट करेंगे।
- अगर किसी प्रोफेशनल कॉल में आपको अपना फोन स्पीकर मोड पर रखना पड़ा हो तो आपको यह ध्यान रखना होगा कि उन्हें बता दें कि आप किसी के साथ बैठे हैं।
- लंबे वॉइसमेल्स न भेजें। छोटे और स्पष्ट संदेश छोड़ें। साफ बोले और व्यक्ति को यह बताएं कि आपने क्यों कॉल किया था। अगर आप फोन नंबर छोड़ रहे हैं तो इसे ये नंबर्स धीरे-धीरे बोले।

नौकरीपेशा लोगों के लिए बेहतर विकल्प है डिस्टेंस एजुकेशन

अगर आप किसी कारणों से नियमित कॉलेज नहीं जा सकें हो तो डिस्टेंस एजुकेशन एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। डिस्टेंस एजुकेशन से मिलने वाली डिग्री भी रेगुलर की तरह ही होती है जिसका इस्तेमाल आप अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए कर सकते हैं।

भारत जैसे देश में जहां आज भी बहुत सारे जिलों में कॉलेज या यनिवर्सिटीज नहीं हैं, वहां डिस्टेंस एजुकेशन का माध्यम खासा लोकप्रिय है। यह एक लचीला माध्यम है, जो छात्रों को पढ़ाई के दौरान दूसरे शौक को भी पूरा करने की छूट देता है। सबसे बड़ी बात यह कि यह कामकाजी और नौकरीपेशा वाले लोगों को भी उच्च शिक्षा की राह दिखा रहा है। इन डिस्टेंस लर्निंग सेंटर में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री और पीजी व मैनेजमेंट कोर्स चलाए जाते हैं। कई डिस्टेंस लर्निंग सेंटर प्रोफेशनल कोर्स भी संचालित करते हैं जो रोजगारोन्मुख होते हैं। इनमें जर्नलिज्म एंड मास निकेशन, लाइब्रेरी साइंस, कम्प्यूटर कोर्सेस आदि शामिल है।

ओपन यूनिवर्सिटी में दाखिला लेना मुश्किल नहीं हैं। ये यूनिवर्सिटीज अपने नियमों के मामले में काफी लचीली होती हैं। यहां कोर्स की फीस भी अमूमन सामान्य संस्थानों के मुकाबले कम होती है। अकादमिक जानकारियों के लिए इन यूनिवर्सिटीज के कोर्स बेस्ट माने जाते हैं। कई यूनिवर्सिटीज में वीकएंड क्लासेज होती हैं, जिससे कामकाजी लोगों को सहूलियत होती है। पढ़ाई और नौकरी के बीच के समय का इस्तेमाल करने वालों के लिए ये यूनिवर्सिटीज ई-क्लास से लेकर छोटी अवधि वाली रेगुलर क्लासेज तक चला रही हैं।

इग्नू और डिस्टेंस एजुकेशन

जो युवा नियमित कॉलेज नहीं जा सकते हैं, उनके लिए पढ़ाई करने और करियर बनाने के लिए एक बेस्ट यूनिवर्सिटी है। इग्नू की पढ़ाई का तरीका अन्य पारंपरिक यूनिवर्सिटीज से अलग है। इग्नू ने पढ़ाई का एक मल्टीमीडिया नजरिया अपनाया है। विज्ञान, कम्प्यूटर, नर्सिंग, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी में पाठ्यक्रम भी शामिल है। यहां बीए जनरल कोर्स के साथ ही बीएससी जनरल की पढ़ाई भी होती है, जिसमें गणित, भौतिकी, रसायन, बॉटनी और जूलॉजी जैसे विषय भी पढ़ाए जाते हैं। यहां बीकॉम भी है। इसके अलावा बीबीए इन रिटेलिंग, बैचलर ऑफ टूरिज्म स्टडीज, बैचलर ऑफ सोशल वर्क और बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन जैसे कोर्स हैं। इसके अलावा वोकेशनल ट्रेनिंग के रूप में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी है। यहां बीएड और डिप्लोमा इन एजुकेशन यानी डीएड कोर्स भी अब डिस्टेंस एजुकेशन में शामिल हो गया है।

डिस्टेंस एजुकेशन की विशेषताएं

- डिस्टेंस एजुकेशन में स्टूडेंट को नियमित तौर पर किसी संस्थान में जाकर पढ़ाई करने की जरूरत नहीं होती।
- सूचना क्रांति और इन्टरनेट के कारण डिस्टेंस एजुकेशन और आसान एवं प्रासंगिक हो गयी है।
- विजुअल क्लासरूम लर्निंग, इंटरैक्टिव ऑनसाइट लर्निंग और वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए स्टूडेंट्स देश के किसी भी राज्य में रहकर घर बैठे पढ़ाई कर सकते हैं।
- डिस्टेंस एजुकेशन से पढ़ाई करने की फीस काफी कम है।
- जॉब करने के साथ-साथ पढ़ाई की जा सकती है।
- कम अंक आने पर भी मनपसंद कोर्स में दाखिला मिल जाता है।
- किसी भी कोर्स के लिए उम्र बाधा नहीं होती है।
- साधारण कोर्स के साथ ही वोकेशनल कोर्स तथा प्रोफेशनल कोर्स भी किये जा सकते हैं।

प्रमुख डिस्टेंस एजुकेशन सेंटर्स

- इग्नू, दिल्ली
- सिम्बायोसिस सेंटर फॉर डिस्टेंट लर्निंग, पुणे
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली
- अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, तमिलनाडु
- पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, पुडुचेरी
- हिमाचल यूनिवर्सिटी, शिमला
- गुरु जंभेश्वर, हिसार
- एमडीयू, रोहतक
- पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी
- सिक्किम मणिपाल यूनिवर्सिटी

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

उपराज्यपाल ने नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लेने वाले एनसीसी कैडेटों के साथ बातचीत की

जम्मू 31 जनवरी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लेने के बाद लौटे एनसीसी कैडेटों के साथ बातचीत की।

गणतंत्र दिवस शिविर में कैडेटों ने अपने अनुभव साझा किये।

उपराज्यपाल ने कर्तव्य पथ और विभिन्न अन्य प्रतियोगिताओं में उत्.ष्ट प्रदर्शन के लिए कैडेटों और एनसीसी अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने अखिल भारतीय एनसीसी लड़कियों की टुकड़ी का नेतृत्व करके जम्मू-कश्मीर को गौरवान्वित करने के लिए एसयूओ एकता कुमारी को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह में ऐतिहासिक भागीदारी, कई प्रतिष्ठित पुरस्कार और प्रशंसा हासिल करने से देश के भावी नेताओं को तैयार करने में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका मजबूत हुई है।

उपराज्यपाल ने कहा एनसीसी कैडेटों ने हमेशा असाधारण कौशल, अनुशासन दिखाया है और समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। मुझे समाज के विकास और सुधार तथा नवीन समाधानों और निस्वार्थ सेवा के माध्यम से चुनौतियों का समाधान करने के लिए हमारे युवा कैडेटों के विचार और ऊर्जा की सराहना करनी चाहिए।''

उपराज्यपाल ने कहा, ''युवा भविष्य हैं, वे एक बेहतर दुनिया और जम्मू-कश्मीर के उज्ज्वल कल के लिए हमारी आशा हैं। हमारी प्राचीन सभ्यता के आदर्शों और मूल्यों को आगे बढ़ाने और एक मजबूत जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश का निर्माण करने की युवाओं पर बड़ी जिम्मेदारी है।

एनसीसी की भावना उन्हें शांति और प्रगति के मिशन को शक्ति देने और रचनात्मक सामाजिक परिवर्तनों के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगी। एनसीसी कैडेटों को युवाओं को राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में योगदान देने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करना चाहिए।

उपराज्यपाल ने एनसीसी कैडेटों से पांच संकल्पों यानी जम्मू कश्मीर का तेजी से विकास, नागरिकों के लिए जीवन की गुणवत्ता, राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित सामाजिक इकाइयों का निर्माण, एनसीसी के आदर्शों और मूल्यों के माध्यम से रचनात्मक सामाजिक परिवर्तन को प्रेरित करने और देश की विकास यात्रा में समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने पर काम करने को कहा।

महिला डिग्री कॉलेज ने क्षेत्रीय शहरी विकास एजेंसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

कठुआ 31 जनवरी (हि.स.)। महिला डिग्री कॉलेज कठुआ ने कॉलेज के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल के तत्वावधान में क्षेत्रीय शहरी विकास एजेंसी जेएंडके के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

यह समझौता ज्ञापन कठुआ में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के मुख्य उद्देश्य के साथ हस्ताक्षरित किया गया है। इस सहयोग के तहत आरयूडीए कॉलेज में प्लास्टिक कचरे के संग्रह और उचित निपटान के लिए जिम्मेदार होगा। अपशिष्ट प्रबंधन पर जागरूकता बढ़ाने के लिए एक संवेदीकरण कार्यक्रम और व्यवहार परिवर्तन सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें कॉलेज के पास छात्रों, शिक्षकों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के हितधारक शामिल होंगे। यह सहयोग जैविक और अकार्बनिक अपशिष्ट प्रबंधन की विभिन्न नवीनतम तकनीकों के साथ कौशल को सशक्त बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। एमओयू पर हस्ताक्षर रूडा जम्मू-कश्मीर के क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें दोनों संस्थानों के प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया। हस्ताक्षरकर्ताओं में संजीव अरोड़ा निदेशक आरयूडीए और डॉ सावी बहल प्रिंसिपल महिला डिग्री कॉलेज कठुआ थे। इस अवसर पर बोलते हुए निदेशक आरयूडीए ने कहा कि एमओयू का उद्देश्य एक साथ काम करना और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। यह सहयोग संसाधनों के अधिक प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देगा और संस्थान को पर्यावरण संरक्षण के बेहतर अवसर प्रदान करेगा। प्रिंसिपल ने अपनी टिप्पणी में कहा कि यह साझेदारी संसाधन संरक्षण और सतत विकास में काफी मदद करेगी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यह समझौता ज्ञापन छात्रों को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए बेहतर अवसर प्रदान करेगा और उन्हें पर्यावरण योद्धाओं के रूप में स्थापित करेगा। इस अवसर पर डॉ इंद्रजीत कौर संयोजक आईक्यूएसी, डॉ अश्वनी खजूरिया एचओडी फूड साइंस जीडीसीडब्ल्यू कठुआ से और दिव्या हीरा प्रोजेक्ट एसोसिएट आरयूडीए भी उपस्थित थे। डॉ दीपशिखा शर्मा एचओडी पर्यावरण विज्ञान, सदस्य आईक्यूएसी ने पूरे कार्यक्रम का समन्वय किया।

अलका मिश्रा सहायक निदेशक पर्यटन ने जम्मू के तिरुपति बालाजी मंदिर में विशेष अभिषेक समारोह में मत्था टेका

जम्मू 31 जनवरी (हि.स.)। सहायक निदेशक पर्यटन अलका मिश्रा ने अधीक्षक आरसी सुब्रमण्यम, साईं कृष्णा, उमेश गुप्ता और रमेश बाबू के साथ शुक्रवार को जम्मू के तिरुपति बालाजी मंदिर में मत्था टेका और तिरुपति के विशेष अभिषेक में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने देश के कल्याण के लिए प्रार्थना की। हर शुक्रवार को भगवान वेंकटेश्वर का अभिषेक समारोह किया जाता है। सहायक निदेशक पर्यटन अलका मिश्रा ने मंदिर पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह खुशी और गर्व की अनुभूति है कि जम्मू के लोगों के लिए यहां तिरुपति बालाजी मंदिर स्थापित किया गया है। इस मंदिर के साथ हम दक्षिण भारत की संस्कृति को देख पा रहे हैं और यह अनुभूति स्वर्गीय है। उन्होंने लोगों से मंदिर में आने और यहां मत्था टेकने की अपील की। उन्होंने कहा कि भगवान वेंकटेश्वर मंदिर के समर्पण से आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उमेश गुप्ता ने कहा कि मैं श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में अपने दिव्य अनुभव को आप सभी के साथ साझा करने के लिए अभिभूत हूं। यह मंदिर जम्मू के माजिन में शिवालिक के सुंदर जंगलों के बीच स्थित तिरुपति बालाजी मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है। मैं उन सभी भक्तों से अनुरोध करता हूं जो आंध्र प्रदेश नहीं आ पा रहे हैं वे यहां आकर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी की पूजा.अर्चना कर आशीर्वाद ले सकते हैं। इस अवसर पर बालाजी मंदिर के अधीक्षक आरसी सुब्रमण्यम ने परिवहन आयुक्त से मंदिर के लिए बस सेवा शुरू करने की भी अपील की ताकि भक्त आसानी से मंदिर आ सकें। उन्होंने यहां भारत दर्शन बस सेवा शुरू करने पर भी जोर दिया ताकि पर्यटकों को भी मंदिर के बारे में पता चले। इस अवसर पर पंडित नीरज शुक्ला, रवि तेज पंडित उपस्थित थे।

जौड़ियां में 1953 प्रजा परिषद के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई

जम्मू, 31 जनवरी (हि.स.)। जम्मू संभाग के जौड़ियां में प्रजा परिषद मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में 1953 प्रजा परिषद आंदोलन के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष दलजीत सिंह चिब ने इसका नेतृत्व किया। एक विधान, एक निशान, एक प्रधान के संघर्ष में किए गए सर्वोच्च बलिदानों को सम्मानित करने के लिए समर्पित इस कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में आरएसएस के प्रांत प्रचारक रूपेश कुमार मुख्य वक्ता थे जबकि अखिल भारतीय भूतपूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष ब्रिगेडियर बलबीर सिंह संब्याल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उपस्थित प्रमुख लोगों में जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा, सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष पुरुषोत्तम दधीचि, विधायक शाम

लाल शर्मा और मोहन लाल भगत, पूर्व विधायक डॉ. कृष्ण लाल भगत, अतिरिक्त एसपी ग्रामीण बृजेश कुमार, बीएमओ अखनूर डॉ. सलीम और कृषि निदेशक डॉ. यश ए.एस. शामिल थे। इस मौके पर स्वास्थ्य मेला और किसान मेला के साथ-साथ प्रजा परिषद आंदोलन पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य लोगों को जागरूक करना और उन्हें सेवाएं प्रदान करना था। शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए रूपेश कुमार ने इतिहास और बलिदानों को याद रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा एक राष्ट्र जो अपनी जड़ों से दूर हो जाता है वह दुनिया के नक्शे से गायब हो जाता है। हमें अपने अधिकारों के लिए लड़ने वालों के बलिदानों को लगातार याद रखना चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए। कुमार ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 1953 का संघर्ष एक निर्णायक क्षण था जिसमें सात युवा देशभक्तों ने जम्मू और कश्मीर में तिरंगा फहराने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी।

उपमुख्यमंत्री ने डिग्री कॉलेज नौशेरा में स्पोर्ट्स ब्लॉक की आधारशिला रखी

नौशेरा (राजौरी) 31 जनवरी। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने सरकारी डिग्री कॉलेज, नौशेरा में बहुप्रतीक्षित स्पोर्ट्स ब्लॉक की आधारशिला रखी। 208.50 लाख रु. की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना का उद्देश्य खेल के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना और छात्रों और इच्छुक एथलीटों के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है।

उपमुख्यमंत्री के साथ अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राजौरी डॉ. राज कुमार थापा, अतिरिक्त उपायुक्त नौशेरा बाबू राम टंडन तथा अन्य जिला और क्षेत्रीय अधिकारी भी थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री ने युवाओं के बीच खेल और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि नया खेल ब्लॉक आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करेगा और छात्रों को विभिन्न खेल विषयों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, छात्रों और स्थानीय निवासियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिन्होंने शैक्षणिक संस्थानों में खेल सुविधाओं को मजबूत करने पर सरकार के फोकस का स्वागत किया।

सुरिंदर चौधरी ने निष्पादन एजेंसियों से निर्माण के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए परियोजना को समय पर पूरा करने को सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने क्षेत्र में मजबूत खेल बुनियादी ढांचे को विकसित करने, स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल में उत्.ष्टता की संस्.ति को बढ़ावा देने के प्रशासन के संकल्प को दोहराया। एडीडीसी राजौरी डॉ. राज कुमार थापा ने इस पहल की सराहना की और जमीनी स्तर पर प्रतिभा के पोषण में ऐसे बुनियादी ढांचे के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह परियोजना क्षेत्र में छात्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

शहीद दिवस पर राष्ट्र के वीरों को श्रद्धांजलि दी

जम्मू, 31 जनवरी (हि.स.)। देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीरों को श्रद्धांजलि देने के लिए भारतीय सेना ने रियासी के बटसियाला में शहीद दिवस मनाया। यह कार्यक्रम देश की निस्वार्थ सेवा करने वाले सैनिकों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को सम्मानित करने के लिए समर्पित था। इस अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई, एक मिनट का मौन रखा गया और शहीदों के परिवारों के साथ बातचीत कर उनके बलिदान को याद किया गया। स्थानीय निवासियों, स्कूली बच्चों और गणमान्य व्यक्तियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और राष्ट्र के वीरों के प्रति अपनी कृतज्ञता और गहरा सम्मान व्यक्त किया। शहीद दिवस भारत की संप्रभुता और स्वतंत्रता के लिए किए गए सर्वोच्च बलिदानों की मार्मिक याद दिलाता है।

बाबा लाल दयाल जी के जन्मोत्सव पर हुआ धार्मिक कार्यक्रम

जम्मू, 31 जनवरी (हि.स.)। बाबा लाल दयाल जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गंग्याल स्थित भगवान परशुराम मंदिर में शुक्रवार को धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मंदिर को दुल्हन की तरह सजाया गया था, जिसमें सैकड़ों की तादाद में भक्तों ने पहुंचकर बाबा लाल दयाल जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं, सुबह पहले हवन के साथ धार्मिक कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद महिलाओं द्वारा मंदिर परिसर में सत्संग किया गया और इसके बाद भक्तों के लिए भंडारा खोला गया। जम्मू नगर निगम के पूर्व चेयरमैन सतीश शर्मा भी मंदिर पहुंचे और बाबा लाल दयाल जी की मूर्ति के आगे माथा टेककर सुख-शांति की कामना की। सतीश शर्मा ने कहा कि इस तरह के धार्मिक कार्यक्रम होने से हमारी संस्कृति की पहचान बढ़ती है और आने वाली पीढ़ियों को भी हमारी संस्कृति के बारे में पता चलता है। इसलिए हर जगह, हर गली में धार्मिक कार्यक्रम होने चाहिए।दरअसल, भगवान परशुराम जी के मंदिर में सेवानिवृत्त विद्यापीठ संस्कृति स्कूल के वाइस प्रिंसिपल प्रीतम शास्त्री द्वारा कई वर्ष पहले बाबा लाल दयाल जी की मूर्ति स्थापित की गई थी, जिसके बाद हर वर्ष उन्हीं के परिवार की तरफ से इस धार्मिक कार्यक्रम व भंडारे का आयोजन किया जाता है। इस मौके पर प्रीतम लाल शास्त्री, ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा, सत वर्मा, दीनदयाल शर्मा, अमित वर्मा, रमेश शर्मा, सूर्य प्रकाश, प्रेम पाल समेत बड़ी तादाद में क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नौकरशाही की जवाबदेही घटेगी और मनमानी बढ़ेगी : साहनी

जम्मू 30 जनवरी (हि.स.)। शिवसेना जम्मू-कश्मीर ईकाई ने अति अतिसंवेदनशील प्रदेश जम्मू कश्मीर के विधायकों को विधानसभा सत्र के दौरान सुरक्षा व गृह विभाग से जुड़े प्रशासनिक मामलों पर प्रश्न पूछने के लिए विशेष अनुमति के तुगलकी फरमान को संविधानिक व लोकतांत्रिक व्यवस्था पर प्रहार बताया है। पार्टी प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित एक पत्रकार वार्ता में प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने कहा कि जम्मू.क़श्मीर के पुनर्गठन के बाद लगातार स्थानीय जनता व चुने गए प्रतिनिधियों के अधिकारों का हनन हो रहा है। माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद करीब दस सालों के लंबे इन्तजार के बाद जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव संभव बन पाए । अब जब चुनाव हुआ और सरकार का गठन भी हो चुका है लेकिन सरकार बने 100 दिन बीत जाने के बाद भी जम्मू.क़श्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा लौटाने का वादा पूरा नहीं किया जा सका है। साहनी ने कहा कि जम्मू.क़श्मीर पुनर्गठन अधिनियम में संसोधनों से जनता व जन प्रतिनिधियों के अधिकारों में लगातार कटौती की जा रही है।

कला एवं संस्कृति के लिए विश्व मंच ने पद्मश्री बलवंत ठाकुर को सम्मानित किया

जम्मू, 31 जनवरी (हि.स.)। कला एवं संस्कृति के लिए विश्व मंच ने प्रसिद्ध रंगमंच निर्देशक पद्मश्री बलवंत ठाकुर को बेंगलुरू में आयोजित एक्सप्रेशन्स समिट-2025 में जम्मू एवं कश्मीर में रंगमंच एवं शांति स्थापना में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। भाव-परिवर्तन कार्यक्रम के तहत उन्होंने भांड पाथेर रंगमंच परंपरा को पुनर्जीवित किया और 60 युवा नाटककारों एवं निर्देशकों को प्रशिक्षित किया जिसके परिणामस्वरूप पूरे क्षेत्र में 60 नाटक प्रस्तुत किए गए। नटरंग के माध्यम से उन्होंने उर्दू नाटक छूना है आसमान और परवाज़ का निर्माण भी किया जिसमें लचीलापन और प्रगति का सशक्त संदेश दिया गया।

लिंग आधारित हिंसा पर जागरूकता शिविर का आयोजन

जम्मू, 31 जनवरी । जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू ने 30 और 31 जनवरी को लिंग आधारित हिंसा पर दो दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया। कॉलेज के महिला सशक्तिकरण और विकास प्रकोष्ठ द्वारा समाज कल्याण विभाग, जम्मू-कश्मीर के सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा विभाग के नई चेतना 3.0 अभियान के साथ जुड़ा हुआ है। प्राचार्य प्रो. डॉ. रोमेश कुमार गुप्ता और प्रकोष्ठ संयोजक प्रो. यास्मीन मुगल के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को लिंग आधारित हिंसा के विभिन्न रूपों और प्रभावों के बारे में शिक्षित और संवेदनशील बनाना था, ताकि वे बदलाव के वाहक बन सकें।कार्यक्रम के अंतर्गत पहले दिन लिंग आधारित हिंसा विषय पर नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें विभिन्न सेमेस्टर के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का निर्णायक अंग्रेजी विभाग की डॉ.

जतिंदर कौर और प्रो. सुनीता कुमारी थीं। भूपिंदर कौर सेमेस्टर 4 ने पहला स्थान हासिल किया। उसके बाद ममता भगत सेमेस्टर 1 दूसरे और हसरत कौर सेमेस्टर 4 तीसरे स्थान पर रहीं। दूसरे दिन जम्मू क्लस्टर विश्वविद्यालय की यौन उत्पीड़न के प्रति संवेदनशीलता, रोकथाम और निवारण स्पर्श समिति की अध्यक्ष डॉ. वंदना खजूरिया द्वारा एक प्रभावशाली जागरूकता व्याख्यान दिया गया। डॉ. खजूरिया ने घरेलू दुर्व्यवहार, कार्यस्थल पर उत्पीड़न, साइबर अपराध और सामाजिक भेदभाव सहित लिंग आधारित हिंसा के विभिन्न रूपों को संबोधित किया और उनके मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला।डॉ. खजूरिया ने भारतीय कानून के तहत उपलब्ध कानूनी प्रावधानों और निवारण तंत्रों पर भी चर्चा की और एक सुरक्षित और समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर जोर दिया। व्याख्यान के बाद छात्रों और शिक्षकों के बीच एक गतिशील इंटरैक्टिव चर्चा हुई। कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. मोना सेठी, डॉ. नेहा महाजन, प्रो. आकांक्षा परिहार, प्रो. रीतिका रानी, डॉ. निशा और डॉ. प्रीति वर्मा ने किया जबकि प्रो. आकांक्षा परिहार ने कार्यक्रम के क्रियान्वयन का नेतृत्व किया।

एसपीओ मानदेय वृद्धि की भ्रामक घोषणा का लगाया आरोप, उमर अब्दुल्ला से सार्वजनिक माफी की मांग

जम्मू, 31 जनवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू-कश्मीर में विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) के मानदेय में वृद्धि के संबंध में पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर भ्रामक और गैर-जिम्मेदाराना बयान देने का आरोप लगाया है। त्रिकुटा नगर में भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पार्टी प्रवक्ता गौरव गुप्ता, भाजपा प्रवक्ता बलबीर राम रतन और भाजपा मीडिया सचिव डॉ. प्रदीप महोत्रा ने अब्दुल्ला की अपुष्ट घोषणा से पैदा हुए भ्रम की कड़ी निंदा की। भाजपा के मुताबिक यह विवाद 30 जनवरी को तब शुरू हुआ जब उमर अब्दुल्ला ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल के माध्यम से एसपीओ मानदेय में वृद्धि की घोषणा की। उन्होंने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि उनका वादा पूरा हुआ है। कुछ ही समय बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के आधिकारिक

सोशल मीडिया अकाउंट ने इस दावे को दोहराया। हालांकि बाद में पोस्ट को हटा दिया गया और एक स्पष्टीकरण जारी किया गया जिसमें कहा गया कि जानकारी गलत थी और बिना सत्यापन के पोस्ट की गई थी। जवाब में एनसी ने भ्रामक पोस्ट के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को जेकेएनसी के उपाध्यक्ष के सोशल मीडिया सलाहकार के पद से हटा दिया। गौरव गुप्ता ने स्थिति से निपटने के इस तरीके की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह की गलत सूचना ने हजारों एसपीओ और उनके परिवारों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है।

एसएमवीडीयू के शोधकर्ताओं को एआर-वीआर हेरिटेज संरक्षण परियोजना के लिए अनुदान मिला

जम्मू, 31 जनवरी (हि.स.)। एक उल्लेखनीय उपलब्धि में श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) के शोधकर्ताओं की एक टीम को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के विज्ञान और विरासत अनुसंधान पहल (एसएचआरआई) कार्यक्रम के तहत 93 लाख रूपये का अनुसंधान अनुदान दिया गया है। यह अनुदान जम्मू और कश्मीर में लुप्त/लुप्तप्राय वास्तुकला विरासत स्थलों के लिए संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता आधारित विज़ुअलाइज़ेशन नामक उनकी परियोजना को निधि देगा। स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड लैंडस्केप डिज़ाइन के सहायक प्रोफेसर, विनोद कुमार के नेतृत्व में अनुसंधान दल में स्कूल ऑफ सिविल इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. भारत भूषण जिंदल और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नवीन कुमार गोंधी सह-प्रमुख अन्वेषक के रूप में शामिल हैं।

डोगरा ब्राह्मण प्रतिनिधि सभा ने छन्नी में सम्मान समारोह का आयोजन किया

जम्मू, 31 जनवरी (हि.स.)। 76वें गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में डोगरा ब्राह्मण प्रतिनिधि सभा (डीबीपीएस) छन्नी हिम्मत ने सेक्टर-3 स्थित विवेकानंद पार्क में सम्मान समारोह का आयोजन किया जिसमें छात्र, विद्वान, सामाजिक कार्यकर्ता और प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। डीबीपीएस के अध्यक्ष वी.पी. शर्मा के साथ सेवानिवृत्त अधिकारी ललित शर्मा (आईएफएस), ओ.पी. दुबे (मुख्य अभियंता) और सौजन्य शर्मा (नगर आयुक्त) ने कार्यक्रम में शिरकत की। वक्ताओं ने ब्राह्मण समुदाय के योगदान पर प्रकाश डाला और एनएमसी सुप्रीमो सुभाष शास्त्री, अशोक खजूरिया (बीवीपी) और यश पॉल शर्मा जैसे व्यक्तियों को उनके सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया।

कैप्टन ललित शर्मा ने सांस्कृतिक समारोहों में छात्रों को शामिल करने के लिए सभा की प्रशंसा की।

संयोजक सुनील शर्मा ने नैतिक मूल्यों, नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने और समन्वित प्रयासों के माध्यम से डोगरा विरासत को संरक्षित करने पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों, विद्वानों और कवियों ने भाग लिया

जम्मू विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक दल को किया गया रवाना

जम्मू 31 जनवरी (हि.स.)। जम्मू विश्वविद्यालय के डीन छात्र कल्याण प्रो. प्रकाश सी. अंताल ने 01.05 फरवरी 2025 तक पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ में आयोजित होने वाले 38वें अंतर.विश्वविद्यालय उत्तरी क्षेत्र युवा महोत्सव के लिए जम्मू विश्वविद्यालय से 52 सदस्यों के दल को रवाना किया। इस दल में विश्वविद्यालय और इसके संबद्ध कॉलेजों के छात्र शामिल हैं जिन्होंने पहले क्षेत्रीय स्तर पर डिस्प्ले योर टैलेंट और बाद में जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर.क्षेत्रीय डिस्प्ले योर टैलेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उत्तरी क्षेत्र युवा महोत्सव का आयोजन भारतीय विश्वविद्यालय संघ एआईयू के तत्वावधान में किया जा रहा है।

परिसर सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष प्रो. मोनिका चड्ढा, संकाय सदस्यों और विश्वविद्यालय के अधिकारियों की उपस्थिति में ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया।

छात्रों को संबोधित करते हुए प्रो. प्रकाश सी. अंताल ने उनकी उपलब्धियों की सराहना की और पूर्ण विकसित व्यक्तित्व के निर्माण में सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रमों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा ऐसे प्रतिष्ठित मंचों में भागीदारी छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने, विभिन्न प्रतिभागी विश्वविद्यालयों के साथियों के साथ बातचीत करने और मूल्यवान अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। मुझे विश्वास है कि हमारे छात्र अपने प्रदर्शन से विश्वविद्यालय को गौरवान्वित करेंगे। उन्होंने छात्रों को खेल भावना को बनाए रखने और गरिमा के साथ विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

सीयूजे ने एम.एड. कार्यक्रम के लिए एनसीटीई से मान्यता प्राप्त की

जम्मू, 31 जनवरी (हि.स.)। एक ऐतिहासिक उपलब्धि में केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के शैक्षिक अध्ययन विभागों ने मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम.एड.) कार्यक्रम की पेशकश करने के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) से मान्यता प्राप्त की है। नई दिल्ली में आयोजित उत्तरी क्षेत्रीय समिति (एनआरसी-एनसीटीई) की 431वीं बैठक (खंड-1) के दौरान एनसीटीई विनियम, 2014 के खंड 7(16) के तहत मान्यता प्रदान की गई। यह स्वीकृति गुणवत्तापूर्ण शिक्षक शिक्षा और शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

2019 से पहले एनसीटीई विश्वविद्यालय में शिक्षक शिक्षा को विनियमित नहीं करता था और इसलिए इसके एम.एड. कार्यक्रम के लिए अलग से सत्यापन की आवश्यकता नहीं थी। हालाँकि, विकसित शैक्षिक नीतियों और

नियामक ढाँचों के साथ अब एनसीटीई को देश भर में शिक्षक शिक्षा मानकों की देखरेख करने का काम सौंपा गया है। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को मिली मान्यता सर्वोच्च शैक्षणिक मानदंडों के पालन का प्रमाण है। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव जैन ने विभाग को बधाई दी और इस मान्यता को संस्थान के लिए गौरव का क्षण बताया। यह हमारे विश्वविद्यालय में शिक्षक शिक्षा परिदृश्य को बढ़ाने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम है। सीयू जम्मू के रजिस्ट्रार प्रो. यशवंत सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय उच्चतम शैक्षणिक मानकों को बनाए रखने और शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी बीच शैक्षणिक अध्ययन विभाग के प्रमुख प्रो. असित के. मंत्री ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा कि यह मान्यता छात्रों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि वे शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस हैं। प्रो. मंत्री ने मान्यता प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए कुलपति, रजिस्ट्रार और एनआरसी-एनसीटीई के सदस्य प्रो. जे.एन. बलिया को अपनी शुभकामनाएं दीं। संकाय सदस्य प्रो. रितु बख्शी, डॉ. किरण, डॉ. अमन, डॉ. रवि वांगुरी, डॉ. याद राम और डॉ. मोहन ने विद्वानों और छात्रों के साथ इस पल का जश्न मनाया।

संपादकीय

सीमा पार से लगातार घुसपैठ

यह थोड़ा निराशाजनक है कि जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा के ज़रिए घुसपैठ को रोकने के सभी प्रयासों के बावजूद पाकिस्तान इस अवैध गतिविधि को बेखौफ़ समर्थन दे रहा है। पाकिस्तान के साथ सीमा पर मौजूदा स्थिति को देखते हुए कहा जा सकता है कि देश सीमा पार आतंकवाद से लगातार खतरे का सामना कर रहा है।

इस संदर्भ में, पुंछ जिले के खारी करमारा इलाके में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के एक समूह द्वारा घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करने के बाद दो आतंकवादियों को मार गिराया गया है। एलओसी पर तैनात सैनिकों द्वारा इलाके में संदिग्ध गतिविधि का पता लगाने के बाद आतंकवादियों द्वारा एलओसी के इस तरफ़ घुसपैठ करने की कोशिश को नाकाम कर दिया गया, जिसके बाद भारी गोलीबारी हुई जो पूरी रात जारी रही।

ऐसी घटनाएँ इस बात की गवाही देती हैं कि भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा इसे रोकने के कई प्रयासों के बावजूद दुष्ट देश पाकिस्तान घुसपैठ को बढ़ावा दे रहा है और उसका समर्थन कर रहा है। हालांकि सुरक्षा बलों ने सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिसमें उन्नत निगरानी तकनीक की तैनाती, सीमा सुरक्षा को बढ़ाना और आतंकी शिविरों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक करना शामिल है, लेकिन पाकिस्तान को इस तरह के दुस्साहस में शामिल होने से पूरी तरह रोकने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

यह सराहनीय है कि अतीत में भारत के अंदर घुसपैठ करने के आतंकवादियों के कई प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल किया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इस समस्या से निपटने के लिए उठाए गए कदम कारगर रहे हैं, लेकिन अभी भी कुछ कमियां हैं जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है ताकि पश्चिमी पड़ोसी देश को देशवासियों की सुरक्षा के लिए हानिकारक कोई भी कार्रवाई करने से रोका जा सके।

जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करने के लिए आतंकवादियों को भेजने के पाकिस्तान के निरंतर प्रयासों को केवल बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाकर ही रोका जा सकता है। पाकिस्तान पर कूटनीतिक दबाव और अंतरराष्ट्रीय दबाव वैश्विक क्षेत्र में दुष्ट देश को अलग-थलग कर सकता है और जवाबदेही के लिए मजबूर कर सकता है, लेकिन संबंधों में व्यवधान इस संदर्भ में एक बड़ी बाधा साबित हो रहा है।

भारत को पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को स्थिर रखने के अपने रुख पर कायम रहना चाहिए, लेकिन जब घुसपैठ के मामलों की बात आती है, तो उसे पर्याप्त सबूत देकर उस देश के समक्ष आपत्ति उठाने का पूरा अधिकार है, क्योंकि आज की दुनिया में कोई भी देश ऐसे घृणित कार्य करने के बाद बच नहीं सकता, जिससे शांति भंग हो और निर्दोष लोगों की जान जाने की संभावना हो। भारत सरकार को ऐसे मामलों में अपने रुख पर पुनर्विचार करना चाहिए और दुनिया भर में सभी संभावित स्तरों और मंचों पर इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाना चाहिए, क्योंकि आतंकवाद को बढ़ावा देने में पाकिस्तान की संलिप्तता सार्वभौमिक रूप से अस्वीकार्य है।

दुर्भाग्य से सीमाओं पर वर्तमान स्थिति को देखते हुए, यह कहा जा सकता है कि घुसपैठ को रोकने के लिए संबंधित पक्षों द्वारा किए गए प्रयास पर्याप्त नहीं हैं।

सामाजिक नैतिकता को खोखला करता एकल परिवारों का चलन

प्रियंका सौरभ

औरत-मर्द और बच्चे के एकल परिवारों के चलन ने समय के साथ विभिन्न सामाजिक समूहों को बेहद प्रभावित किया है। इसके साथ सामाजिक नैतिकता और भारतीय परिवारों की पारंपरिक मूल्य भी छिन्न-भिन्न हो रहे हैं। शहरीकरण, वित्तीय दबाव और व्यक्तिवादी जीवन शैली के कारण हुए इस बदलाव ने मूल्यों को हस्तांतरित करने के तरीके को बदल दिया है। हालांकि एकल परिवार स्वतंत्रता और निजी विकास को प्रोत्साहित करते हैं लेकिन उन्हें सांस्कृतिक और नैतिक मूल्य बनाए रखने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सामाजिक मूल्यों को विकसित कर एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक उसे पहुंचाने में परिवार नामक संस्था की भूमिका सीमित कर दी गई है।

पारंपरिक संयुक्त परिवारों में दादा-दादी, चाचा और चाची ने कहानी सुनाने, सलाह देने, पहचान देने और सामूहिक भावना जैसे मूल्यों को लागू करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। एकल परिवारों के साथ, यह अंतर-पीढ़ीगत सम्बंध कमजोर हो गया है, जिससे बच्चों के विभिन्न दृष्टिकोणों के संपर्क में आने पर रोक लग गई है। कन्फ्यूशियस ने सद्गुण की पहली क्षमता के रूप में अपने परिवार के सदस्यों पर जोर दिया। बहु-पीढ़ीगत जीवन की गिरावट भी इस नैतिक शिक्षा को कमजोर कर सकती है। एकल परिवारों में, माता-पिता मूल्यों की आपूर्ति का पूरा बोझ उठाते हैं, नियमित रूप से पेशेवर प्रतिबद्धताओं के साथ इसे जोड़ते हैं। इससे समय की कमी या तनाव के कारण कमी आ सकती है। शहरी एकल परिवार सहानुभूति या धैर्य की कोचिंग पर शैक्षिक पूर्ति को प्राथमिकता दे सकते हैं, जिससे बच्चों में व्यक्तिवादी दृष्टिकोण पैदा होता है।

एकल परिवार स्वायत्तता, निर्णय लेने और व्यक्तिगत जिम्मेदारी जैसे मूल्यों को बढ़ावा देते हैं, जो वर्तमान सामाजिक मांगों के साथ संरेखित होते हैं। जॉन स्टुअर्ट मिल ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को व्यक्तिगत और सामाजिक प्रगति के लिए आवश्यक गुणों के रूप में महत्त्व दिया, जिसे एकल परिवार प्रभावी रूप से बेचते हैं। एकल परिवार अक्सर अपने परिवार की ज़रूरतों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे निःस्संदेह सामूहिक मूल्यों जैसे साझा करना, त्याग करना और आपसी सहायता के प्रति जागरूकता कम हो जाती है, जो संयुक्त परिवार व्यवस्था के लिए आवश्यक थे। त्योहार, जो कभी संयुक्त परिवारों में सांस्कृतिक बंधन को मजबूत करते थे, अब एकांत में मनाए जाने लगे हैं। जबकि पारंपरिक व्यवस्थाएँ कमजोर होती जा रही हैं, एकल परिवार शिक्षा के लिए स्कूलों, साथियों के समूहों और आभासी प्रणालियों पर अधिक से अधिक निर्भर होते जा रहे हैं।

हालाँकि, निजी सलाह की कमी से नैतिक विकास में भी कमी आ सकती है। एकल परिवारों में, एक से अधिक पदों के मॉडल की अनुपस्थिति बच्चों की कई गुणों को देखने और उनका अध्ययन करने की क्षमता को भी सीमित कर सकती है। एकल परिवारों के बढ़ते जोर ने मूल्यों को विकसित करने में परिवार की स्थिति को नया रूप दिया है। स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए, यह अक्सर विस्तारित परिवारों द्वारा प्रदान की गई सामूहिक जानकारी और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति जागरूकता को कम करता है। इस अंतर को पाटने के लिए एकल परिवारों को सुखद पालन-पोषण, नेटवर्क कनेक्शन को बढ़ावा देने और जिम्मेदारी से आधुनिक उपकरणों का लाभ उठाने पर जोर देते हुए सचेत रूप से अनुकूलन करना चाहिए। जैसा कि कन्फ्यूशियस ने कहा, राज्य की ऊर्जा घर की अखंडता से प्राप्त होती है, इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि परिवार, चाहे किसी भी संरचना में हों, नैतिक नागरिकों को आकार देने के लिए मूल्यवान बने रहते हैं।

एकल परिवार-परिवार प्राइमेट मानव समाज की जैविक घटना है। यह मानव विकास के विकासवादी संग्रह में एक अनुकूल रूप नहीं है और न ही आर्थिक समाज की उपयोगी चीज है। बल्कि यह मानव समय और सामाजिक स्थान में लगभग प्रथागत है। इसका केंद्र पति-पत्नी और माता-पिता-बच्चों की एक इकाई है। इसका सामान्य रूप अक्सर मृत्यु या परित्याग या संतान की हानि के कारण ग़लत हो जाता है, लेकिन इसका मॉडल रूप अधिकतम स्थिर होता है। सभी परिस्थितियों में परिवार के भीतर पति या पत्नी के बुजुर्ग माता-पिता और कभी-कभी अतिरिक्त दूरस्थ परिवार होने की प्रवृत्ति होती है, हालांकि वे अर्ध-बाहरी कारक किसी अन्य कारण से नहीं बल्कि आवश्यकता और पितृभक्ति से अधिक होते हैं। अलग-अलग सामाजिक परिस्थितियों में एकल परिवार कुलों, जातियों, गांवों और सार्वजनिक विनियमन के माध्यम से विभिन्न तरीकों का उपयोग करके बाहरी समाज में एकजुट होते हैं।

पश्चिमी समाज में परमाणु इकाई नैतिक प्रबंधन के लिए आध्यात्मिक नौकरशाही और शासन उद्देश्यों के लिए नागरिक विनियमन के लिए अधिक से अधिक कठिनाई बन गई है। रिश्तेदारों ने, प्रियजनों के अलावा, शक्ति खो दी है। इसने अपने स्वयं के परिवार को

हालाँकि, निजी सलाह की कमी से नैतिक विकास में भी कमी आ सकती है। एकल परिवारों में, एक से अधिक पदों के मॉडल की अनुपस्थिति बच्चों की कई गुणों को देखने और उनका अध्ययन करने की क्षमता को भी सीमित कर सकती है। एकल परिवारों के बढ़ते जोर ने मूल्यों को विकसित करने में परिवार की स्थिति को नया रूप दिया है। स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए, यह अक्सर विस्तारित परिवारों द्वारा प्रदान की गई सामूहिक जानकारी और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति जागरूकता को कम करता है।

अत्यधिक नैतिकता के अपने पूर्व राज्य की तुलना में अधिक तथ्यात्मक बना दिया है। परिणामस्वरूप परमाणु परिवार कमजोर हो गया है क्योंकि यह काफ़ी हद तक धर्म का संगठन है और अब मुकदमेबाजी और सार्वजनिक विनियमन की सहायता से बहुत अधिक नियंत्रणीय नहीं है। इसलिए यह पश्चिमी देशों में ठीक से नहीं चल रहा है, जिससे मौलिक प्राइमेट मूल्यों को आम तौर पर नुकसान होता है। यह परिवार निगमों के सुधार की ओर ले जाता है जो सहज नैतिक दबावों को फिर से तस्वीर में लाते हैं। परमाणु परिवार के परिवार का भाग्य, जिसे यहाँ प्रतिक्रांति कहा जाता है, संभवतः अगली पीढ़ी में रिश्तेदारों की सहायता से बढ़ती सहायता में से एक होगा।

सामाजिक ढांचे में इतना अधिक परिवर्तन आ चुका है कि अब लिव इन रिलेशनशिप और वैवाहिक मामलों में थोड़ा बहुत ही अंतर रह गया होगा जिसके परिणामस्वरूप महिलाएं और पुरुष वैवाहिक संबंधों में रुचि ना लेकर एकल रहने को वरीयता देने लगे हैं। गलती इसमें किसी भी परिजन की ना होकर पश्चिमी मूल्यों को तरजीह दिए जाने की है। हम हिन्दुस्तानी अब ज़िम्मेदारियों को निभाने की तुलना में उससे अलग हो जाना बेहतर समझने लगे हैं। अब पश्चिम में अपने ही परिवार के लोग कई पीढ़ियों के छोटे अंतराल पर चक्रीय रूप से स्थानांतरित होने की प्रवृत्ति रखते हैं। 55,000 परिवारों का एक अध्ययन इस सुझाए गए उलटफेर को दर्शाता है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ऋतुराज वसन्त, सरस्वती और सारस्वत भारत

-आचार्य
मिथिलेशनन्दिनीशरण

वसन्त की आहट है। उसकी पगचाप सुनाई पड़ने लगी है। रूप-रंग-रस और सौरभ से समृद्ध हुई धरती अपने हृदय का सञ्चित राग उड़ेल देने को मानो उत्सुक है। हो भी क्यों न ! वसन्त सभी ऋतुओं का अधिपति जो है, यह ऋतुराज है। इसका आश्रय पाकर चराचर जगत् में सर्वत्र माधुर्य और मनोहरता का प्रसार हो जाता है। वेदों के अनुसार वसन्त इस सृष्टि-यज्ञ का घृत है- 'वसन्तोऽस्यासीदाज्यं।' यह ब्रह्माण्ड जिसमें हमारा जीवन अधिष्ठित है, वसन्त इसका घी है, ग्रीष्म ईंधन है और शरद हवि है। वसन्त के घी होने में उसका वैशिष्ट्य निहित है। घी स्नेह है, यह रस का-राग का कारक है। महाकवि कालिदास इस वसन्त को प्रिय कहते हैं- 'सर्वं प्रिये चारुतरं वसन्ते।'

मैथिल-कोकिल विद्यापति भी वसन्त का गुणगान करने से चूकते नहीं। वे वसन्त के जन्म की कथा कहते हैं। उनके अनुसार श्रीपञ्चमी वसन्त-प्रसवा तिथि है। नौ महीने और पाँच दिन के बाद वह शिशु वसन्त को प्रकट करने वाली है। वसन्त के जन्म के सुन्दर रूपक के साथ विद्यापति वसन्त के राजकीय वैभव का वर्णन करते हुये कहते हैं- 'आएल रितुपति राज बसंत। ऋतुओं के राजा वसन्त का आगमन हुआ। उसके आगमन पर केसर के पुष्पों ने स्वर्णदण्ड को धारण किया। वृक्षों के नए पत्ते राजा के लिए आसन बने। राजा वसन्त के सिर पर चम्पा के पुष्पों का छत्र सजाया गया है। आम्र मञ्जरी ऋतुराज के सिर का मुकुट बनी हुई है और कोयल उसके सामने पंचम स्वर में गा रही है। पक्षियों का समूह वहाँ आकर आशीर्वाद के मन्त्र पढ़ने लगा। कुन्द लता ने राजा वसन्त की पताका का रूप धारण कर लिया है। पलाश के पत्ते तथा लवंग लता ने एक होकर धनुष व उसकी डोरी का रूप धारण कर लिया है। राजा वसन्त के इन अस्त्र-शस्त्रों को देखकर शत्रु शिशिर ऋतु की सेना भाग खड़ी हुई।'इसी सुराज्य और सुशासन में प्रकट होती हैं देवी सरस्वती। सरस्वती जो वाणी की अधिष्ठात्री देवी हैं। बुद्धि-विद्या और समस्त बोध-विज्ञान की जननी हैं। ब्रह्मवैवर्त्त पुराण में सरस्वती को शास्त्रों की जननी, शुद्ध शान्तस्वरूपा एवं कविगण की इष्ट देवी कहा गया है।

सस्मिता सुदती वामा सुन्दरीणाञ्च सुन्दरी। श्रेष्ठा श्रुतीनां शास्त्राणां विदुषां जननी परा॥

वागधिष्ठातृदेवी सा कवीनामिष्टदेवता। शुद्धसत्त्वस्वरूपा च शान्तरूपा सरस्वती॥

अपनी ज्ञान-परम्परा के कारण विश्व भर में समादृत भारत देश में सरस्वती 'भारती' कहलाती हैं। भारती जो भारत को धारण करती हैं। ऋग्वेद के वाक्सूक्त को देखते हुये यह अद्भुत बात सामने आती है कि वाग्देवी कहती हैं कि मैं ही 'राष्ट्री' अर्थात् राष्ट्र को धारण करती हुई इसकी स्वामिनी हूँ। मैं ही यज्ञ करने वालों की पहली आकांक्षा हूँ। देवता मेरा ही सर्वत्र अनुसन्धान करते हैं और मैं ही आत्मसाक्षात्कार पूर्वक समस्त समृद्धि को प्रदान करने वाली हूँ।

अहं राष्ट्री संगमनी वसूनां चिकितुषी प्रथमा यज्ञियानाम्।
तां मा देवा व्यदधुः पुरुत्रा भूरिस्थात्रां भूर्यावेशयन्तीम्॥

रुचि और राग से समृद्ध ऋतुराज वसन्त के प्राकट्य के समय ही देवी सरस्वती के प्राकट्य का प्रसंग हमें प्राप्त होता है। शास्त्रीय व्यवस्था के अनुसार माघ शुक्लपक्ष में लक्ष्मी की प्रिय श्री देने वाली जो 'श्रीपञ्चमी' कहलाती है उसी तिथि को पूर्वाह्न में देवी सरस्वती का उत्सव किया जाना चाहिये-

माघे मासि सिते पक्षे पञ्चमी या श्रियः प्रिया। तस्याः पूर्वाह्ण एवेह कार्यः सारस्वतोत्सवः॥

यहाँ यह समझना रोचक है कि सरस्वती का उत्सव तब हो जब स्नेह का, रस का, रुचि-राग का जागरण हो जाये। जो सृजनशील है, स्निग्ध है, रसमय है वही सरस्वती का साम्राज्य है। सृष्टि के आरम्भ में परमात्मा के मुख से प्रकट हुई देवी सरस्वती अपने स्वरूप से ही अपना सन्देश व्यक्त करती हैं।

आविर्ब्भूव तत्पश्चान्मुखतः परमात्मनः। एका देवी शुक्लवर्णा वीणापुस्तकधारिणी॥

शुक्लवर्ण वाली, शुभ्र वस्त्र धारण किये हुये, हाथों में वीणा और पुस्तक सँभाले देवी सरस्वती भारत की चेतना का सांस्कृतिक स्वरूप हैं। वसन्त और सरस्वती पूजा के योग को समझते हुये गोस्वामी श्रीतुलसीदास जी के निरूपण का विशेष सन्दर्भ उल्लेखनीय है। वे श्रीरामचरितमानस में एक सादृश्य विधान करते हुये वे कहते हैं कि श्रद्धा मानव की अन्तःप्रकृति का वसन्त है। मन तथा इन्द्रियों का निग्रह करते हुये नियमों का पालन, श्रद्धा रूपी वसन्त के पुष्प हैं। ज्ञान इसका फल है तथा भगवद्भक्ति इस फल का परम मधुर रस है। बाह्य प्रकृति में जो वसन्त है, अन्तःप्रकृति में वही श्रद्धा है। जैसे वसन्त ऋतु में वृक्ष-वनस्पतियों का निहित रस फूल-फल बनकर व्यक्त हो जाता है, उसी प्रकार श्रद्धा का उदय होने पर चरित्रगत दिव्यता आचरण बनकर प्रकट हो जाती है।

वसन्त और सरस्वती का यह युगपत् आराधन केवल भौतिक नहीं है। यह सनातन धर्म में पीढ़ियों से प्रवाहित ज्ञान-परम्परा का दिव्य अनुष्ठान है। यजुर्वेद में सरस्वती तु पञ्चधा कहते हुये पाँच ज्ञानेन्द्रियों और पञ्चकोशों में सरस्वती के प्रवाह को पहचाना गया है। महाभारत में सरस्वती नदी की सात धाराओं सुप्रभा, कांचनाक्षी, विशाला, मनोरमा, ओघवती, सुरेणु और विमलोदका नाम से निर्मित सारस्वत तीर्थों का वर्णन किया गया है। सरयू के उत्तर तट पर त्रेता में श्रीराम के प्राकट्य हेतु चक्रवर्ती दशरथ जी का अश्वमेध यज्ञ मनोरमा नाम की सरस्वती के तट पर ही सम्पन्न हुआ था।

वाणी, जो मनुष्य को ज्ञान-सम्पदा का अधिकार देती है; वाणी, जो मनुष्य को प्राणिजगत् में उत्कृष्ट बनाती है वह जीवन-यज्ञ में घी बनकर पायी जाती है। वसन्त वही घी है, जिससे जीवन लहकता है और उसकी अभिव्यक्ति जागती है। वाग्देवी के कर कमलों में शोभित वीणा और पुस्तक केवल जड़ उपादान नहीं हैं, वे हमारी जातीय चेतना में निहित विद्या-बोध का शाश्वत संकेत हैं। वेद इसे राष्ट्रस्वामिनी कहते हैं, पुराण इसे भारत की प्राणधारा कहते हैं, सन्त इसे मंगलकारिणी कहते हैं और कविगण इसे माँ कहकर पुकारते हैं। महाप्राण निराला इसी भारती की जय-विजय मनाते हैं तो राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त इसी भद्रभावोद्भाविनी भारती के चतुर्दिक्-गुञ्जार की मंगलकामना करते हैं -

मानस भवन में आर्यजन जिसकी उतारें आरती
भगवान्! भारतवर्ष में गूँजे हमारी भारती।

बसन्त पंचमी : प्रकृति और ज्ञान के संगम का पर्व

रमेश सर्राफ धमोरा

बसंत पंचमी, प्रकृति और ज्ञान के संगम का पर्व है। यह त्योहार बसंत ऋतु के आगमन पर मनाया जाता है। इस दिन मां सरस्वती की पूजा की जाती है। बसंत पंचमी पर प्रकृति का खिलना और नई फसल आना भी देखा जाता है। बसंत पंचमी बहुआयामी त्योहार है जो बसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है और समृद्ध परंपराओं, कृषि महत्व और आध्यात्मिक प्रथाओं से भरा हुआ है। यह एक ऐसा दिन है जब प्रकृति की जीवंतता, देवी सरस्वती की भक्ति और कृषि समुदाय का जीवन उत्सव की एक खूबसूरत तस्वीर में एक-दूसरे से जुड़ जाता है।

माघ महीने में जब बसंत ऋतु का आगमन होता है तो इस महीने के पांचवें दिन यानी पंचमी को बसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। बसंत उत्तर भारत तथा समीपवर्ती देशों की छह ऋतुओं में से एक ऋतु है। जो फरवरी, मार्च और अप्रैल के मध्य इस क्षेत्र में अपना सौंदर्य बिखेरती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता सरस्वती जिन्हें विद्या, संगीत और कला की देवी कहा जाता है, उनका अवतरण इसी दिन हुआ था और यही कारण है कि भक्त इस शुभ दिन पर ज्ञान प्राप्त करने के लिए उनकी पूजा करते हैं। साथ ही इसे सरस्वती पूजा के नाम से भी जाना जाता है।

सभी शुभ कार्यों के लिए बसन्त पंचमी के दिन अत्यंत शुभ मुहूर्त माना गया है। बसन्त पंचमी को अत्यंत शुभ मुहूर्त मानने के पीछे अनेक कारण हैं। यह पर्व माघ मास में ही पड़ता है। माघ मास का भी धार्मिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। इस माह में पवित्र तीर्थों में स्नान करने का विशेष महत्व बताया गया है। दूसरे इस समय सूर्यदेव भी उत्तरायण होते हैं। इसलिए प्राचीन काल से बसन्त पंचमी के दिन देवी सरस्वती की पूजा की जाती है अथवा कह सकते हैं कि इस दिन को सरस्वती के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है।

भारत में पतझड़ ऋतु के बाद बसन्त ऋतु का आगमन होता है। हर तरफ रंग-बिरंगे फूल खिले दिखाई देते हैं। इस समय गेहूं की बालियां भी पक कर लहराने लगती हैं। जिन्हें देखकर किसान हर्षित होते हैं। चारों ओर सुहाना मौसम मन को प्रसन्नता से भर देता है। इसीलिये बसन्त ऋतु को सभी ऋतुओं का राजा अर्थात ऋतुराज कहा गया है। इस दिन भगवान विष्णु, कामदेव तथा रति की पूजा की जाती है। इस दिन ब्रह्माण्ड के रचयिता ब्रह्मा जी ने सरस्वती जी की रचना की थी। इसलिए इस दिन देवी सरस्वती की पूजा भी की जाती है।

बसन्त पंचमी का दिन भारतीय मौसम विज्ञान के अनुसार समशीतोष्ण वातावरण के प्रारंभ होने का संकेत है। मकर सक्रांति पर सूर्य के उत्तरायण प्रस्थान के बाद शरद ऋतु की समाप्ति होती है। हालांकि विश्व में बदलते मौसम ने मौसम चक्र को बिगाड़ दिया है। पर सूर्य के अनुसार होने वाले परिवर्तनों का उस पर कोई प्रभाव नहीं है। हमारी संस्कृति के अनुसार पर्वों का विभाजन मौसम के अनुसार ही होता है। इन पर्वों पर मन में उत्पन्न होने वाला उत्साह स्वप्रेरित होता है। सर्दी के बाद गर्मी और उसके बाद बरसात फिर सर्दी का बदलता क्रम देह में बदलाव के साथ ही प्रसन्नता प्रदान करता है।

बसन्त पंचमी का दिन सरस्वती जी की साधना को अर्पित ज्ञान का महापर्व है। शास्त्रों में भगवती सरस्वती की आराधना व्यक्तिगत रूप में करने का विधान है। किंतु आजकल सार्वजनिक पूजा-पाण्डालों में देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित कर पूजा करने का रिवाज चल पड़ा है। मां सरस्वती का प्रिय रंग पीला है। इसलिए उनकी मूर्तियों को पीले वस्त्र, फूल पहनाए जाते हैं। देश में लोग बसंत पंचमी पर पीले कपड़े पहन कर विद्या की देवी मां सरस्वती की वंदना मंत्र का उच्चारण कर उनकी पूजा करते हैं।

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना॥
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता।
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा॥

माना गया है कि माघ महीने की शुक्ल पंचमी से बसन्त ऋतु का आरंभ होता है। फाल्गुन और चैत्र मास बसन्त ऋतु के माने गए हैं। फाल्गुन वर्ष का अंतिम मास है और चैत्र पहला। इस प्रकार हिंदू पंचांग के वर्ष का अंत और प्रारंभ बसन्त में ही होता है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं। सरसों के फूलों से भरे खेत पीले दिखाई देते हैं। अतः राग रंग और उत्सव मनाने के लिए यह ऋतु सर्वश्रेष्ठ मानी गई है।

ग्रंथों के अनुसार देवी सरस्वती विद्या, बुद्धि और ज्ञान की देवी हैं। अमित तेजस्विनी व अनंत गुणशालिनी देवी सरस्वती की पूजा-आराधना के लिए माघमास की पंचमी तिथि निर्धारित की गयी है। बसन्त पंचमी को इनका आविर्भाव दिवस माना जाता है। ऋग्वेद में सरस्वती देवी के असीम प्रभाव व महिमा का वर्णन है। मां सरस्वती विद्या व ज्ञान की अधिष्ठात्री हैं। कहते हैं जिनकी जिह्वा पर सरस्वती देवी का वास होता है, वे अत्यंत ही विद्वान व कुशाग्र बुद्धि होते हैं।

प्राचीन कथाओं के अनुसार ब्रह्माजी ने विष्णुजी के कहने पर सृष्टि की रचना की थी। एक दिन वह सृष्टि को देखने के लिए धरती पर भ्रमण करने के लिए आए। ब्रह्माजी को सृष्टि में कुछ कमी का अहसास हो रहा था लेकिन वह समझ नहीं पा रहे थे कि किस बात की कमी है। उन्हें पशु-पक्षी, मनुष्य तथा पेड़-पौधे सभी चुप दिखाई दे रहे थे। तब उन्हें आभास हुआ कि क्या कमी है। वह सोचने लगे कि ऐसा क्या किया जाए कि सभी बोलें और खुशी में झूमें। ऐसा विचार करते हुए ब्रह्माजी ने अपने कमण्डल से जल लेकर धरती पर छिड़का। जल छिड़कने के बाद श्वेत वस्त्र धारण किए हुए एक देवी प्रकट हुई। इस देवी के चार हाथ थे- एक हाथ में वीणा, दूसरे हाथ में कमल, तीसरे हाथ में माला तथा चतुर्थ हाथ में पुस्तक थी। ब्रह्माजी ने देवी को वरदान दिया कि तुम सभी प्राणियों के कण्ठ में निवास करोगी। सभी के अंदर चेतना भरोगी, जिस भी प्राणी में तुम्हारा वास होगा वह अपनी विद्वता के बल पर समाज में पूजनीय होगा। ब्रह्माजी ने कहा कि तुम्हें संसार में देवी सरस्वती के नाम से जाना जाएगा। कड़कड़ाती ठंड के बाद बसंत ऋतु में प्रकृति की छटा देखते बनती है। पलाश के लाल फूल, आम के पेड़ों पर आए बौर, हरियाली और गुलाबी ठंड मौसम को सुहाना बना देती है। यह ऋतु सेहत की दृष्टि से भी बहुत अच्छी मानी जाती है। मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों में नई चेतना का संचार होता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व है। देश के कई स्थानों पर पवित्र नदियों के तट और तीर्थ स्थानों पर बसंत मेला लगता है। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में तो बसंत पंचमी के दिन से ही लोग समूह में एकत्रित होकर रात में चंग ढफ बजाकर धमाल गाकर होली के पर्व का शुभारम्भ करते हैं बसन्त पंचमी के दिन विद्यालयों में भी देवी सरस्वती की आराधना की जाती है। भारत के पूर्वी प्रांतों में घरों में विद्या की देवी सरस्वती की मूर्ति की स्थापना की जाती है और वसन्त पंचमी के दिन उनकी पूजा की जाती है।

रणजी में नहीं चला विराट कोहली का बल्ला

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की ओर से रणजी में खेल रहे भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला नहीं चला और वह छह रन पर आउट होकर पवेलियन लौट गये। आज यहां अरूण जेटली स्टेडियम में दिल्ली और रेलवे के बीच खेले जा रहे रणजी मुकाबले में राहुल शर्मा ने यश धुल (32) को पगबाधा आउट कर रेलवे को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद दर्शकों से भरा स्टेडियम कोहली-कोहली की आवाज से गूंज उठा। दर्शकों ने तालीबजा कर कोहली का स्वागत किया। बल्लेबाजी करने आये विराट कोहली ने 15 गेंदों का सामना किया और एक चौका लगाया। वह पहली पारी में मात्र छह रन बनाकर आउट हुए। उन्हें के तेज गेंदबाज हिमांशु सांगवान ने बोल्ड आउट किया। स्टेडियम में विराट को लेकर अलम यह था कि उनके आउट होने के साथ ही वहां सन्नाटा छा गया और दर्शक वापस लौटने लगे। बड़ी उम्मीद के साथ स्टेडियम में मैच देखने आये दर्शकों को निराशा हुई। इस दौरान मेट्रो स्टेशन पर भीड़ उमड आयी। लंबी-लंबी कतार देखी गई। उल्लेखनीय है कि विराट कोहली पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे है। विराट फॉर्म हासिल करने के लिए 12 साल बाद रणजी ट्रॉफी में खेले मैदान में उतरे है।

मुम्बई ने मेघालय पर 127 रनों बढ़त के साथ मैच पर बनाई मजबूत पकड़

मुम्बई। शार्दुल ठाकुर (चार विकेट) और मोहित अवस्थी (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद लाड (नाबाद 89) और अजिंक्य रहाणे (नाबाद 83) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर मुम्बई ने रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप ए में दो विकेट पर 213 का स्कोर कर 127 रन की बढ़त के साथ मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली हैं। मेघालय के 86 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपना पहला विकेट आयुष म्हात्रे (पांच) के रूप में गवां दिया। अमोघ भटकल (28) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद सिद्धेश लाड और अजिंक्य रहाणे ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए अपने-अपने अर्धशतक पूरे किये। दिन का खेल समाप्त होने के समय मुम्बई ने 59 ओवर में दो विकेट पर 213 रन बनाकर कर 127 रनों की बढ़त बना ली है। सिद्धेश लाड (नाबाद 89) और अजिंक्य रहाणे (नाबाद 83) क्रीज पर मौजूद थे। मेघालय की ओर से आकाश चौधरी और अनीश चरक ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। मुम्बई ने आज यहां टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मेघालय की शुरुआत बेहद ही खराब रही। शार्दुल ठाकुर और मोहित अवस्थी की घातक गेंदबाजी के आगे मेघालय ने मात्र दो रन के स्कोर पर अपने छह विकेट गवांकर संकट में फंसी गई थी। ऐसे समय में प्रिंगसांग संगमा और आकाश चौधरी ने पारी को संभलाने का प्रयास किया।

जेसन गुनावान को हराकर किदाम्बी श्रीकांत ने थाईलैंड मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में

पथुमवान । (वार्ता) भारतीय बैडमिंटन स्टार किदांबी श्रीकांत ने हांगकांग चीन के जेसन गुनावान को हराकर थाईलैंड मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली हैं। आज यहां निमिबुत्र स्टेडियम में खेले गये राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में श्रीकांत ने गुनावान को सीधे सेटों में 21-19, 21-15 से हराया। किदांबी श्रीकांत की जेसन गुनावान पर यह लगातार दूसरी जीत थी। दिन के दूसरे पुरुष एकल मुकाबले में भारत शंकर सुब्रमण्यन ने शानदार वापसी करते हुए इंडोनेशिया के चिको ऑरा ड्वी वार्डोयो को 59 मिनट तक चले मैच में 9-21, 21-10, 21-17 से हराया। शंकर सुब्रमण्यन इंडोनेशिया के तीसरे वरीय खिलाड़ी के खिलाफ पहला गेम हार गए, लेकिन दूसरे गेम में वापसी करते हुए मैच को निर्णायक गेम में ले गए। इस जीत के साथ ही वह टूर्नामेंट के क्वार्टरफानइल में पहुंच गये है। दोनों भारतीय शटलर अंतिम आठ में चीन के प्रतिद्वंद्वियों से मुकाबला करेंगे। श्रीकांत का मुकाबला छठी वरीयता प्राप्त झेंग जिंग वांग से होगा, जबकि शंकर का सामना झुआन चेन झू से होगा।

तरुणसंघा ने वायुसेना को चौंकाया, हिंदुस्तान हारी

नयी दिल्ली। डीएसए प्रीमियर लीग में खेले गए मैच में तरुण संघा ने भारतीय वायुसेना को 2-1 से हरा कर पूरे अंक अर्जित किए। वहीं दिन के दूसरे नीरस मुकाबले में नेशनल यूनाइटेड स्पोर्ट्स क्लब ने हिंदुस्तान एफ सी को एकमात्र गोल से हराया। आज यहां नेहरू स्टेडियम में खेले गये मैच में लाल बॉयलन किलोंग ने 36 वें मिनट में विजयी टीम का गोल किया। तरुणसंघा के लिए चिहंसा और मैन ऑफ द मैच इरूँगबाम ने गोल दागे। वायुसेना के लिए संकित ने गोल किया। मैच दर मैच बेहतर प्रदर्शन करने वाले तरुण संघा ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया लेकिन खाता खोलने के लिए 75 वें मिनट तक इन्तजार करना पड़ा। चिहंसा ने पहला और फिर लम्बी सीटी से चंद सेकंड पहले इरूंगबम के गोल से जीत पाई। इस बीच मिली पेनल्टी पर संकित ने वायुसेना का गोल बनाया। नेशनल और हिन्दुस्तान का मुकाबला मिड फील्ड तक आकर्षक रहा लेकिन गोल मुहाने पर दोनों तरफ के खिलाडियों के निशाने लक्ष्य से दूर रहे। आज की जीत से तरुणसंघ ने 16 मैचों में 18 अंक जुटा लिए हैं, जबकि वायुसेना के 17 मैचों में 16 अंक हैं। नेशनल यूनाइटेड के 16 मैचों 19 और हिंदुस्तान के 15 मैचों में 16 अंक बने हैं।

इंग्लैंड को सस्ते में समेट कर ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की अच्छी शुरुआत

एजेंसी

मेलबर्न। अलाना किंग (चार विकेट), किम गार्थ और डार्सी ब्राउन (दो-दो विकेट) के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद ऐनाबेल सदरलैंड (नाबाद 24) और फीबी लिचफील्ड (नाबाद 20) रनों की पारियों के दम पर ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने इंग्लैड को 170 रन में समेट कर आस्ट्रेलिया महिला टीम ने एकमात्र टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड खिलाफ एक विकेट पर 56 रन बनाकर अच्छी शुरूआत की, हालांकि वह अभी इंग्लैंड के स्कोर से 114 रन से पीछे है।

इंग्लैंड के 170 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने सातवें ओवर में जॉर्जिया वॉल (12) का विकेट गवां दिया था। दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया ने एक विकेट पर 56 रन बना लिये है और ऐनाबेल सदरलैंड (नाबाद 24) और फीबी लिचफील्ड (नाबाद 20) क्रीज पर मौजूद थी। इंग्लैंड की ओर से लॉरेन बेल ने एक विकेट लिया। इससे पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 47 के स्कोर पर अपने तीन विकेट

आज यहां ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने टॉस जीतकर इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया। गवां दिये। मैया बाउचियर (दो), टैमी बोमॉन्ट (आठ) और कप्तान हीथर नाइट (25) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद नेट सायवर ब्रंट और सोफिया डंकली ने पारी को संभालने का प्रयास किया। अलाना किंग ने सोफिया डंकली (21) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। डेनिएल वायट (22), एमी जोंस (तीन), सोफी एकल्सटन (एक) रन बनाकर आउट हुई। नेट सायवर ब्रंट ने सर्वाधिक (51) रनों की पारी खेली। रायना मैकडॉनल्ड-गे (15) रन बनाकर नाबाद रही। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे इंग्लैंड की पूरी टीम 71.4 ओवर में 170 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड के चार बल्लेबाज दहाई का स्कोर पर नहीं कर सके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से अलाना किंग ने 23 ओवर में 45 रन देकर चार विकेट लिये। किम गार्थ और डार्सी ब्राउन को दो-दो विकेट मिले। एश्ली गार्डनर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

ओलंपिक फिगर स्केटिंग लीजेंड डिक बटन का 95 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी

न्यूयॉर्क। दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और पांच बार के विश्व चैंपियन डिक बटन का 95 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके बेटे एडवर्ड ने उनकी मौत की पुष्टि की। बटन, जो पहले अमेरिकी पुरुष ओलंपिक फिगर स्केटिंग चैंपियन थे, ने 1948 और 1952 में स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने पहली बार डबल एक्सल और ट्रिपल जंप जैसी तकनीकों को प्रतियोगिता में शामिल किया, जिससे स्केटिंग में क्रांतिकारी बदलाव आया। स्केटिंग के प्रति उनके योगदान को सम्मान देते हुए, बोस्टन स्केटिंग क्लब ने उनके नाम पर एक ट्रॉफी रूम स्थापित किया और डिक बटन आर्टिस्टिक फिगर स्केटिंग शोकेस का आयोजन किया। प्रतियोगिता से संन्यास लेने के बाद, बटन एक प्रतिष्ठित टीवी कमेंटेटर बने और स्केटिंग के तकनीकी पहलुओं को लोकप्रिय बनाया। उन्होंने पेशेवर स्केटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया, जिससे खिलाड़ियों को अपने करियर के बाद भी मंच मिला। यूएस फिगर स्केटिंग ने उन्हें फिगर स्केटिंग में क्रांति लाने वाला बताया और उनके परिवार व प्रियजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

पार्थ माने ने राष्ट्रीय खेलों में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा जीती, महाराष्ट्र का दबदबा कायम

एजेंसी

देहरादून। 17 वर्षीय विश्व जूनियर चैंपियन पार्थ माने ने 38वें राष्ट्रीय खेलों उत्तराखंड में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। त्रिशूल शूटिंग रेंज में हुए इस मुकाबले में महाराष्ट्र के रुद्राक्ष पाटिल को हराकर उन्होंने पहला स्थान हासिल किया, जबकि किरण जाधव ने कांस्य पदक जीतकर महाराष्ट्र के लिए पोडियम फिनिश को पूरा किया।

पार्थ माने का दबदबा कायम

पार्थ माने ने पूरे फाइनल के दौरान शानदार लय बनाए रखी। अनुभवी निशानेबाजों के बीच भी वह शांत बने रहे और एक सीरीज को छोड़कर बाकी सभी में बढ़त बनाए रखी। फाइनल के दौरान उनके कई शॉट्स ने 10.7 या उससे अधिक स्कोर किया, जिससे उनका आत्मविश्वास और मजबूत हुआ।

जब रुद्राक्ष पाटिल ने 20 शॉट्स के बाद मात्र 0.6 अंकों का अंतर रखते हुए चुनौती पेश की, तब पार्थ ने दबाव में भी अपने प्रदर्शन को बरकरार रखा। अंतिम चार शॉट्स में रुद्राक्ष ने 42.2 अंक बनाए, लेकिन पार्थ ने 42.4 अंक के साथ जवाब दिया, जिसमें 10.8 और 10.7 के बेहतरीन निशाने शामिल थे।

ओलंपिक स्वर्ण से बेहतर स्कोर

पार्थ ने कुल 252.6 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जो पेरिस 2024 ओलंपिक स्वर्ण पदक स्कोर से 0.4 अंक अधिक था। उनके निरंतर प्रदर्शन ने उन्हें पूरे फाइनल में बढ़त बनाए रखने में मदद की, हालांकि एलिमिनेशन राउंड में रुद्राक्ष पाटिल की शानदार शूटिंग ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

अन्य प्रमुख प्रदर्शन

रुद्राक्ष पाटिल ने रजत पदक जीता और माना कि उन्होंने चौथे स्थान पर जाने के डर को दूर रखते हुए हर शॉट पर ध्यान केंद्रित किया।

अर्जुन बाबूता (पंजाब), जो शुरू में शीर्ष पर बने हुए थे, 16वें शॉट के बाद 10.4 स्कोर कर चौथे स्थान पर खिसक गए।

किरण जाधव, जो 20वें शॉट तक चौथे स्थान पर थे, ने 10.8 अंक का दबाव झेलते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

पार्थ मखीजा (दिल्ली) ने पांचवां स्थान और संदीप सिंह (सर्विसेज) छठा स्थान हासिल किया।

असम के हृदय हजारिका, 2018 के विश्व जूनियर चैंपियन, इस अवसर का फायदा नहीं उठा सके और पदक की दौड़ से बाहर हो गए। इस जीत के साथ पार्थ माने ने राष्ट्रीय खेलों में अपनी छाप छोड़ दी।

वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम में शामिल हुए जैकब डफी

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान में होने वाली आगामी वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए तेज गेंदबाज जैकब डफी को अपनी टीम में शामिल किया है। 30 वर्षीय डफी, जो चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रिजर्व खिलाड़ी के रूप में चुने गए हैं, लॉकी फर्ग्यूसन के कवर के रूप में टीम से जुड़ेंगे। फर्ग्यूसन वर्तमान में आईएलटी20 लीग में डेजर्ट वाइपर के लिए खेल रहे हैं और 10 फरवरी तक टूर्नामेंट में व्यस्त रहेंगे।

डफी ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने पांच सफेद गेंद के मैचों में 12 विकेट चटकाए और टी20 सीरीज के प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का खिताब जीता। वह न्यूजीलैंड की वनडे टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ सोमवार को पाकिस्तान के लिए रवाना होंगे।

न्यूजीलैंड का कार्यक्रम

वनडे त्रिकोणीय सीरीज के तहत न्यूजीलैंड को लाहौर के गद्दाफी

स्टेडियम में 8 फरवरी को पाकिस्तान और 10 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं। यदि टीम फाइनल के लिए क्वालीफाई करती है, तो 14 फरवरी को कराची में खिताबी मुकाबला होगा। इसके बाद न्यूजीलैंड को 16 फरवरी को कराची में बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी का आधिकारिक अभ्यास मैच खेलना है। फिर, 19 फरवरी को मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ न्यूजीलैंड आईसीसी इवेंट के पहले मुकाबले में उतरेगा।

न्यूजीलैंड टीम (वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए)

मिशेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विल ओ'रूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग,जैकब डफी।

38वें राष्ट्रीय खेल के वेटलिफ्टिंग में छत्तीसगढ़ ने जीते दो स्वर्ण, महाराष्ट्र ने जीते सबसे ज्यादा पदक

एजेंसी

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल के वेटलिफ्टिंग मुकाबले का आगाज शानदार रहा, जिसमें छत्तीसगढ़ ने पहले ही दिन दो स्वर्ण पदक जीतकर अपनी ताकत दिखाई। हालांकि, महाराष्ट्र ने कुल छह पदकों के साथ पदक तालिका में बढ़त बनाई जिसमें एक स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं।

महिला 45 किग्रा वर्ग

केरल की सुफना जैस्मिन ने दमदार प्रदर्शन करते हुए कुल 159 किग्रा (स्नैचः 72 किग्रा, क्लीन एंड जर्कः 87 किग्रा) भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता। हालांकि, वह 93 किग्रा के प्रयास में दो बार असफल रहीं। महाराष्ट्र की दीपाली गुरसाले ने 151 किग्रा (स्नैचः 69 किग्रा, क्लीन एंड जर्कः 82 किग्रा) के साथ रजत पदक जीता, जबकि मध्य प्रदेश की रानी नायकठ्ठ146

किग्रा के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं।

इस वर्ग में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जहां छत्तीसगढ़ के विजय कुमार ने क्लीन एंड जर्क में 143 किग्रा का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बराबर करते हुए कुल 248 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। महाराष्ट्र के मुकुंद संतोष आहेर ने 247 किग्रा के साथ रजत पदक जीता, जबकि उनके साथी गौड़ आकाश श्रीनिवास ने 244 किग्रा के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

महिला 49 किग्रा वर्ग

छत्तीसगढ़ का स्वर्ण अभियान जारी रहा, जब ज्ञानेश्वरी देवी ने 191 किग्रा (स्नैचः 85 किग्रा, क्लीन एंड जर्कः 106 किग्रा) उठाकर पहला स्थान प्राप्त किया। महाराष्ट्र की सारिका ने 179 किग्रा के साथ रजत पदक जीता, जबकि हरियाणा की कोमल कोहड़ ने 179 किग्रा ही उठाया, लेकिन टाई-ब्रेक नियमों के आधार पर कांस्य पदक प्राप्त किया।

पुरुष 61 किग्रा वर्ग

सर्विसेज के ऋषिकांत सिंह ने कुल 273 किग्रा (स्नैचः 122 किग्रा, क्लीन एंड जर्कः 151 किग्रा) उठाकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। महाराष्ट्र के संकेत महादेवा सागर ने 259 किग्रा के साथ रजत पदक जीता, जबकि उनके साथी शुभम तानाजी तोडकर ने 254 किग्रा उठाकर कांस्य पदक प्राप्त किया।

रणजी ट्रॉफी : पहले दिन का खेल खत्म, रेलवेज 241 पर सिमटी, दिल्ली ने एक विकेट खोकर बनाये 41 रन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली और रेलवेज के बीच यहां अरुण जेटली स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी का मुकाबला खेला जा रहा है। मुकाबले में पहले दिन का खेल खत्म हो गया है। रेलवेज की पहली पारी में बनाए 241 रन के जवाब में दिल्ली की टीम ने एक विकेट के नुकसान पर 41 रन बना लिए हैं। सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान 28 गेंदों पर 9 रन और यश ढुल 25 गेंदों पर 17 रन बनाकार नाबाद लौटे हैं।

सुबह मुकाबले में टॉस दिल्ली ने जीता और उसने गेंदबाजी चुनी। रेलवेज ने पहले बल्लेबाजी की और पहली पारी में 67.4 ओवर खेलते हुए 241 रन बनाए। रेलवेज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 21 रन तक तीन विकेट खो दिए। अंचित यादव 7 और कप्तान सूरज आहूजा 14 रन बनाकर आउट हुए। विवेक सिंह खाता भी नहीं खेल सके। फिर कुछ देर मोहम्मद सैफ ने बल्लेबाजी और 24 रन बनाकर आउट हुए। भार्गव मेराई बिना खाता खोले आउट हो गए। इस समय तक रेलवेज ने 66 रन तक अपने पांच विकेट खो दिए थे। यहां से विकेटकीपर बल्लेबाज उपेंद्र यादव और स्पिनर कर्ण शर्मा ने पारी को संभाला और टीम के स्कोर को 150 के पार ले गए। कर्ण शर्मा 105 गेंदों में 50 रन की शानदार पारी खेलकर आउट हुए। उपेंद्र यादव अपने शतक से चूक गए और 95 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 177 गेंदों का सामना किया और 10 चौके व एक छक्का लगाया। हिमांशु सांगवान ने 29 रन की पारी खेली। इस तरह टीम 241 रन बनाने में कामयाब रही। दिल्ली के लिए नवदीप सैनी और सुमित माथुर ने 3-3 विकेट हासिल किए, जबकि सिद्धांत शर्मा और मनी ग्रेवाल ने 2-2 विकेट झटके।

लक्ष्य श्योराण और नीरू ने तीसरे दिग्विजय सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप के ट्रैप में जीता स्वर्ण

एजेंसी

भोपाल। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता लक्ष्य श्योराण (हरियाणा) और स्थानीय पसंदीदा नीरू (मध्य प्रदेश) तीसरे दिग्विजय सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप में पुरुष और महिला ट्रैप इवेंट के खिताब जीते। यह प्रतियोगिता एमपी राज्य अकादमी (एमपीएसए) शूटिंग रेंज पर संपन्न हुई। लक्ष्य ने 50-शॉट फाइनल में 47 शॉट्स के साथ पुरुष ट्रैप में स्वर्ण जीता, जबकि उनकी बहन नीरू ने 45 शॉट्स के साथ महिला ट्रैप खिताब अपने नाम किया, दोनों ने बहुत ही नजदीकी मुकाबलों में जीत हासिल की। लक्ष्य ने फाइनल में शानदार शुरुआत की, जिससे वह दिल्ली के फहद सुलतान की सुपर फिनिश को मात दे सके। फहद 45 शॉट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहे। राजस्थान के सुलेमान अरश एलाही ने 42 शॉट्स के साथ कांस्य पदक जीता, जबकि ओलंपियन पृथ्वीराज टोंडिमान पांचवें स्थान पर रहे। महिला फाइनल में भी मुकाबला बेहद कड़ा रहा, जिसमें दिल्ली की शूटर कीर्ति गुप्ता ने अच्छा प्रदर्शन

किया। हालांकि अंतिम 10 शॉट्स में एक मिस ने उनका पदक जीतने का सपना तोड़ दिया और नीरू ने यह मुकाबला एक शॉट से जीता। इस फाइनल में पंजाब की ओलंपियन राजेश्वरी कुमारी ने 34 शॉट्स के साथ कांस्य पदक जीता।

जूनियर पुरुष वर्ग में, हाल ही में जूनियर राष्ट्रीय चैंपियन बने राजस्थान के विनय प्रताप सिंह चंद्रावत ने 43 शॉट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता। तमिलनाडु के युगन एसएम ने एक शॉट कम करके रजत पदक जीता, जबकि राजस्थान के उधव सिंह राठौड़ ने कांस्य पदक प्राप्त किया, जिससे राजस्थान ने इस श्रेणी में दो पदक जीते

जूनियर महिला वर्ग में भी एक अन्य हालिया जूनियर राष्ट्रीय चैंपियन श्रेस्था सिसोदिया ने उत्तर प्रदेश की सबीरा हारिस को हराकर स्वर्ण पदक जीता। दोनों के 50-शॉट्स के मुकाबले के बाद स्कोर बराबरी पर थे, लेकिन श्रेस्था ने शूट-ऑफ में 2-1 से जीत हासिल की। दिन का पांचवां फाइनल, पुरुष मास्टर्स ट्रैप, तमिलनाडु के अनुभवी गोविंदराज थिरुवेणकटम ने जीता। उन्होंने अपने राज्य के साथी अभिमन्यु प्रकाश को 36 शॉट्स के साथ हराया। उत्तर प्रदेश के इंदरजीत सिंह ने कांस्य पदक जीता।

राहुल बोस ने रग्बी सेवेंस क्वार्टर फाइनल का किया अवलोकन

एजेंसी

देहरादून। भारतीय अभिनेता एवं रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने 38वें राष्ट्रीय खेल के रग्बी सेवेंस क्वार्टर फाइनल मुकाबले का अवलोकन किया। वह महाराणा प्रताप स्टेडियम, देहरादून में इस रोमांचक प्रतियोगिता के साक्षी बने। इस अवसर पर उन्होंने 38वें राष्ट्रीय खेल के सीईओ अमित कुमार सिन्हा से मुलाकात कर खेलों और उनकी तैयारियों को लेकर चर्चा की। खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए राहुल बोस ने अपने राष्ट्रीय रग्बी कोच द्वारा कही गई एक महत्वपूर्ण बात साझा की ङ्क खेल के बाद अपना मृत शरीर मैदान पर छोड़ दो। उन्होंने इस कथन का अर्थ समझाते हुए कहा कि खेल खत्म होने के बाद शरीर और दिमाग में कुछ भी शेष नहीं रहना चाहिए। खिलाड़ी को अपनी पूरी ऊर्जा और ताकत मैदान पर ही लगा देनी चाहिए।इसके अलावा, उन्होंने कहा, जीतना और हारना आपके हाथ में नहीं है, लेकिन अपना सर्वश्रेष्ठ देना आपके हाथ में है। इसलिए खुश रहें और 38वें राष्ट्रीय खेल का भरपूर आनंद लें।

उनकी इस प्रेरणादायक बात ने खिलाड़ियों और दर्शकों में नई ऊर्जा भर दी। राहुल बोस की उपस्थिति ने न केवल खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया बल्कि राष्ट्रीय खेलों में रग्बी सेवेंस के महत्व को भी उजागर किया। उनके संदेश से खिलाड़ियों को खेल के प्रति पूर्ण समर्पण और जुनून का महत्व समझने का अवसर मिला।

38वां राष्ट्रीय खेलः अनीश भानवाला और नर्मदा राजू ने शूटिंग फाइनल में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी

देहरादून। देहरादून में त्रिशूल शूटिंग रेंज 38वें राष्ट्रीय खेलों में एक हाई-ऑक्टेन प्रतियोगिता में अनीश भानवाला और नर्मदा नितिन राजू ने अपने-अपने फाइनल मुकाबले जीत लिए हैं। 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल मेन्स फ़ाइनल में अनीश भानवाला (हरियाणा) ने अपने संग्रह में एक और स्वर्ण जोड़ा, 31 हिट के साथ रजत पदक विजेता गुरप्रीत सिंह (सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड) से तीन आगे रहे, जिन्होंने 28 हिट पोस्ट किए। विजयवीर सिद्धू (पंजाब) ने 26 हिट के साथ पोडियम पर पहुंचकर कांस्य पदक हासिल किया।

लंबे ब्रेक के बाद प्रतियोगिता में लौटे भानवाला ने जीत के बाद कहा, ÷पैरालंपिक के बाद यह मेरा पहला पदक है और वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह राष्ट्रीय खेलों में मेरा दूसरा स्वर्ण है, मेरा पहला स्वर्ण अहमदाबाद में था। लंबा ब्रेक कठिन रहा है लेकिन यह सब यात्रा का हिस्सा है। वहीं, 10 मीटर एयर राइफल महिला फाइनल में नर्मदा नितिन राजू (तमिलनाडु) ने आर्य राजेश बोरसे (महाराष्ट्र) को हराकर 254.4 के प्रभावशाली स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि रमिता जिंदल (हरियाणा) ने 230.4 के साथ कांस्य पदक हासिल किया। जीत से

रोमांचित नर्मदा राजू ने कहा कि मैं बता नहीं सकता कि मैं कितनी खुश हूं। अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करना हमेशा गर्व की बात है। रेंज पर दबाव से निपटना खेल का हिस्सा है लेकिन आज, यह सब एक साथ आ गया।' उन्होंने अपनी यात्री को लेकर कहा कि 'रोल मॉडल की तलाश करने के बजाय, अपने खुद के रोल मॉडल बनें। हर दिन अपने आप को आगे बढ़ाएं, और आपको सफलता मिलेगी।'

खिलाड़ियों को पसंद आ रही रही फैन पार्क और मौली संवाद पहल,मिट रही मुकाबले की थकान

एजेंसी

देहरादून। 38 वें राष्ट्रीय खेल में चाहे वो फैन पार्क हो या फिर मौली संवाद कान्क्लेव दोनों ही पहल को खिलाड़ी पसंद कर रहे हैं। राष्ट्रीय खेलों के सबसे प्रमुख केंद्र महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में फैन पार्क और कॉन्क्लेव प्वाइंट आस-पास ही हैं। एक जगह खिलाड़ियों की थकान मिटाने के इंतजाम हैं, तो दूसरी जगह मोटिवेशन की वो धारा है, जो नए खिलाड़ियों को राह दिखाने वाली है। अपने मैच खत्म हो जाने या फिर खाली समय में खिलाड़ी दोनों ही जगह मौजूद दिख रहे हैं। राष्ट्रीय खेल के फैन पार्क में हर समय गिटार की मधुर धुन ही नहीं है, डीजे का धूम धड़क्का भी है, जिसमें खिलाड़ी और उनके साथ आए लोग नाच-झूम रहे हैं। मैच देखने के लिए आने वाले खेल प्रेमियों के लिए भी यहां एंट्री है।

फैन पार्क में खिलाड़ियों का धूम धड़क्का -शूटिंग के मैच खत्म होने के बाद फैन पार्क पहुंची छत्तीसगढ़ की श्रुति यादव वहां बज रहे गिटार की धुन को इन्ज्वॉय करती दिखीं। बातचीत में श्रुति ने कहा कि उत्तराखंड के इंतजाम अच्छे हैं। वह बताती हैं-छत्तीसगढ़ की शूटिंग टीम पहली बार नेशनल खेल रही हैं। फैन पार्क की पहल को वह अच्छा बताती हैं। खिलाड़ी मौली संवाद में जान रहे अहम बातें–नेशनल स्पोर्ट्स विजन कॉन्क्लेव में 30 सत्रों की श्रृंखला 12 फरवरी तक चलनी हैं। इस कॉन्क्लेव को राष्ट्रीय खेल के शुभंकर मौली से जोड़ते हुए मौली संवाद नाम दिया गया है। यहां पर खिलाड़ियों को खेल विकास और उससे जुड़ी तमाम अन्य बातों की जानकारी देने की व्यवस्था की गई है। 50 विशेषज्ञों का पैनल तैयार है। जानी मानी एथलीट रह चुकीं अंजू बॉबी जार्ज और भारतीय हॉकी की कप्तान रानी रामपाल और संग्राम सिंह के टिप्स से इस सीरीज का आगाज हो चुका है। खिलाड़ियों को मोटिवेशन सपोर्ट, मेडिकल, न्यूट्रिशन, इंजरी से उबरने, डोपिंग समेत तमाम अन्य बिंदुओं पर टिप्स देने के लिए रोजाना सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। पंजाब की वुशु टीम के खिलाड़ी हरप्रीत व शिवम ने कहा-यह आयोजन खिलाड़ियों की बेहतरी से जुड़ा है।

चार जगह संचालित हो रहे फैन पार्क :-राष्ट्रीय खेलों में भाग ले रहे खिलाड़ियों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए हरिद्वार, हल्द्वानी व रूद्रपुर में भी फैन पार्क संचालित किए जा रहे हैं। इन तीनों ही जगहों पर राष्ट्रीय खेल आयोजित किए जा रहे हैं। नैनीताल में कोई खेल इवेन्ट नहीं होनी है, लेकिन पर्यटन नगरी में राष्ट्रीय खेल के प्रचार की दृष्टि से वहां भी फैन पार्क चलाया जा रहा है।

-कॉन्क्लेव में 12 फरवरी को भारतीय स्टार मुक्केबाज निखत जरीन आएंगी। इसके अलावा, जानी मानी एथलीट रह चुकी अश्विनी नचप्पा, चक दे इंडिया फेम पूर्व हॉकी खिलाड़ी मीर रंजन नेगी समेत कई विशेषज्ञों के भी कॉन्क्लेव में कार्यक्रम तय किए गए हैं। देहरादून में यह कॉन्क्लेव 12 फरवरी तक आयोजित की जाएगी। एक दिन 11 फरवरी को हल्द्वानी में भी कॉन्क्लेव आयोजित की जाएगी।

नोडल अधिकारी, गेम्स ऑपरेशन नीरज गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ी अपना बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके मनोरंजन और ज्ञानवर्धन के लिए भी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ताकि उन्हें हर लिहाज से एक अच्छा वातावरण मिले और वह खेलों में आगे बढ़ सकें।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमारी कोशिश है कि देशभर से आए खिलाड़ी देवभूमि उत्तराखंड से बहुत अच्छे अनुभव लेकर के जाएं। इसी अनुरूप तमाम तरह की व्यवस्था की गई हैं। हम चाहते हैं कि राष्ट्रीय खेल सभी खिलाड़ियों के विकास में सहायक साबित हों।

सीएलएन एनर्जी ने स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री के बाद लगाई छलांग, खरीदारी के सपोर्ट से लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक व्हीकल के पार्ट्स और लिथियम आयन बैट्री बनाने वाली कंपनी सीएलएन एनर्जी के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री हुई। हालांकि लिस्टिंग होने के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 250 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर सिर्फ 2.4 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 256 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग होने के तुरंत बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे थोड़ी ही देर में शेयर 268.80 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन ही कंपनी की आईपीओ निवेशकों को 7.25 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। सीएलएन एनर्जी का 72.30 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 26 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये आईपीओ ओवरऑल 5.42 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.07 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 8.61 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 6.55 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 28.92 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

एपीएसईजेड का लाभ 14 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 2,518 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध लाभ अर्जित किया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 2208 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने आज शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा कि चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही के दौरान उसका परिचालन राजस्व पिछले वर्ष की इसी अवधि के 6,920 करोड़ रुपये की तुलना में 15 प्रतिशत बढ़कर 7,964 करोड़ रुपये हो गया। निजी बंदरगाह संचालक ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 11.3 करोड़ मीट्रिक टन कार्गो परिवहन किया, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 4 प्रतिशत अधिक है। एपीएसईजेड भारत में सबसे बड़ा निजी बंदरगाह डेवलपर और संचालक है, जिसके पश्चिमी तट पर 7 रणनीतिक रूप से स्थित बंदरगाह और टर्मिनल हैं जिसमें गुजरात में कांडला, दहेज और हजीरा में मुंद्रा, टूना टेकरा और बर्थ 13, गोवा में मोरमुगाओ, महाराष्ट्र में दिघी और केरल में विझिनजाम; और पूर्वी तट पर 8 बंदरगाह और टर्मिनल हैं जिसमें पश्चिम बंगाल में हल्दिया, ओडिशा में धामरा और गोपालपुर, आंध्र प्रदेश में गंगावरम और कृष्णपट्टनम, तमिलनाडु में कट्टुपल्ली और एन्नोर तथा पुडुचेरी में कराईकल शामिल है।

बीएसएनएल ने मोबाइल उपयोगकर्ताओं के लिए बीआईटीवी किया लॉन्च

नई दिल्ली। सरकारी दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म एग्रीगेटर ओटीटीप्ले के साथ मिलकर बीएसएनएल एंटरटेनमेंट-एक अभिनव इंटरनेट टीवी सेवा शुरू की है। सेवा पूरे भारत में बीएसएनएल मोबाइल उपयोगकर्ताओं को प्रीमियम चैनलों सहित 450 से अधिक लाइव टीवी चैनलों तक मुफ्त पहुंच प्रदान करती है। पुडुचेरी में पायलट लॉन्च के बाद, बीआईटीवी अब अपने उपयोगकर्ताओं के लिए विश्व स्तरीय मनोरंजन लाने के बीएसएनएल के दृष्टिकोण के तहत पूरे भारत में लॉन्च किया जा रहा है। बीएसएनएल इंटरटेनमेंट के साथ, बीएसएनएल ग्राहक भक्तिफ्लिक्स, शॉर्टफंडली, कांचा लंका, स्टेज, ओम टीवी, प्लेफ्लिक्स, फैनकोड, डिस्ट्रो, हबहॉप और रन टीवी जैसे ओटीटी तक पहुंच सकते हैं, साथ ही 450 से अधिक लाइव टीवी चैनल, ब्लॉकबस्टर फिल्में और वेब सीरीज भी देख सकते हैं। बीएसएनएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रॉबर्ट जे रवि ने कहा, बीआईटीवी के साथ, हमारे भागीदारों के माध्यम से, बीएसएनएल हर ग्राहक को 'कभी भी, कहीं भी', निःशुल्क मनोरंजन तक पहुँचने की शक्ति दे रहा है, चाहे वे किसी भी प्लान पर हों। बीआईटीवी डिजिटल समावेशन के लिए बीएसएनएल की प्रतिबद्धता का प्रमाण है और बीएसएनएल इस अभूतपूर्व सेवा के माध्यम से क्रांति लाने वाली पहली दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियों में से एक होगी।

एयरटेल अफ्रीका का शुद्ध लाभ 13.3 करोड़ डॉलर रहा

नयी दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल के अफ्रीका परिचालन ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में 13.3 करोड़ डॉलर का शुद्ध लाभ दर्ज किया है जबकि पिछले साल इसी तिमाही में 60 लाख डॉलर का घाटा हुआ था। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंजों के साथ एक नियामक फाइलिंग में कहा कि परिचालन से कंपनी का शुद्ध राजस्व 123.8 करोड़ डॉलर के मुकाबले समीक्षाधीन तिमाही के दौरान दो प्रतिशत बढ़कर 1,26.8 करोड़ डॉलर रहा। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील तलदार ने कहा, ÷हमने पिछली तिमाही में परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दोनों में सुधार किया है, जो हमारी परिचालन रणनीति से प्रेरित है जो सभी टचपॉइंट्स पर शानदार ग्राहक अनुभव प्रदान करने पर केंद्रित है। इसका एक महत्वपूर्ण घटक सर्वश्रेष्ठ श्रेणी का नेटवर्क प्रदान करना, ग्राहक यात्रा को डिजिटल बनाना और सरल बनाना है। गति और गुणवत्ता निष्पादन पर हमारा ध्यान हमें अपने बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों में विकास के लिए पर्याप्त अवसरों को अनलॉक करने में सक्षम बनाता है, जहां मांग महत्वपूर्ण बनी हुई है।

जीबी लॉजिस्टिक्स की 20 प्रतिशत घाटे के साथ लिस्टिंग, कारोबार शुरू करते ही लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। लॉजिस्टिक्स सेक्टर की कंपनी जीबी लॉजिस्टिक्स कॉमर्स लिमिटेड के शेयरों की लिस्टिंग से आज कंपनी के निवेशकों को जबरदस्त नुकसान हुआ। कंपनी के शेयरों की स्टॉक मार्केट में जोरदार डिस्काउंट के साथ एंट्री हुई। इसके थोड़ी देर बाद ही ये शेयर गिरकर लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। हालांकि थोड़ी देर बाद ही लिवाली शुरू हो जाने के कारण ये शेयर लोअर सर्किट ब्रेक करके कारोबार करने लगा। आपको बता दें कि आईपीओ के तहत कंपनी ने 102 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 81.60 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली के दबाव के कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर 77.55 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। हालांकि थोड़ी ही देर बाद एक बार फिर लिवाली शुरू होने से ये शेयर लोअर सर्किट ब्रेक करके कारोबार करने लगा। सुबह 11 बजे तक के कारोबार के बाद जीबी लॉजिस्टिक्स कॉमर्स लिमिटेड के शेयर 82 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। जीबी लॉजिस्टिक्स कॉमर्स लिमिटेड का 25.07 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 28 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 184.64 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 25.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 543.55 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 121.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 24.58 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज की अदायगी करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक 2023-24 में कंपनी का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 115.62 करोड़ रुपये रहा था। इस दौरान कंपनी को 4.86 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 2.53 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 50.85 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है। इसके साथ ही कंपनी पर 20.07 करोड़ रुपये का कर्ज भी लदा हुआ है।

सैजिलिटी इंडिया ने ब्रॉडपाथ हेल्थकेयर सॉल्यूशंस का अधिग्रहण किया

एजेंसी

बेंगलुरु/नई दिल्ली। सैजिलिटी इंडिया लिमिटेड ने ब्रॉडपाथ हेल्थकेयर सॉल्यूशंस का अधिग्रहण किया है। सैजिलिटी इंडिया ने ब्रॉडपाथ हेल्थकेयर सॉल्यूशंस को करीब 502 करोड़ रुपये में अधिग्रहित किया, यह सौदा 100 फीसदी नकद लेन-देन के रूप में संरचित है। इस अधिग्रहण के साथ सैजिलिटी का लक्ष्य मध्य-बाजार भुगतान खंड में विकास को गति देना है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अग्रणी तकनीक-सक्षम व्यवसाय संचालन समाधान और सेवा प्रदाता सैजिलिटी इंडिया ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि ब्रॉडपाथ हेल्थकेयर सॉल्यूशंस के अधिग्रहण से कंपनी के ग्राहक आधार का विस्तार, सेवा पेशकशों में वृद्धि और वित्तीय तालमेल को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे बाजार में इसकी अग्रणी स्थिति मजबूत होगी। ब्रॉडपाथ हेल्थकेयर अमेरिका और फिलीपींस में 1600 से ज्यादा कर्मचारियों के साथ घर से काम करने की सुविधा प्रदान करता है।

इसके सेवा पोर्टफोलियो में सदस्य जुड़ाव, सदस्य अधिग्रहण, दावे और अपील प्रशासन, प्रदाता नामांकन और क्रेडेंशियल शामिल हैं। कंपनी ने बताया कि ब्रॉडपाथ हेल्थकेयर का यह अधिग्रहण सैजिलिटी इंडिया की बाजार उपस्थिति का काफी विस्तार करता है, जो 30 से अधिक नए ग्राहकों को जोड़ता है। यह यूएस में शीर्ष दस सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजनाओं में सैजिलिटी की स्थिति को और मजबूत करता है।

एचएम एलेक्ट्रो मेक की फीकी लिस्टिंग से निवेशक निराश

एजेंसी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में काम करने वाली कंपनी एचएम इलेक्ट्रो मेक ने आज घरेलू शेयर बाजार में मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। कंपनी के शेयर आज 8 प्रतिशत प्रीमियम के साथ बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये शेयर लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। आईपीओ के तहत कंपनी ने 75 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज इसकी लिस्टिंग 81 रुपये के स्तर पर हुई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही ये शेयर टूट कर 76.95 के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने लिवाली करके लोअर सर्किट ब्रेक करने में सफलता हासिल कर ली। सुबह 11 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 77.11 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। एचएम इलेक्ट्रो मेक का 27.74 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 28 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये आईपीओ ओवरऑल 91.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें

क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 16.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 183.65 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 95.55 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 36.99 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक 2023-24 में कंपनी को 117.30 करोड़ रुपये का राजस्व मिला था, जबकि कंपनी का शुद्ध लाभ 8.19 करोड़ रुपये दर्ज किया गया था। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 3.34 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। वहीं इस अवधि में कंपनी 45.43 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

सर्राफा बाजार में तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। बजट के एक दिन पहले आज सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। आज सोना 150 से 170 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। चांदी ने भी आज 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 83,180 रुपये से लेकर 83,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 76,260 रुपये से लेकर 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 98,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 83,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 76,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 83,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 83,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 83,030 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 83,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 76,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 83,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 76,260

रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 83,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 83,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 76,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

चीनी उद्योग में जीडीपी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर तीन फीसदी करने की क्षमताः गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि चीनी उद्योग में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर तीन फीसदी करने की क्षमता है। फिलहाल चीनी उद्योग की जीडीपी में हिस्सेदारी 1.0 से 1.15 फीसदी है। उन्होंने गन्ने का प्रति एकड़ उत्पादन बढ़ाने की जरूरत भी बतायी। केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली में चीनी मंडी की ओर से आयोजित चीनी-इथेनॉल और जैव ऊर्जा भारत सम्मेलन (एसईआईसी) 2025 के चौथे संस्करण को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय चीनी उद्योग देश की जीडीपी में तीन प्रतिशत योगदान देने की क्षमता रखता है। नितिन गडकरी ने अपने संबोधन में चीनी, इथेनॉल और बायोएनर्जी के अभिसरण पर प्रकाश डाला। उन्होंने नीतिगत उन्नति, तकनीकी नवाचारों और जैव ईंधन अर्थव्यवस्था को आकार देने वाले उभरते बाजार की गतिशीलता के माध्यम से ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता में उनकी भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि जैव ईंधन और सर्कुलर अर्थव्यवस्था सिद्धांतों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के साथ चीनी उद्योग हरित भविष्य को आगे बढ़ाने, कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और ग्रामीण आर्थिक विकास को बढ़ाने में सबसे आगे है। गडकरी ने कहा कि सरकार ने देश में वैकल्पिक ईंधन के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने कहा कि सरकार अब इथेनॉल के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कदम उठा रही है। केंद्रीय कैबिनेट ने एक दिन पहले चीनी विपणन वर्ष 2024-25 के लिए सी श्रेणी के शीरे से प्राप्त इथेनॉल की कीमत (एक्स-मिल) 1.69 रुपये बढ़ाकर 57.97 रुपये प्रति लीटर करने को अपनी मंजूरी दी है, जबकि अन्य कच्चे माल के लिए दरों को अपरिवर्तित रखा।

श्रमिकों के लिए व्यापक सामाजिक सुरक्षा कवर मार्च तक तैयार हो जाएगा

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रमिकों के लिए व्यापक सामाजिक सुरक्षा कवर इस साल मार्च तक तैयार हो जाएगा। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर तीन समितियां बनाएंगे, जो परामर्श करेंगी और कल्याणकारी उपाय के लिए स्थायी मॉडल विकसित करेंगी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को नई दिल्ली में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के श्रम मंत्रियों और सचिवों के साथ दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान यह जानकारी दी।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री की अध्यक्षता में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के श्रम मंत्रियों और श्रम सचिवों के साथ आज समाप्त हुई दो दिवसीय कार्यशाला में इस मुद्दे पर विचार-विमर्श के बाद व्यापक सामाजिक सुरक्षा के ढांचे पर आम सहमति बनी। इस अवसर पर डॉ. मांडविया

ने कहा कि गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के साथ-साथ भवन एवं निर्माण श्रमिकों के लिए श्रमिक कल्याण, भारत सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दो दिनों तक चले पांच सत्रों के दौरान दस से अधिक विषयों पर व्यापक चर्चा की गई और इनपुट एकत्र किए गए। इसके साथ ही पांच-पांच राज्यों की तीन समितियां गठित की गईं। कार्यशाला के दौरान हुई चर्चा के आधार पर ये समितियां विचार-विमर्श करेंगी और श्रमिकों के लिए व्यापक सामाजिक सुरक्षा कवरेज के लिए एक संपोषित मॉडल तैयार करेंगी, जिसे मार्च 2025 में प्रस्तुत किया जाएगा।केंद्रीय मंत्री ने दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान किए गए विचार-विमर्श और सुझावों पर गौर करते हुए अपने संबोधन के दौरान सभी हितधारकों के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाई। उन्होंने जोर देकर कहा कि मंत्रालय संगठित और असंगठित श्रमिकों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सुधारों और पहलों को तैयार करने के लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में पेंशन, स्वास्थ्य देखभाल, जीवन और दुर्घटना बीमा आदि देने वाले संपूर्ण और संपोषित कल्याण कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। डॉ. मांडविया की अध्यक्षता में संपन्न इस बैठक में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे, विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के श्रम मंत्री, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी कार्यशाला के दौरान उपस्थित थे।

अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 के नौ महीनों के परिणाम घोषित किए

एजेंसी

अहमदाबाद। अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने आज 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के अपने परिणाम घोषित किए। एईएल के नौ महीने के परिणाम अपने इंक्यूबेटिंग व्यवसायों की ताकत और निरंतरता को दर्शाते हैं, जिन्होंने तिमाही दर तिमाही मजबूत परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दिया है। अडानी न्यू इंडस्ट्रीज (ग्रीन हाइड्रोजन इकोसिस्टम) और अडानी एयरपोर्ट्स के नेतृत्व में उभरते कोर इन्फ्रा व्यवसायों ने मजबूत वृद्धि उनके संबंधित क्षेत्रों में अवसरों के पैमाने को दर्शाती है। 31 दिसंबर 2024 को समाप्त नौ महीनों के दौरान, एईएल ने 12,377 करोड़ रुपये का अपना अधिकतम कंसोलिडेटेड नौ महीने का एबिटडा

दर्ज किया, जिसमें इंक्यूबेटिंग व्यवसायों का योगदान 62फीसदी था। अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने कहा, नौ महीने का असाधारण प्रदर्शन अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के ट्रांसफॉर्मेटिव इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी ट्रांजीशन सेक्टर्स की प्रगति के लिए एक पावरहाउस के रूप में अपनी स्थिति को रेखांकित करता है। एनर्जी ट्रांजीशन से लेकर लॉजिस्टिक्स और एडजसेंसी तक, हमारे इंक्यूबेटिंग व्यवसायों में मजबूत वृद्धि हमारे कोर प्लस पोर्टफोलियो की अपार क्षमता को उजागर करती है। ये परिणाम एक्सेक्यूशन, ऑपरेशनल एक्सीलेंस, नवाचार और स्थिरता का प्रमाण हैं क्योंकि हम विभिन्न क्षेत्रों में नए मानक स्थापित करने के लिए कार्यरत हैं। प्रत्येक उपलब्धि के साथ, एईएल अपने हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य बनाने के साथ-साथ भारत की प्रगति और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में योगदान करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ये टीम तैयार कर रही 2025-26 का केंद्रीय बजट

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार का बजट 1 फरवरी को लोकसभा में पेश होगा।

लगातार आठवें केंद्रीय बजट के साथ इतिहास रचने जा रही केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त सचिव तुहिन कांता पांडे सहित प्रमुख अधिकारियों के साथ मिलकर वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 50 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का केंद्रीय बजट तैयार करने के लिए अथक परिश्रम किया है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को केंद्रीय बजट में कई चुनौतियों का समाधान करना होगा, जिसमें आर्थिक विकास में कमी, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये का गिरता मूल्य और उपभोग मांग में कमी शामिल है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शनिवार, 01 फरवरी को मोदी 3.0 सरकार का 14वां बजट पेश करेंगी।

वित्त मंत्रालय के तहत आर्थिक मामलों के सचिव और देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार के अलावा मंत्रालय के अधिकारियों की पूरी नई टीम वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को आगामी केंद्रीय बजट की रणनीति तैयार करने में मदद कर रही है। हम आपको उन अधिकारियों के बारे में बता रहे हैं, जो केंद्रीय बजट बनाने की प्रक्रिया से करीब से जुड़े हुए हैं।

सीतारमण देश की पहली ऐसी वित्त मंत्री होंगी, जो एक अंतरिम बजट के साथ लगातार आठवां बजट पेश करेंगी। इससे पहले बतौर वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, अरुण जेटली, पी. चिदंबरम और यशवंत सिन्हा लगातार पांच बजट पेश कर चुके हैं। निर्मला सीतारमण ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की है। सीतारमण ऐसे समय वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश करने जा रही है, जब वैश्विक अनिश्चितता बढ़ रही है, घरेलू मांग में सुस्ती है और निजी निवेश को अभी गति पकड़नी है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इस बजट में वित्त मंत्री मध्यम वर्ग को टैक्स में कुछ राहत देंगी।

वित्त सचिव तुहिन कांत पांडेय ने हाल ही में वित्त मंत्रालय में राजस्व सचिव का कार्यभार भी संभाला है। पांडे 1987 बैच के ओडिशा कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं। उन्होंने निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) सचिव के रूप में 24 अक्टूबर, 2019 को पदभार संभालने के बाद 5 साल से अधिक काम किया।

कोल इंडिया भारत के शीर्ष 50 सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों में

मुंबई। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) को ग्रेट प्लेस टू वर्क द्वारा 2025 में विनिर्माण में भारत के शीर्ष 50 सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों में से एक के रूप में मान्यता दी गई है। अधिकारियों ने यहां कहा कि यह प्रतिष्ठित मान्यता विश्वास, गर्व और सौहार्द की संस्कृति को विकसित करने के लिए सीआईएल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, जबकि अपने कर्मचारियों के लिए एक सहायक और सशक्त वातावरण प्रदान करती है। कोल इंडिया ने विनिर्माण क्षेत्र में 347 संगठनों के बीच एक कठोर मूल्यांकन के बाद यह मान्यता प्राप्त की है। शीर्ष 50 में सीआईएल का शामिल होना कार्यबल उत्कृष्टता और कर्मचारी कल्याण के प्रति इसके अटूट समर्पण का प्रमाण है। कंपनी को पहले एक समावेशी और टिकाऊ संगठन बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के लिए 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' मान्यता मिल चुकी है। सीआईएल भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के तहत एक महारत्न कंपनी है। दुनिया के सबसे बड़े कोयला उत्पादक के रूप में, सीआईएल भारत की घरेलू कोयला मांग के 80प्रतिशत से अधिक को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परिचालन उत्कृष्टता, कर्मचारी कल्याण और पर्यावरणीय स्थिरता पर मजबूत ध्यान देने के साथ, सीआईएल भारत के ऊर्जा क्षेत्र और आर्थिक विकास में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में अग्रणी बना हुआ है।

लगातार चौथे दिन शुरुआती कारोबार के दौरान शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार चौथे कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद शुरुआती आधे घंटे के कारोबार में मामूली उतार-चढ़ाव होता हुआ नजर आया, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे शेयर बाजार की चाल में तेजी आ गई। एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.23 प्रतिशत और निफ्टी 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। पहले एक घंटे के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से लार्सन एंड टूब्रो, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, ट्रेंट लिमिटेड, टाइटन कंपनी और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर 3.93 प्रतिशत से लेकर 2.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर एनटीपीसी, कोल इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व और एनटीपीसी के शेयर 3.21 प्रतिशत से लेकर 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,350 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,746 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 604 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 7 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 42 शेयर हरे निशान में और 8 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 129.08 अंक की तेजी के साथ 76,888.89 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद कुछ देर तक बाजार में मामूली उतार-चढ़ाव होता रहा, लेकिन पहले आधे घंटे के कारोबार में ही खरीदारों ने एक्टिव होकर लिवाली शुरू कर दी। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 179.90 अंक की मजबूती के साथ 76,939.71 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 47.25 अंक उछल कर 23,296.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद पहले आधे घंटे तक सामान्य कारोबार होता रहा, लेकिन इसके बाद खरीदार पूरी तरह से एक्टिव हो गए। हालांकि बीच-बीच में बिकवाली का मामूली झटका भी लगता रहा, इसके बावजूद इस सूचकांक की चाल में तेजी बनी रही। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 92.10 अंक की बढ़त के साथ 23,341.60 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

अमेरिकी विमान हादसे के पीड़ितों में पाकिस्तान की एक महिला भी

एजेंसी

इस्लामाबाद। संयुक्त राज्य अमेरिका में यात्री विमान और सैन्य हेलीकॉप्टर के बीच हवा में हुई टक्कर के पीड़ितों में एक पाकिस्तान की महिला असरा हुसैन रजा भी हैं। वह कंसास से अमेरिकन एयरलाइंस के विमान से वाशिंगटन लौट रही थीं। पाकिस्तान के प्रमुख समाचार पत्र द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार दुर्घटना से कुछ क्षण पहले 26 वर्षीय असरा ने अपने पति 25 वर्षीय हमाद रजा को संदेश भेजा था कि वह लगभग 20 मिनट में वाशिंगटन में उतरेगी। इस जोड़े की मुलाकात इंडियाना यूनिवर्सिटी ब्लूमिंगटन में कॉर्पोरेट फाइनेंस की पढ़ाई के वक्त हुई थी। इसके बाद असरा ने कोलंबिया विश्वविद्यालय से सार्वजनिक स्वास्थ्य में मास्टर डिग्री हासिल की और वाशिंगटन में नौकरी करने लगीं। वह काम के सिलसिले में विचिटा (कंसास) गई थीं। वापसी में विमान हादसे का शिकार हो गईं। हमाद रजा अमेरिका के मिसौरी राज्य में रहते हैं। दो साल पहले दोनों ने शादी की थी। हमाद रजा के पिता डॉ. हाशिम रजा मूल रूप से कराची के रहने वाले हैं। वह मिसौरी बैपटिस्ट मेडिकल सेंटर में सेवारत हैं। इस हादसे पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जानमाल की हानि पर दुख व्यक्त किया है। शहबाज ने एक्स पोस्ट में इस कठिन समय में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

नेपाल के चुनाव में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत निर्वाचन क्षेत्र आरक्षित करने का प्रस्ताव

काठमांडू। नेपाल निर्वाचन आयोग ने संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीट आरक्षित करने का प्रस्ताव किया है। यदि आयोग का यह प्रस्ताव पारित होता है तो अगले आम चुनाव से महिलाओं के लिए देश में 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित हो जाएंगी। प्रमुख निर्वाचन आयुक्त दिनेश थपलिया ने गृह मंत्रालय को भेजे प्रस्ताव में महिलाओं के लिए प्रत्यक्ष निर्वाचन में ही 33 प्रतिशत सीट आरक्षित करने का प्रस्ताव किया है। थपलिया का कहना है नेपाल के संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक नेपाल की महिलाओं को प्रत्यक्ष राजनीति में भागीदारी बढ़ाने के लिए यह प्रस्ताव किया गया है। संसद में वैसे तो अभी भी 33 प्रतिशत आरक्षित सीट हैं। लेकिन यह प्रत्यक्ष चुनाव के बदले समानुपातिक सीटों से पूरा किया जाता है। उन्होंने बताया कि यह प्रस्ताव महिलाओं की संसद में बैक डोर इंट्री के बजाए प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रक्रिया से आगे लाने के लिए किया गया है। इस प्रस्ताव को गृह मंत्रालय की तरफ से पहले कैबिनेट की बैठक से पारित कराया जाएगा। उसके बाद संसद के दोनों सदनों से पारित करना अनिवार्य है। आयोग का मानना है कि संसद को जल्द निर्णय लेना चाहिए, जिससे इसे अगले चुनाव से लागू किया जा सके। उल्लेखनीय है कि देश के संविधान ने संसद के दोनों सदनों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को सुनिश्चित किया है।

अमेरिका में दुर्घटनाग्रस्त यात्री विमान का ब्लैक बॉक्स मिला, परीक्षण शुरू

वाशिंगटन। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में रात आसमान में टकरा कर पोटोमैक नदी में गिरे यात्री विमान और सैन्य हेलीकॉप्टर में से विमान के ब्लैक बॉक्स को खोजने में सफलता मिल गई है। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) ने इसकी पुष्टि की। सीएनएन की खबर के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त अमेरिकन एयरलाइंस के विमान (पीएसए एयरलाइंस बॉम्बार्डियर सीआरजे700 क्षेत्रीय जेट) से ब्लैक बॉक्स यानी फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर को बरामद कर लिया गया है। ब्लैक बॉक्स को राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड प्रयोगशाला में ले जाया गया। सैन्य हेलीकॉप्टर (सिकोरस्की एच-60) के ब्लैक बॉक्स की तलाश की जा रही है। बताया गया है कि बाल्टीमोर जिले के अमेरिकी सेना कोर ऑफ इंजीनियर्स की मदद से पोटोमैक नदी में गिरे विमान और हेलीकॉप्टर का मलबा हटाने का काम बेहद सावधानी से किया जा रहा है। विमान और हेलीकॉप्टर के 67 लोगों में से अधिकांश के शव मलबे में दबे होने की संभावना है। इस हादसे पर नेशनल एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स एसोसिएशन ने गहरा दुख जताया है। एसोसिएशन ने कहा कि दुख की घड़ी में यही कहा जा सकता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका विमानन सुरक्षा के मानक सर्वोच्च है।

अमेरिका ने सीरिया में आतंकी कमांडर मोहम्मद सलाह अल-जबीर को मार गिराया

टाम्पा (फ्लोरिडा)। अमेरिका ने उत्तर-पश्चिमी सीरिया के इदलिब गवर्नरेट में एक ड्रोन हवाई हमले में अलकायदा से संबद्ध आतंकी समूह के कमांडर मोहम्मद सलाह अल-जबीर को मार गिराया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) और अरबी न्यूज बेवसाइट '+963' ने इसकी पुष्टि की। '+963' ने स्थानीय सूत्र के हवाले से कहा कि हमले में मारा गया मोहम्मद सलाह अल-जबीर हयात तहरीर अल-शाम का पूर्व नेता है। वह एक जीप में अपने एक विदेशी साथी के साथ था। ड्रोन ने इस जीप को निशाना बनाया। हमले में दोनों की मौत हो गई। अंतरराष्ट्रीय सैन्य गठबंधन के ड्रोन ने पिछले वर्षों में हयात तहरीर अल-शाम के आतंकियों और उत्तर-पश्चिमी सीरिया में रहने वाले आईएसआईएस के नेताओं को निशाना बनाकर कई हवाई हमले किए।

अमेरिका में विमान हादसा : 18 शव बरामद, एयरलाइंस ने विमान में 60 यात्रियों के सवार होने का किया दावा

एजेंसी

वाशिंगटन। वाशिंगटन डीसी में यात्री विमान व सेना के ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर के बीच हुई टक्कर में अब तक 18 लोगों का शव बरामद हुआ है। यात्री विमान का संचालन करने वाली अमेरिकन एयरलाइंस ने एक बयान में कहा कि विमान में 60 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे। एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर में तीन सैनिक सवार थे। एयरलाइंस ने विमान में सवार यात्रियों के परिजनों के लिए एक हॉटलाइन नंबर जारी किया है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि बुधवार को वाशिंगटन डीसी में रीगन नेशनल एयरपोर्ट के पास एक यात्री विमान और सेना के ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर के बीच हुई टक्कर के बाद पोटोमैक नदी से 18 शव बरामद किए गए हैं। सीएनएन ने बताया कि बचाव कार्य जारी रहने के दौरान नदी से कोई भी जीवित व्यक्ति नहीं निकाला जा सका है। एक अमेरिकी

रक्षा अधिकारी का हवाला देते हुए बताया गया है कि ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर में तीन सैनिक सवार थे। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि पेंटागन स्थिति की सक्रिय रूप से निगरानी कर रहा है और आवश्यकता पड़ने पर सहायता करने के लिए तैयार है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, भयानक दुर्घटना के बारे में पूरी जानकारी दी गई है और वह स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और जैसे-जैसे स्थिति सामने आएगी, वह और अधिक जानकारी प्रदान करेंगे। ट्रंप ने हादसे को लेकर दुख जताया। उन्होंने अपने बयान कहा, 'मुझे रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई भीषण दुर्घटना के बारे में अवगत करा दिया गया है। ईश्वर मृतकों की आत्मा को शांति प्रदान करें। इसके अलावा, राष्ट्रपति ने रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे लोगों का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद स्थिति को सामान्य करने में जुटे सभी लोगों का धन्यवाद। बता दें कि अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के पास एक यात्री विमान व सेना के एक हेलीकॉप्टर के बीच टक्कर हो गई थी। विमान में 60 यात्री सवार थे। यह विमान कंसास सिटी से वाशिंगटन जा रहा था। इस दौरान यह हेलीकॉप्टर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने अमेरिकी मीडिया के हवाले से बताया कि विमान में 60 यात्री और 4 क्रू मेंबर्स सवार थे।

ब्रिक्स देशों ने नयी मुद्रा बनायी तो उन्हें शतप्रतिशत आयात शुल्क का सामना करना पड़ेगा : ट्रम्प ने दोहराया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ब्रिक्स देश डॉलर के खिलाफ अगर को नयी मुद्रा बनाते हैं तो वह उनके सामानों पर अमेरिका में 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगायेंगे। श्री ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर कहा, 'वह समय अब नहीं रहा जब ब्रिक्स देश डॉलर से दूर जाने की कोशिश करते रहें और हम केवल खड़े होकर देखते रहें। हम चाहते हैं कि ब्रिक्स देश ऐसी प्रतिबद्धता जतायें कि वे न तो कोई नयी ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे, न ही किसी भी मुद्रा को अमेरिकी डॉलर की जगह पर लायेंगे। अन्यथा उन्हें 100 प्रतिशत आयात शुल्क का सामना करना पड़ेगा।' उन्होंने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर को किसी अन्य मुद्रा से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है। श्री ट्रम्प ने कहा, 'वे चाहें तो किसी और देश को ढूंढ सकते हैं। इस बात की कोई संभावना नहीं है कि ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय व्यापार में या कहीं और अमेरिकी डॉलर को हटा सकता है। यदि कोई देश ऐसा करने की कोशिश करता है तो उसे भारी आयात शुल्क का स्वागत करने के लिये तैयार रहना होगा और उसे अमेरिका को अलविदा कहना होगा।'

मेक्सिको ने दो प्रवासियों के साथ अमेरिका में मानवाधिकारों के उल्लंघन की शिकायत की

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के विदेश मंत्रालय ने दो निर्वासित गैर-दस्तावेज प्रवासियों की ओर से अमेरिकी सरकार से शिकायत की है, जिन्होंने अमेरिकी अधिकारियों पर निर्वासन कार्यवाही के दौरान उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दो प्रवासी, मेक्सिको के एक पुरुष और ग्वाटेमाला की एक महिला ने अपने साथ हुए दुर्व्यवहार के बारे में बताया, जो नवीनतम निर्वासन उड़ानों के जरिये मेक्सिको पहुंचे। उन दोनों ने हालांकि यह नहीं बताया कि उनके साथ किस तरह का दुर्व्यवहार किया गया।मेक्सिको सिटी के नेशनल पैलेस में अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सुश्री शीनबाम ने कहा कि विदेश मंत्रालय की ओर से अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा एजेंसी के खिलाफ शिकायत दर्ज करने, औपचारिक रूप से अमेरिकी

उल्लंघनों की निंदा करने और मामले की समीक्षा करने का निर्णय लिया गया था। गौरतलब है कि अपने पुनर्निर्वाचन अभियान के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पद संभालने के बाद अवैध अप्रवासियों को बड़े पैमाने पर निर्वासित करने का वादा किया था। श्री ट्रम्प के 20 जनवरी को शपथ ग्रहण करने के बाद अमेरिका के कई हिस्सों में निर्वासन अभियान तेज हो गए हैं, जिनमें कथित तौर पर अपराधियों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। नागरिक उड़ानों में 20-26 जनवरी को सवार 5,282 प्रवासी अमेरिका से मेक्सिको लौट आए, जिनमें 4,083 मेक्सिको की राष्ट्रीयता वाले थे। कुल 527 प्रवासी (उनमें से 355 मेक्सिको की राष्ट्रीयता वाले थे) 27 जनवरी को मेक्सिको लौट आये और 28 जनवरी को 435 अन्य लौटे।

श्री ट्रम्प ने बुधवार को पेंटागन और होमलैंड सिक्योरिटी विभाग को क्यूबा के दक्षिणपूर्वी तट पर स्थित अमेरिकी नौसैनिक अड्डे ग्वांतानामो बे में 30 हजार प्रवासियों को रखने की सुविधा तैयार करने का आदेश दिया।

पूर्व सीनेटर बॉब मेनेंडेज को रिश्वतखोरी मामले में 11 साल की सजा

एजेंसी

न्यूयॉर्क । पूर्व डेमोक्रेट सीनेटर बॉब मेनेंडेज को रिश्वतखोरी के एक मामले में 11 साल की सजा सुनाई गई है। वो विदेशी एजेंटों से घूस लेने के दोषी ठहराए गए थे। संघीय न्यायाधीश सिडनी स्टीन ने बुधवार को 71 वर्षीय मेनेंडेज को यह सजा सुनाते हुए कहा, ÷आप हमारी राजनीतिक व्यवस्था के शीर्ष पर थे लेकिन आप अपना रास्ता भूल गए और जनता की भलाई के लिए काम करने की बजाय आप अपनी भलाई के लिए काम करने लगे। न्यू जर्सी का प्रतिनिधित्व करने वाले मेनेंडेज को नकदी, सोने की छड़ें और एक मर्सिडीज बेंज कार मिली थी।

उन्हें जुलाई में मिस्र के एजेंट के रूप में कार्य करने, रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी और षड्यंत्र सहित 16 आरोपों में दोषी ठहराया गया था। उनकी पत्नी नादिन मेनेंडेज पर भी आरोप हैं, लेकिन उनका मुकदमा स्थगित है क्योंकि वह कैंसर का इलाज करा रही हैं। रिश्वत देने वाले दो व्यापारियों को भी बुधवार को जेल की सजा और 1 मिलियन डॉलर से ज्यादा का जुर्माना लगाया गया। एक अन्य व्यापारी ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को स्वीकार कर लिया और अभियोजन पक्ष के गवाह के तौर पर पेश होकर सरकारी गवाह बन गया। इस मामले में कतर का नाम तो आया, लेकिन सीधे तौर पर इसमें उसकी कोई भूमिका नहीं थी। अभियोजकों ने कहा कि रियल एस्टेट डेवलपर को वहां से वित्तपोषण प्राप्त करने में मदद करने के लिए मेनेंडेज ने राज्य के बारे में सकारात्मक टिप्पणियां की।मेनेंडेज सीनेट की विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष थे और 2023 में उन पर आरोप लगाए जाने पर उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था जिससे उनका 18 साल का कार्यकाल समाप्त हो गया था।

वह 2017 में दोषसिद्धि से बच गए थे क्योंकि एक विभाजित जूरी उन्हें अन्य भ्रष्टाचार के आरोपों में दोषी ठहराने में विफल रही थी, लेकिन 2024 में वह कानून की गिरफ्त में आ गए। दया की गुहार लगाते हुए, मेनेंडेज ने खुद को एक पापग्रस्त व्यक्ति÷ कहा था और अदालत से कहा था कि, परिवार के अलावा, मैंने वह सब कुछ खो दिया है जिसकी मुझे कभी परवाह थी।

जॉर्डन ने गाजा में सहायता सामग्री पहुंचाने के लिए भेजे 16 हेलीकॉप्टर

एजेंसी

अम्मान । इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते के बाद गाजा में सहायता भेजने का सिलसिला जारी है। इस बीच, जॉर्डन ने गाजा में सहायता पहुंचाने के अपने प्रयासों के तहत 16 सहायता हेलीकॉप्टर को युद्ध प्रभावित क्षेत्र में भेजा है। न्यूज एजेंसी ने सरकारी पेट्रा समाचार एजेंसी के हवाले से बताया कि हेलीकॉप्टरों में 20 टन मानवीय और राहत सामग्री भेजी गई है, जिसे जॉर्डन हशमाइट चैरिटी संगठन और कई अन्य देशों के सहयोग से भेजा गया है।जॉर्डन लगातार गाजा में सहायता पहुंचाने के तरीकों में विविधता ला रहा है, जिसमें सैन्य हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल, चिकित्सा उपचार और आवश्यक स्वास्थ्य सेवा वस्तुओं के परिवहन में तेजी लाने के लिए किया जा रहा है। पेट्रा ने बताया कि मानवीय सहायता सामग्री पहुंचाने का काम आठ दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें प्रतिदिन 16 विमान उड़ान भरेंगे। मिस्र की राज्य सूचना सेवा (एसआईएस) की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले मिस्र ने राफा सीमा के माध्यम से गाजा पट्टी में 310 मानवीय सहायता सामग्री से भरे ट्रक भेजे थे। एसआईएस रिपोर्ट में कहा गया है, काफिले में ईंधन से लदे 20 ट्रक शामिल हैं। ये ट्रक गाजा में पहुंचाए जाने से पहले इजरायल की ओर से निरीक्षण के लिए अल-औजा (नित्जाना) और केरेम शालोम क्रॉसिंग से गुजरेंगे। इससे पहले जनवरी में जॉर्डन के विदेश मंत्री अयमान सफादी ने एक समझौते तक पहुंचने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए जॉर्डन और डेनमार्क के बीच स्थिति के अलाइनमेंट पर जोर दिया, जिससे गाजा पर हमले को रोका जा सके।

इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने रिहा किए गए बंधकों का स्वागत किया

एजेंसी

जेरूसलम । इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास की कैद से रिहा किए गए तीन इजरायली नागरिकों- अगम बर्जर, अर्बेल येहुद और गादी मूसा का स्वदेश में स्वागत किया।

तीनों को छोड़ा गया। नेतन्याहू ने एक बयान जारी कर रिहाई के तरीके को लेकर हमास की आलोचना भी की। उन्होंने कहा, अगम, अर्बेल और गादी का स्वागत है।पूरे इजरायल के साथ ही हम (नेतन्याहू और उनकी पत्नी) आपका तहे दिल से स्वागत करते हैं। नेतन्याहू ने कहा, यह रिहाई, सबसे पहले, हमारे वीर सैनिकों की बदौलत मुमकिन हुई, और यह उस दृढ़ रुख का भी नतीजा है जो हमने बातचीत के दौरान अपनाया था। हालांकि, प्रधानमंत्री ने इनकी रिहाई को लेकर हमास द्वारा अपनाए गए तरीके पर भी सवाल उठाए। बोले, यह स्पष्ट कर दिया है कि हम अपने बंधकों को लेकर कोई भी रिस्क लेने

हम समझौते के उल्लंघन को स्वीकार नहीं करेंगे। आज हमारे बंधकों की रिहाई के दौरान, हम सभी ने चौंकाने वाले दृश्य देखे। हमने मध्यस्थों को को तैयार नहीं हैं। लेकिन कोई भी हमारे बंधकों को नुकसान पहुंचाने की हिम्मत करेगा, उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। गाजा से रिहा किए गए तीन इजरायली बंधकों का नाम पहले इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा दिया गया था, जिसने यह भी पुष्टि की कि पांच थाई नागरिकों को भी मुक्त कर दिया गया था। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने गाजा में रिहा किए गए पांच थाई नागरिकों की पहचान की पुष्टि की।

इनके नाम पोंगसाक थन्ना, साथियान सुवानाखम, वाचारा श्रीओन, बन्नावत सैथाओ और सुरसाक लम्नाओ हैं। हमास के अनुसार, इजरायली अधिकारियों ने संघर्ष विराम और बंधक समझौते के तहत 110 फिलिस्तीनी कैदियों को भी रिहा कर दिया, जिनमें से 32 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। इनमें 30 बच्चे थे, और 48 को हाई सेंटेंस श्रेणी वाले कैदी थे।

तुर्किए के राष्ट्रपति ने हमास प्रतिनिधिमंडल से की मुलाकात

एजेंसी

अंकारा। तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने हमास प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की, जिसमें शूरा परिषद के प्रमुख मुहम्मद दरवेश भी शामिल थे। एर्दोगन के कार्यालय ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

बयान में कहा गया कि बैठक में विदेश मंत्री हकन फिदान, राष्ट्रीय खुफिया संगठन के प्रमुख इब्राहिम कालिन, राष्ट्रपति संचार निदेशक फहरेटिन अल्तुन, विदेश नीति और सुरक्षा के वरिष्ठ सलाहकार अकिफ कैगाटे किलिक और राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ हसन डोगन सहित प्रमुख तुर्किए अधिकारियों ने भाग लिया। अर्ध-आधिकारिक अनादोलु एजेंसी के हवाले से सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि एर्दोगन ने बैठक में प्रतिनिधिमंडल से कथित तौर पर गाजा युद्ध विराम के सफल समापन की आशा व्यक्त करते हुए कहा कि तुर्किए गाजा में वास्तविकताओं को उजागर करना जारी रखेगा। एर्दोगान ने अक्सर

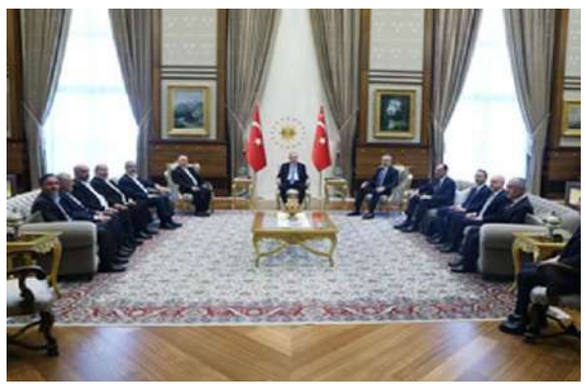

फिलिस्तीनी मुद्दे पर तुर्किए के कड़े रुख को व्यक्त किया है और संघर्ष के संबंध में हमास और अंतर्राष्ट्रीय प्लेयर्स दोनों के साथ संवाद बनाए रखा है।

19 जनवरी को इजरायल और हमास के बीच तीन-चरणीय युद्धविराम समझौता प्रभावी हुआ, जिसने छह सप्ताह की शांति की शुरुआत की और गाजा पर 15 महीने से चल रहे इजरायली हमलों के अंत की उम्मीद जगाई, जिसने एन्क्लेव को तबाह कर दिया और वहां बंधक बनाए गए दर्जनों लोगों की रिहाई की उम्मीद जगाई। शनिवार को, रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति ने युद्धविराम समझौते की प्रारंभिक शर्तों के तहत कार्यान्वित हमास और इजरायल के बीच कैदी-बंधक विनिमय के दूसरे चरण के पूरा होने की घोषणा की। इससे पहले दिन में, इजरायली सूत्रों ने कहा कि इजरायल को गाजा में हमास की कैद से रिहा होने वाले बंधकों की एक सूची मिली है, जिसमें तीन इजरायली और पांच थाई नागरिक शामिल हैं।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि बंधकों के तीसरे बैच की अपेक्षित रिहाई से पहले फिलिस्तीनी सशस्त्र समूह द्वारा मध्यस्थों को सूची सौंपी गई थी। इससे पहले गाजा में दूसरी बार बंधकों की अदला-बदली हुई थी, जब हमास ने 200 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले चार महिला इजरायली सैनिकों को रिहा किया था। यह 19 जनवरी से शुरू हुए छह सप्ताह के युद्ध विराम का हिस्सा था।

पूर्व सीनेटर बॉब मेनेंडेज को रिश्वतखोरी मामले में 11 साल की सजा

एजेंसी

न्यूयॉर्क । पूर्व डेमोक्रेट सीनेटर बॉब मेनेंडेज को रिश्वतखोरी के एक मामले में 11 साल की सजा सुनाई गई है। वो विदेशी एजेंटों से घूस लेने के दोषी ठहराए गए थे। संघीय न्यायाधीश सिडनी स्टीन ने बुधवार को 71 वर्षीय मेनेंडेज को यह सजा सुनाते हुए कहा, आप हमारी राजनीतिक व्यवस्था के शीर्ष पर थे लेकिन आप अपना रास्ता भूल गए और जनता की भलाई के लिए काम करने की बजाय आप अपनी भलाई के लिए काम करने लगे। न्यू जर्सी का प्रतिनिधित्व करने वाले मेनेंडेज को नकदी, सोने की छड़ें और एक मर्सिडीज बेंज कार मिली थी। उन्हें जुलाई में मिस्र के एजेंट के रूप में कार्य करने, रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी और षड्यंत्र सहित 16 आरोपों में दोषी ठहराया गया था।उनकी पत्नी नादिन मेनेंडेज पर भी आरोप हैं, लेकिन उनका मुकदमा स्थगित है क्योंकि वह कैंसर का इलाज करा रही हैं। रिश्वत देने वाले दो व्यापारियों को भी बुधवार को जेल की सजा और 1

मिलियन डॉलर से ज्यादा का जुर्माना लगाया गया। एक अन्य व्यापारी ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को स्वीकार कर लिया और अभियोजन पक्ष के गवाह के तौर पर पेश होकर सरकारी गवाह बन गया। इस मामले में कतर का नाम तो आया, लेकिन सीधे तौर पर इसमें उसकी कोई भूमिका नहीं थी। अभियोजकों ने कहा कि रियल एस्टेट डेवलपर को वहां से वित्तपोषण प्राप्त करने में मदद करने के लिए मेनेंडेज ने राज्य के बारे में सकारात्मक टिप्पणियां की। मेनेंडेज सीनेट की विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष थे और 2023 में उन पर आरोप लगाए जाने पर उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था जिससे उनका 18 साल का कार्यकाल समाप्त हो गया था।

इस्लामाबाद हाई कोर्ट से 2023 दंगा मामलों के 10 दोषियों की सजा निलंबित

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद हाई कोर्ट (आईएचसी) ने दो साल पहले नौ मई, 2023 के दंगा मामलों में 10 दोषियों की सजा निलंबित कर दी। जस्टिस मोहसिन अख्तर कियानी और जस्टिस सरदार इजाज इशाक खान की खंडपीठ ने दोषियों में से प्रत्येक को 25 हजार रुपये के जमानत बांड पेश करने का आदेश दिया। एआरवाई न्यूज चैनल की खबर के अनुसार इससे पहले आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) ने 22 नवंबर को दोषियों को पांच साल और 10 महीने की कारावास की सजा सुनाई थी। इन्हें फैजाबाद में पुलिस पर हमला करने और एक पुलिस चौकी को जलाने के आरोप लगाया गया था। खंडपीठ ने कहा है कि अपराध स्थल से किसी भी दोषी को गिरफ्तार नहीं किया गया। अदालत ने डिप्टी रजिस्ट्रार को दोषियों की राष्ट्रीयता सत्यापित करने के लिए उनके मूल पहचान पत्र प्राप्त करने का भी निर्देश दिया, क्योंकि इनमें पांच दोषी कथित तौर पर अफगान नागरिक हैं। सरकारी अभियोजक ने सजा के निलंबन का विरोध करते हुए तर्क दिया कि ट्रायल कोर्ट ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों के आधार पर सजा सुनाई थी। हालांकि, अदालत ने जमानत याचिका स्वीकार कर ली और उन्हें हर सुनवाई पर अदालत के सामने पेश होने का निर्देश दिया। एक अलग घटनाक्रम में इन दंगों में शामिल 19 दोषियों को सैन्य अदालतों से माफी मिल चुकी है।

अमेरिकी सीनेट में सनातन की 'गूंज', काश पटेल ने 'जय श्री कृष्ण' कहकर जीता दिल

एजेंसी

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से एफबीआई प्रमुख के तौर पर नामित कश्यप 'काश' पटेल का दो वीडियो तेजी से इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। दरअसल ये दोनों वीडियो सीनेट न्यायपालिका समिति के समक्ष पटेल की 'कन्फर्मेशन' सुनवाई के हैं।

एक वायरल वीडियो में, भारतीय मूल के वकील पटेल सीनेट में सुनवाई से पहले अपने माता-पिता के पैर छूने के लिए झुकते हुए दिखाई दे रहे हैं। दूसरे वीडियो में पटेल अपने माता-पिता का परिचय कराते हुए 'जय श्री कृष्ण' बोलते हैं। वह कहते हैं, 'मैं अपने पिता प्रमोद और अपनी मां अंजना का स्वागत करना चाहूंगा, जो आज यहां बैठे हैं। वे भारत से यहां आए हैं। मेरी बहन निशा भी यहां हैं। वह भी मेरे साथ रहने के लिए महासागर पार से आई हैं। आप

लोगों का यहां होना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। जय श्री कृष्ण।पटेल कहते हैं कि वे न केवल अपने माता-पिता के सपनों को लेकर चल रहे हैं, बल्कि न्याय, निष्पक्षता और कानून के शासन के पक्ष में खड़े लाखों अमेरिकियों की उम्मीदों को भी आगे लेकर जा रहे हैं। पटेल ने बताया कि उनके पिता युगांडा में इदी अमीन की नरसंहारकारी तानाशाही से बचकर भाग गए थे, जहां तीन लाख पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को उनकी जातीयता के आधार पर मार दिया गया था %सिर्फ इसलिए कि वे मेरे जैसे दिखते थे।पटेल का कानून और राष्ट्रीय सुरक्षा में लंबा करियर रहा है। उन्होंने एक सार्वजनिक वकील के रूप में शुरुआत की, राज्य और संघीय अदालतों में हत्या से लेकर वित्तीय अपराधों तक के जटिल मामलों की सुनवाई की।

बाद में वे न्याय विभाग (डीओजे) में चले गए जहां उन्होंने आतंकवाद के अभियोजक के रूप में काम किया। उनके पास अल-कायदा और आईएसआईएस से जुड़े अपराधियों के अभियोजन की जिम्मेदारी रही। पटेल के करियर में टर्निंग प्वाइंट 2019 में आया जब उन्हें ट्रंप की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में एंट्री हुई। बाद में ट्रंप के राष्ट्रपति पद के अंतिम महीनों के दौरान कार्यवाहक रक्षा सचिव के चीफ ऑफ स्टॉफ के रूप में नियुक्त किया।

चारदिवारी का काम करवाया शुरू

जम्मू, 31 जनवरी। आज डोगरी साहित्य सभा कुपड़ प्रगालता दी चारदीवारी का कम शुरू करवाया गया।इस कार्यक्रम में काफी लोग शामल हुए। इस कार्यक्रम के मुख्यअतिथि श्रीमति शबीम बेगम, डीडीसी डानसासल और प्रधान श्री रमत अली बीडीसी नगरोटा, राम रतन, संसार चंद आदि लोगों ने भाग लिया।

मुख्य सचिव ने एफसीएसएंडसीए और मेट्रोलॉजी विभागों के कामकाज की समीक्षा की

जम्मू 31 जनवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग और कानूनी मेट्रोलॉजी विभाग के कामकाज की समीक्षा हेतु नागरिक सचिवालय, जम्मू में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में आयुक्त सचिव एफसीएस एंड सीए जुबैर अहमद, नियंत्रक लीगल मेट्रोलॉजी विभाग जेएंडके अनुराधा गुप्ता और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने दोनों विभागों के प्रयासों की सराहना करते हुए अवैध

वितरण इकाइयों के संचालन को रोकने के लिए कड़ी निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में उपभोक्ता संरक्षण उपायों को और मजबूत करने के लिए एक व्यापक डेटाबेस के निर्माण और अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए क्षमता-निर्माण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन का भी निर्देश दिया।

उन्होंने इस अवसर पर उपभोक्ता वस्तुओं का वितरण करने वाले सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण करने पर जोर दिया। उन्होंने हर हाल में उपभोक्ता हितों की रक्षा करने के निर्देश दिए ताकि उन्हें उचित दरों पर गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

अटल डुल्लू ने अपनी सेवाओं को जनता के लिए अधिक सुलभ और आसानी से उपलब्ध कराने के लिए भी कहा। उन्होंने एफसीएस एवं सीए विभाग को दूर-दराज के इलाकों में रहने वाली जनता को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने सर्दियों के महीनों के दौरान राशन वितरण और उपलब्धता पर ध्यान दिया और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि इन गांवों में प्रत्येक राशन कार्ड धारक को उसकी पात्रता के अनुसार राशन मिले।

आयुक्त सचिव, एफसीएस एंड सीए, जुबैर अहमद ने मुख्य सचिव को विभाग की प्रमुख गतिविधियों से अवगत कराया, जिसमें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वर्तमान कवरेज, चल रहे सुधार और सिस्टम की विष्वसनीयता बढ़ाने के प्रयास शामिल हैं। उन्होंने महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्रों जैसे आवश्यक वस्तुओं की शीतकालीन स्टॉकिंग, खरीफ विपणन सीजन के दौरान धान की खरीद और अन्य भौतिक और वित्तीय उपलब्धियों पर अपडेट प्रदान किया।

नियंत्रक, लीगल मेट्रोलॉजी विभाग, जम्मू-कश्मीर, अनुराधा गुप्ता ने बैठक को विभाग के उद्देश्यों और संचालन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विभाग की सभी सेवाएँ अब जम्मू-कश्मीर सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन उपलब्ध हैं और जम्मू-कश्मीर लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2011 के तहत कवर की गई हैं। विशेष रूप से, विभाग ने अपने पोर्टल पर शुल्क मूल्यांकन के लिए एक ऑटो-गणना सुविधा शुरू की है। लाइसेंस के लिए ऑटो-नवीनीकरण सुविधा के साथ, सिस्टम को अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाया गया है।

उपभोक्ता जनपहुंच प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, नियंत्रक ने कहा कि विभाग ने चालू वित्तीय वर्ष के दौरान दूर-दराज के क्षेत्रों में 269 सेवा शिविर आयोजित किए हैं। 11 दिनों के औसत प्रसंस्करण समय के साथ, एलएमडी प्राप्त और निपटाए गए ऑनलाइन आवेदनों की संख्या में तीसरे स्थान पर है। सेवा वितरण के अलावा, विभाग शिविरों और सोशल मीडिया पहलों के माध्यम से उपभोक्ता जागरूकता को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है।

उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए विभाग नियमित रूप से विशेष प्रवर्तन अभियान चलाता है। हाल ही में, इसने कश्मीर घाटी में गैर-मानक हेलमेट और अनधिकृत पेट्रोल पंपों के खिलाफ अभियान चलाया।

उपायुक्त पुंछ ने सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा, सामुदायिक कल्याण उपायों की समीक्षा की

पुंछ 31 जनवरी। उपायुक्त पुंछ विकास कुंडल ने उपायुक्त कार्यालय परिसर में जिला स्तरीय स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें सीमा सुरक्षा और नियंत्रण रेखा के पास सामुदायिक कल्याण में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बैठक में महत्वपूर्ण सुरक्षा चिंताओं को हल किया गया और बंकर निर्माण सहित आवश्यक उपायों की प्रगति की समीक्षा की गई। सेना के अधिकारियों के अपडेट ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए चल रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

उपायुक्त ने पुलिस और बीएसएफ सहित कानून प्रवर्तन एजेंसियों से अंतर-एजेंसी सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य सामाजिक मुद्दों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने का आग्रह किया। उन्होंने विष्वसनीय पानी और बिजली आपूर्ति का भी आह्वान किया और विभागों को सीमावर्ती क्षेत्रों में पशु चिकित्सा, चिकित्सा शिविर और नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इसके अलावा, उपायुक्त ने सीमा सड़क संगठन को पुंछ शहर के लिए एक नए वैकल्पिक पुल की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए कहा।

बैठक में एडीसी, अतिरिक्त एसपी, एसीआर, सीपीओ, एसीडी, सीएमओ, तहसीलदार और भारतीय सेना, बीएसएफ पुलिस और खुफिया एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस बीच, उपायुक्त ने प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना पर जिला स्तरीय समिति की एक बैठक की अध्यक्षता की जो स्थानीय मछुआरों को आवश्यक सहायता और संसाधन प्रदान करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाली एक प्रमुख योजना है।

आरंभ में मत्स्य विकास अधिकारी ने पीएमएमएसवाई के तहत पंजीकृत मामलों का विस्तृत विवरण विचारार्थ प्रस्तुत किया।

गहन चर्चा के बाद, उपायुक्त ने पात्र लाभार्थियों के चार आवेदनों को मंजूरी दे दी, जो स्थानीय मत्स्य पालन विकास और स्थिरता प्रयासों की दिशा में सकारात्मक प्रगति को दर्शाता है।

बैठक में पीओ आईसीडीएस, एसीडी, सीएओ, एचओडी जूलॉजी जीडीसी पुंछ, मत्स्य विकास अधिकारी, एडी मत्स्य पालन के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

SUMBRIAN VEGETABLE SEED SHOP

सब्जियों और फलों के उच्च किस्म के बीज वाजिब दाम पर उपलब्ध हैं। प्याज, मिर्च, बैंगन व फूलों की पनीरी भी सस्ते दामों पर उपलब्ध है।

कुप्पड़ परगालता, वज़ालता रेलवे स्टेशन के नजदीक

सम्पर्क नंबर : 9622529427

कमोडिटी ट्रेडिंग क्या है?

कमोडिटी मानकीकृत संसाधन या कच्चे माल हैं जिनका उपयोग परिष्कृत वस्तुओं के निर्माण के लिए किया जाता है। कार्रवाई योग्य दावों और धन को छोड़कर, इसे हर प्रकार की चल वस्तु के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है जिसे खरीदा और बेचा जा सकता है। वस्तुओं की गुणवत्ता परिवर्तनीय हो सकती है, लेकिन उन्हें विभिन्न उत्पादकों के कुछ मानदंडों पर काफी समान होना चाहिए।

बाजार में दो प्रकार की वस्तुएं होती हैं, यानी ठोस वस्तुएं और नरम वस्तुएं। ठोस वस्तुओं का इस्तेमाल अक्सर अन्य वस्तुओं को बनाने और सेवाएं प्रदान करने के लिए उत्पादक सामग्री के रूप में किया जाता है जबकि मुख्य रूप से प्रारंभिक उपभोग के लिए नरम वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाता है। धातुओं और खनिजों जैसे उत्पादक सामग्री को कठोर वस्तुओं के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जबकि चावल और गेहूं जैसे कृषि उत्पाद नरम वस्तुएं हैं।

वस्तुएं प्रत्यक्ष बाज़ार या एक्सचेंज पर ट्रेड की जाती है। व्यापार करने के लिए एक्सचेंज द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानकों को वस्तुओं को पूरा करना होगा। व्यापारी या तो प्रत्यक्ष बाज़ार पर या यौगिक जैसे विकल्प या भावी सौदे के माध्यम से इन वस्तुओं को खरीद सकते हैं। कमोडिटी ट्रेडिंग पारंपरिक प्रतिभूतियों से परे संविभागीय विविधीकरण प्रदान करता है। और चूंकि कमोडिटी की कीमत स्टॉक के विपरीत दिशा में चलती है, इसलिए निवेशक मार्केट की अस्थिरता की अवधि के दौरान कमोडिटी ट्रेडिंग में भाग लेते हैं।

द कमोडिटी मार्किट

किसी अन्य मार्केट के समान, कमोडिटीज़ मार्केट या तो भौतिक या आभासी स्थान है, जहां इच्छुक पार्टियां वर्तमान या भविष्य की तिथि पर कमोडिटी (कच्चे या प्राथमिक उत्पाद) को ट्रेड कर सकती हैं। मूल्य आपूर्ति और मांग के आर्थिक सिद्धांतों द्वारा निर्धारित किया जाता है।

कमोडिटी के प्रकार

100 से अधिक कमोडिटी में विश्वव्यापी पचास प्रमुख कमोडिटी बाजार हैं। व्यापारी चार प्रमुख वस्तुओं की श्रेणियों में व्यापार कर सकते हैं

धातु- आयरन, कॉपर, एल्युमिनियम और निकल जैसी विभिन्न प्रकार की धातुएं, जिनका उपयोग निर्माण और उत्पादन में किया जाता है, सोने, चांदी और प्लेटिनम जैसे कीमती धातुओं के साथ-साथ बाजार में व्यापार के लिए उपलब्ध हैं।

ऊर्जा वस्तुएं- घरों और उद्योगों में इस्तेमाल किए जाने वाले ऊर्जा वस्तुएं बहुतायत में ट्रेड की जाती हैं। ये प्राकृतिक गैस और तेल हैं। अन्य ऊर्जा वस्तुएं जो व्यापार यूरेनियम, इथानॉल, कोयला और बिजली हैं।

कृषि वस्तुएं-कमोडिटी मार्केट में विभिन्न प्रकार के कृषि और पशुधन उत्पाद का व्यापार होता है। उदाहरण के लिए, चीनी, कोको, कॉटन, मसाले, अनाज, तिलहन, दालें, अंडे, फीडर कैटल व और भी बहुत कुछ।

पर्यावरणीय वस्तुएं- इस समूह में नवीकरणीय ऊर्जा, कार्बन उत्सर्जन और सफेद प्रमाणपत्र शामिल हैं।

वैश्विक रूप से, सबसे व्यापारिक वस्तुओं में सोना, चांदी, कच्चा तेल, ब्रेंट ऑयल, प्राकृतिक गैस, सोयाबीन, कपास, गेहूं, मक्का और कॉफी सम्मिलित हैं

भारत में ट्रेड किए गए कमोडिटी के प्रकार (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया - MCX)

कृषि वस्तुएं- काली मिर्च, कैस्टर बीज, कच्चा पाम ऑयल, इलायची, कपास, मेंथा ऑयल, रबर, पामोलिन

ऊर्जा-नेचुरल गैस, कच्चा तेल

बेस मेटल्स-पीतल, एल्युमिनियम, लेड, कॉपर, जिंक, निकल

बहुमूल्य धातु- सोना, चांदी

भारत में ट्रेड किए गए कमोडिटी के प्रकार (नेशनल कमोडिटी और डेरिवेटिव एक्सचेंज - NCDEX

अनाज और दालें- मकाई खरीफ/दक्षिण, मकाई रबी, बार्ली, गेहूं, चाना, चंद्र, धान (बासमती)

नरम - चीनी

फाइबर्स- कपास, ग्वार बीज, ग्वार गम

मसाले--मिर्च, जीरा, हल्दी, धनियातेल और तेल के बीज- कैस्टर बीज, सोयाबीन, सरसों के बीज, कॉटनसीड ऑयल केक, रिफाइन्ड सोया ऑयल, कच्चा पाम तेल

भारत में कमोडिटी ट्रेडिंग

कानूनी इकाई जो मानकीकृत वस्तु संविदाओं और अन्य संबंधित निवेश उत्पादों जैसे व्यापार वस्तुओं के नियमों और प्रक्रियाओं को निर्धारित करती है, विनियमित करती है और लागू करती है, वस्तुओं का आदान-प्रदान करती है। यह एक संगठित बाजार है जहां विभिन्न वस्तुएं और यौगिक ट्रेड किए जाते हैं।

भारत में, कोई भी 20+ एक्सचेंज पर जाकर कमोडिटी ट्रेड कर सकता है जो सिक्योरिटीज़ और एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया की नियामक नजर के तहत इस ट्रेड को सुविधा प्रदान करता है। 2015 तक, बाजार का विनियमन फॉरवर्ड मार्केट कमीशन द्वारा किया गया था जो अंत में वाणिज्यिक निवेश के लिए एकीकृत नियामक वातावरण बनाने के लिए सेबी के साथ मिलाया गया था।

कमोडिटी में ट्रेडिंग शुरू करने के लिए, आपको डीमैट अकाउंट, ट्रेडिंग अकाउंट और बैंक अकाउंट की आवश्यकता होगी। डीमैट अकाउंट आपके सभी ट्रेड और होल्डिंग के रक्षक के रूप में कार्य करेगा, लेकिन एक्सचेंज पर ऑर्डर देने के लिए आपको अभी भी अच्छे ब्रोकर के माध्यम से जाना होगा।

भारत में छह प्रमुख कमोडिटी ट्रेडिंग एक्सचेंज हैं, जैसे,

नेशनल मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज इंडिया (एनएमसीई)

नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव एक्सचेंज (NCDEX)

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स)

इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज (आईसीईएक्स)

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज

बोम्बे स्टोक एक्सचेन्ज (बीएसई)

कमोडिटी मार्केट कैसे काम करता है?

मान लीजिए कि आपने प्रत्येक 100 ग्राम के लिए MCX पर ₹72,000 पर गोल्ड फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट खरीदा है। गोल्ड का मार्जिन स्प्रेड पर 3.5% है। इसलिए आपको अपने सोने के लिए रु. 2,520 का भुगतान करना होगा। मान लीजिए कि अगले दिन, सोने की लागत प्रति 100 ग्राम रु. 73,000 तक बढ़ जाती है। कमोडिटी मार्केट से लिंक किए गए बैंक अकाउंट में ₹ 1,000 जमा कर दिए जाएंगे। मान लें कि दिन बाद, यह रु. 72,500 तक गिर जाता है। इसके अनुसार, ₹ 500 आपके बैंक अकाउंट से निकाल दिए जाएंगे।

कमोडिटी ट्रेडिंग के साथ अधिक लाभ प्राप्त करते समय, कमोडिटी में ट्रेडिंग से जुड़े जोखिम भी अधिक होते हैं क्योंकि मार्केट में उतार-चढ़ाव आम हैं।

कमोडिटी मार्केट के प्रकार

आमतौर पर, कमोडिटी ट्रेडिंग या तो डेरिवेटिव मार्केट या प्रत्यक्ष बाज़ार में होता है।

प्रत्यक्ष बाज़ार को कैश मार्केट या फिजिकल मार्केट के रूप में भी जाना जाता है, जहां ट्रेडर भौतिक कमोडिटी का आदान-प्रदान करते हैं, और यह भी तुरंत डिलीवरी के लिए किया जाता है।

भारत में डेरिवेटिव मार्केट में दो प्रकार के कमोडिटी डेरिवेटिव शामिल हैं- फ्यूचर और फॉरवर्ड; ये डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट स्पॉट मार्केट का उपयोग अंतर्निहित एसेट के रूप में करते हैं और वर्तमान में सहमत कीमत के लिए भविष्य में इसका मालिक नियंत्रण करते हैं। अनुबंध समाप्त होने पर, कमोडिटी या परिसंपत्ति को भौतिक रूप से डिलीवर किया जाता है।

आगे और भविष्य के बीच मुख्य अंतर यह है कि आगे काउंटर पर कस्टमाइज़ और ट्रेड किया जा सकता है, जबकि भविष्य एक्सचेंज पर ट्रेड किए जाते हैं और मानकीकृत होते हैं।

कमोडिटी फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट क्या है?

'कमोडिटी फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट' वह अनुबंध है कि ट्रेडर एक निश्चित समय पर पहले से निर्धारित दर पर अपनी कमोडिटी की एक निश्चित राशि खरीद या बेचेगा। जब कोई व्यापारी भविष्य के संविदा खरीदता है, तो उन्हें कमोडिटी की पूरी कीमत का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होती है। इसके बजाय, वे मूल बाजार मूल्य का पूर्वनिर्धारित प्रतिशत अंतर का भुगतान कर सकते हैं। कम अंतर का अर्थ होता है, कोई भी व्यक्ति मूल लागत के एक अंश को खर्च करके बड़ी मात्रा में सोने जैसे कीमती धातु के लिए फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट खरीद सकता है।

कमोडिटी मार्केट के प्रतिभागी

सट्टेबाज़

सट्टेबाज़ हेजर के साथ कमोडिटी मार्केट को चलाते हैं। कमोडिटी की कीमतों का निरंतर विश्लेषण करके वे भविष्य की कीमत के मूवमेंट की पूर्वानुमान लगा सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर पूर्वानुमान यह है कि कीमतें अधिक हो जाएंगी, तो वे कमोडिटी फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट खरीदेंगे और जब कीमतें वास्तव में अधिक हो जाती हैं, तो वे उपरोक्त कॉन्ट्रैक्ट को उनके द्वारा खरीदे गए खरीद से अधिक कीमत पर बेच सकते हैं। इसी प्रकार, अगर भविष्यवाणी कीमतों में गिरावट को दर्शाती है, तो वे कॉन्ट्रैक्ट बेचते हैं और उन्हें कम कीमत पर वापस खरीदते हैं, इस प्रकार लाभ उठाते हैं।

क्योंकि वे माल के वास्तविक उत्पादन में या अपने व्यापार की डिलीवरी में रुचि नहीं रखते हैं, इसलिए वे अधिकांशतः नकद-निपटान भविष्य के माध्यम से निवेश करते हैं जो मार्केट अपनी उम्मीदों के अनुसार उन्हें काफी लाभ प्रदान करते हैं।

हेजर्स

निर्माता और उत्पादक आमतौर पर कमोडिटी फ्यूचर्स मार्केट की मदद से अपने जोखिम को दूर करते हैं। उदाहरण के लिए, अगर कटाई के दौरान कीमतों में उतार-चढ़ाव आता है और गिरता है, तो किसानों को नुकसान होना पड़ेगा। इस घटना के जोखिम को दूर करने के लिए, किसान भविष्य का संविदा ले सकते हैं। इसलिए, जब स्थानीय बाजार में कीमतें गिरती हैं, तो किसान भविष्य के बाजार में लाभ उठाकर नुकसान की भरपाई कर सकते हैं। इसके विपरीत, अगर भविष्य के बाजार में कोई नुकसान होता है, तो स्थानीय बाजार में लाभ उठाकर इसे क्षतिपूर्ति की जा सकती है।

कमोडिटीज़ का इस्तेमाल मुद्रास्फीति के खिलाफ हेज के रूप में भी किया जाता है। चूंकि कमोडिटी की कीमत अक्सर मुद्रास्फीति के रुझान को दर्शाती है, इसलिए निवेशक अक्सर इन्फ्लेशन के समय अपने फंड को

सुरक्षित करने के लिए उपयोग करते हैं क्योंकि मुद्रास्फीति के कारण होने वाले नुकसान को कमोडिटी की कीमतों में वृद्धि के कारण समायोजित किया जा सकता है।

कमोडिटी में निवेश करना

कमोडिटी के प्रकार के आधार पर, व्यापारी कमोडिटी में निवेश करने के विभिन्न तरीके खोज सकते हैं। इस तथ्य पर विचार करते हुए कि वस्तुएं भौतिक वस्तुएं हैं, वस्तुओं में निवेश करने के लिए चार प्रमुख तरीके हैं।

प्रत्यक्ष निवेश- कमोडिटी में सीधे निवेश करना

फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट-कमोडिटी फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट का उपयोग करके कमोडिटी में निवेश करें

कमोडिटी ईटीएफ- ईटीएफ (एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड) के शेयर खरीदना

कमोडिटी शेयर- कमोडिटी उत्पन्न करने वाले कंपनियों या संगठनों में स्टॉक के शेयर खरीदना

कमोडिटी ट्रेडिंग के लाभ

मुद्रास्फीति, स्टॉक मार्केट क्रैश और अन्य ब्लैक स्वान कार्यक्रमों से सुरक्षा- जब मुद्रास्फीति बढ़ती है, तो यह कंपनियों के लिए महंगा उधार लेता है और उनकी लाभ-निर्माण क्षमताओं को प्रभावित करता है। इसके परिणामस्वरूप, उच्च मुद्रास्फीति की अवधि के दौरान स्टॉक की कीमतें गिरती हैं। दूसरी ओर, माल की लागत बढ़ जाती है, अर्थात प्राथमिक वस्तुओं और कच्चे माल की कीमत बढ़ जाती है, जिससे कमोडिटी की कीमतें अधिक हो जाती हैं। इसलिए, जब मुद्रास्फीति बढ़ रही हो, तब कमोडिटी ट्रेडिंग लाभदायक हो जाती है।

उच्च लीवरेज सुविधा- व्यापारी कमोडिटी मार्केट में निवेश करके अपनी लाभ क्षमता को बढ़ा सकते हैं। यह व्यापारियों को 5 से 10 प्रतिशत मार्जिन का भुगतान करके बाजार में महत्वपूर्ण स्थिति लेने की अनुमति देता है। इस तरह, एक महत्वपूर्ण कीमत में भी वृद्धि लाभ की क्षमता को तेजी से बढ़ा सकती है। हालांकि न्यूनतम अंतर आवश्यकता एक कमोडिटी से दूसरे कमोडिटी तक अलग-अलग होती है, लेकिन यह अभी भी इक्विटी निवेश में आवश्यक अंतर से कम है। न्यूनतम- जमा अकाउंट और पूर्ण आकार के अनुबंध को नियंत्रित किया जा सकता है

विविधता- कमोडिटी निवेशक को अपने संविभाग में विविधता करने की अनुमति देती है क्योंकि कच्चे माल में स्टॉक के साथ कम संबंध होता है।

पारदर्शिता- कमोडिटी मार्केट विकसित हो रहा है और अत्यधिक विनियमित है। आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग सूट ने बाजार की पारदर्शिता और दक्षता में वृद्धि की है, जिससे हर-फेर का जोखिम को खत्म हो गया है। इसने ब्रॉड-स्केल भागीदारी द्वारा उचित कीमत की खोज को सक्षम किया।

कमोडिटी ट्रेडिंग के नुकसान-

कई लाभ के बावजूद, कमोडिटी ट्रेडिंग में कुछ नुकसान होते हैं, जिन्हें निवेश करने से पहले आपको पता होना चाहिए।

लीवरेज- यह दो तरफा तलवार हो सकती है, विशेष रूप से अगर आप अंतर ट्रेडिंग में अनुभव नहीं करते हैं। जैसा कि पहले चर्चा की गई है, व्यापारियों को बाजार में बड़ी बोली लगाने की अनुमति देता है। अगर अंतर 5 प्रतिशत है, तो कोई भी केवल रु. 5000 का भुगतान करके रु. 100,000 की कीमत वाले कमोडिटी फ्यूचर खरीद सकता है। इसका मतलब यह है कि कीमत में थोड़ा गिरावट के साथ, व्यापारी एक महत्वपूर्ण राशि खो सकते हैं।

उच्च अस्थिरता- कमोडिटी ट्रेडिंग से अधिक रिटर्न कमोडिटी की उच्च कीमत में अस्थिरता के कारण होता है। जब माल की मांग और आपूर्ति इनलास्टिक होती है तो मूल्य मांग और आपूर्ति द्वारा चलाया जाता है। इसका मतलब है कीमत, आपूर्ति और मांग में बदलाव होने के बावजूद, जो कमोडिटी फ्यूचर के मूल्य को महत्वपूर्ण रूप से बदल सकता है। मुद्रास्फीति के लिए आवश्यक नहीं- प्रतिभूतियों और वस्तुओं के बीच नकारात्मक संबंध होने के बावजूद, बाद में पोर्टफोलियो विविधता के लिए उपयुक्त नहीं है। वह सिद्धांत जो कमोडिटी प्राइस स्टॉक के साथ विपरीत दिशा में चलता है, वह 2008 के आर्थिक संकट के दौरान अनुभव के अनुसार नहीं होता है। कमोडिटी मार्केट में मुद्रास्फीति, बेरोजगारी और कम मांग वाली कंपनियों के उत्पादन को रोकती है और कच्चे माल की मांग को प्रभावित करती है।

खरीदने और होल्ड निवेशकों के लिए कम रिटर्न- महत्वपूर्ण रिटर्न जनरेट करने के लिए कमोडिटी ट्रेडिंग को थोक निवेश की आवश्यकता होती है। ब्लूमबर्ग कमोडिटी इंडेक्स, जिसे गोल्ड स्टैंडर्ड माना जाता है, प्रदर्शित किया गया है कि सबसे सुरक्षित सरकारी बांड भी ऐतिहासिक रूप से कमोडिटी ट्रेडिंग की तुलना में अधिक रिटर्न प्राप्त कर चुके हैं। यह मुख्य रूप से उत्पादों की चक्रीय प्रकृति के कारण होता है, जो निवेशकों को खरीदने और रखने के लिए निवेश के मूल्य को कम करता है

संपत्ति एकाग्रता- जब कमोडिटी में निवेश करने का प्राथमिक कारण पोर्टफोलियो को विविधता प्रदान करना है, तब भी कमोडिटी निवेश उपकरण अक्सर एक या दो इंडस्ट्री पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिसका अर्थ है एक खंड में एसेट की उच्च सांद्रता।

कमोडिटी ब्रोकर कैसे चुनें?

विश्वसनीयता और अनुभव अच्छे ब्रोकर का प्रभाव चिह्नित करता है। प्रस्तुत की गई सेवाओं के वर्गीकरण, सक्रीय ग्राहक सहायता टीम और वित्तीय सलाह, मार्जिन-प्रोसेसिंग प्रैक्टिस के आधार पर ब्रोकर चुनें और केवल उनके शुल्क पर ही नहीं।

ब्रोकर के साथ साइन-अप करने से पहले, निवेशक को उन प्लेटफॉर्म की जांच करनी चाहिए जिनके माध्यम से निवेश लाइव हो रहे हैं। नौसिखिये निवेशक के लिए एप्लीकेशन या मीडिया का प्रदर्शन करने की सलाह दी जाती है।

महाकुम्भ आए 'हैरी पॉटर' बोले अब जाकर जाना आखिर क्यों है भारत इतना महान

योगी सरकार की तैयारियों की तारीफ करते हुए प्रशासन के प्रयासों को सराहा

महाकुम्भनगर, 31 जनवरी। महाकुम्भ-2025 में मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का साक्षी बनने और इस समृद्ध विरासत की एक झलक देखने की लालसा केवल भारतीयों में ही नहीं, दुनियाभर के लोगों में है। यही कारण है कि सकल विश्व से लोग महाकुम्भ के महा आयोजन का साक्षी बनने स्वतः ही खिंचे चले आ रहे हैं। इसी क्रम में, कुछ दिनों पहले एक वीडियो वायरल होता है जिसमें एक विदेशी शख्स भंडारे से मिला खाना बड़े चाव से खाता दिखता है और लोग उसे हैरी पॉटर की संज्ञा देते हुए प्रचारित करना शुरू कर देते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियोज में हैरी पॉटर फेम यह शख्स कोई और नहीं, इटली के निकोलो ब्रुग्नारा हैं। महाकुम्भ में मिल रहे फेम का आनंद लेते हुए निकोलो महाकुम्भ, यूरोप, भारत, योग और योगी सरकार के बारे में भी कई बातें बताते हुए मुक्त कंठ से तारीफ करते हुए नहीं थकते हैं।निकोलो इटली की न्यूज एजेंसी द्वारा बतौर कैमेरामैन महाकुम्भ मेला कवर करने आए हैं और यहां महाकुम्भ पर बन रही एक डॉक्यूमेंटरी का भी हिस्सा हैं। वह आए तो थे महाकुम्भ की खबरें कवर करने, तस्वीरें खींचने, मगर अब खुद खबर बन गए हैं और इसका कारण सोशल मीडिया से मिल रही पॉपुलैरिटी है। लोग उनके साथ सेल्फी लेने, रील्स बनाने और इंटरैक्ट करने को बेताब हैं और निकोलो ने खुद कभी नहीं सोचा था कि अपने देश से दूर वह इस तरह फेमस हो जाएंगे।निकोलो ब्रुग्नारा खुद को बेहद भाग्यशाली मानते हैं कि इटली से वह महाकुम्भ की कवरेज करने आए। उनके अनुसार, एक सीमित क्षेत्र में करोड़ों लोगों का यूं जुटना, स्नान-पूजन व ध्यान करना और छिटपुट घटनाओं के इतर इतने समायोजित तरीके से पूरी प्रक्रिया का प्रबंधित होना किसी अचरज से कम नहीं है। उनके अनुसार, भारत की महानता इसी बात में है कि भारत सबको बड़े प्यार से अपना अंग बना लेता है। यहां करोड़ों लोग जिस प्रकार स्वयं जुटकर शांतिपूर्वक पूजा-अराधना कर रहे हैं यह अकल्पनीय दृष्य है। उनका मानना है कि यूरोप में तो इस तरह के दृष्य के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता है, क्योंकि आबादी के साथ ही व्यवहार के लिहाज से भी यूरोपीय देशों के लिए इतने विशाल जनसमुद्र को समायोजित करना असंभव है।

निकोलो ने महाकुम्भ के आयोजन को लेकर डबल इंजन की सरकार और विशेषकर योगी सरकार व स्थानीय मेला प्रशासन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह खुद योग प्रैक्टिशनर हैं और उन्हें पता है कि योग की शक्ति से क्या कुछ नहीं हो सकता। सीएम योगी की कार्यप्रणाली से प्रभावित दिखे निकोलो का मानना है कि जो योगी जो कर सकते हैं वह किसी और के बस की बात नहीं है।

निकोलो को इस बात पर अचरज है कि उन्होंने तो कभी खुद की तुलना हैरी पॉटर का किरदार निभाने वाले एक्टर डैनियल रैडक्लिफ से नहीं की। उनके अनुसार, डैनियल से कहीं ज्यादा सुंदर तो वह खुद हैं, मगर सोशल मीडिया पर भंडारे का खाना खाते किसी शख्स ने उनका वीडियो वायरल कर दिया और तभी से वह हैरी बनकर महाकुम्भ में जादुगरी के मिथकीय विश्वविद्यालय हॉगवर्ड्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। निकोलो एक कुशल कैमेरामैन हैं और वह महाकुम्भ यह सोचकर आए थे कि उनकी खींची तस्वीरें उन्हें प्रसिद्धि दिलाएंगी। मगर, महाकुम्भ में मिल रही पॉपुलैरिटी को चमत्कार मानते हुए निकोलो का कहना है कि उन्होंने कभी इस तरह लोगों के आकर्षण का केंद्र बनने की बात नहीं सोची थी। उनके अनुसार, लोगों से मिल रहा प्यार अभिभूत कर देने वाला है। उन्होंने किस्से-कहानियों में सुना था कि भारत चमत्कार का देश है और अब एक चमत्कार ने ही उनकी जिंदगी बदलकर रख दी है।